रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 15 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 158 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

केंद्र ने माना संथाल के जमीन विवाद में बंग्लादेशी घुसपैठियों का जुड़ाव नहीं: महासभा

संवाददाता । रांची

झारखंड जनाधिकार महासभा ने एक प्रेस बयान जारी कर दावा किया है कि केंद्र सरकार ने इस बात को मान लिया है कि संथाल परगना में जो जमीन विवाद का मामला है, उसका बंग्लादेशी घुसपैठियों से कोई जुड़ाव नहीं है. जिस मामले में हलफनामा दाखिल कर केंद्र सरकार ने यह बात कहा है, वह मामला भाजपा कार्यकर्ता द्वारा दाखिल पीआईएल है, जिसमें दावा किया गया था कि बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा आदिवासियों से शादी कर जमीन लूटी जा रही है व घुसपैठ हो रही है.

जारी प्रेस बयान में कहा गया है कि हाल के दिनों में भाजपा लगातार प्रचार कर रही है कि संथाल परगना में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए आ रहे हैं जो आदिवासियों की जमीन हथिया रहे है, आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं और आदिवासियों की जनसंख्या कम हो रही है. भाजपा ने क्षेत्र में कई हिंसा व जमीन विवाद की घटनाओं को भाजपा ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ जोड़ा. महासभा की फैक्ट फाइडिंग टीम ने पिछले दिनों संथाल का दौरा करके वही बात कहा था, जो केंद्र के हलफनामे में है. केंद्र ने यह भी कहा है कि पश्चिम बंगाल से सटे पाकुड़ व साहिबगंज से घुसपैठ की आशंका है, लेकिन कोई प्रमाण नहीं दिया है.

केंद्र ने की आंकड़ों की गलत व्याख्या : महासभा ने आगे कहा है कि केंद्र सरकार ने आंकड़ों की गलत व्याख्या की है. हलफनामे में कहा गया है कि संथाल परगना में हिंदुओं की संख्या में गिरावट हुई है. 1951 में क्षेत्र की कुल जनसंख्या 23.22 लाख थी, जिसमें हिंदुओं की आबादी 90.37 प्रतिशत थी, मुसलमानों की 9.43 प्रतिशत व ईसाईयों की 0.18%. आदिवासी 44.67 प्रतिशत थे. यह कहा गया है कि 2011 में हिन्दुओं की जनसंख्या 67.95 प्रतिशत हो गया. जबकि तथ्य यह है कि 1951 की जनगणना में केवल छह धर्म कोड में की गयी थी (हिंदू, इस्लाम, सिख, ईसाई, जैन व बुद्धिस्ट). आदिवासियों को हिंदू में ही डाल दिया गया था. जबकि 2011 में अनेक आदिवासियों ने अपने को 'अन्य/सरना' में लिखित रूप में दर्ज किया था.

1951 से 91 के बीच कम हुई जनसंख्या

आंकड़ों के अनुसार 1951 से 2011 के बीच हिन्दुओं की आबादी 24 लाख बढ़ी है, मुसलमानों की 13.6 लाख और आदिवासियों की 8.7 लाख. आदिवासियों का अनुपात 46.8 प्रतिशत से घटकर 28.11 प्रतिशत हुआ है, मुसलमानों का अनुपात 9.44 प्रतिशत से बढ़कर 22.73 प्रतिशत व हिंदू 43.5 प्रतिशथ से बढ़कर 49 प्रतिशत हुए हैं. आदिवासियों की संख्या में गिरावट 1951-91 के बीच हुई है. महासभा ने राज्य सरकार से मांग की है कि किसी भी नेता या सामाजिक-राजनैतिक संगठन द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठिये, लैंड जिहाद, लव जिहाद जैसे शब्दों का प्रयोग कर साम्प्रदायिकता फैलाने की कोशिश होती है, तो उनके विरुद्ध न्यायसंगत कार्यवाई हो.

ऐ ललबबुओ... मिस कॉल मारले बाड़ा, टिकट ला फीस देला कि ना हो

संजय सिंह

कोईला नगरी में एगो ललबबुआ हैं. कोईला से ढेरे कमाईया कईले हैं. एगो कोईला कंपनी के अफसर लोग के भी ढेरे माल खपाईले-पचाईले रहे हैं ललबबुआ महोदय. ललबबुआ नाम है, तो ई मत समझिएगा कि ई कोनो भकड़मल्लू हैं. भारी रंगबाज हैं. इनके एगो छोटे भाईयो साहिब हैं, ऊ तो औरो रंगबाज हैं. बात-बात में केकरो गरिया देना, केकरो धर के धुन देना ई दुनु भाई लोग के लिए आसान बात हुआ करता था, है... अउरो आगे भी रहबे करेगा. एकरो लोग गारंटी लेले कोयला नगरिया में घूमइत रहता है. अब ललबबुआ जी करिया कोइलवा के करिया-करिया धंधवा से ढेरे माल बटोर लीहिन, तो चाले-ढाल बदल गईस हैं. गीतो गावे लगे हैं, माल है चो चाल है, वर्ना सब कंगाल है. ललबबुआ जी रंगबाजी टाइट रखेला कोइला नगरिया के नेताजी लोगिन के मैनेज कईले रहते थे. मालो-पानी सप्रेम भेंट किया करते थे. लेकिन एगो बाघ मारे वाले जगह के नेताजी केस-मुकदमा, रंगबाजी जईसन ढेरे-ढेरे केस मुकदमवा में फंसे के बावजूद कोइलवा से ढेरे कमाइया कर लीहिन, तो कमल ब्रांड क्लीनिंग पाउडर से धोलाइला के बाद दिल्ली दरबार तक पहुंच गईन. उनका देखादेखी अब ललबबुआ जी के नेतई के सुर धर लीहिस है. आजकल ललबबुआ जी के बोली-वाणी में से रस चुए लगल है. उनके लघु भाई पर अब तनिको शंका करे के जरूरत न रह गईल. उनको बोली में रसगुल्ला टपके लगल हैं. किसी से भी दुनु भाई मेल-मिलाप करते हैं, तो अइसन बतियावे लगते हैं, जईसन लोगबाग अपन मेहरारू से मीठी-मीठी बतियाता है. आजकल ललबबुआ जी के नेतई करेवाला पिलुवा काट ले ले है. बबुआ जी के नेतई पिलुआ काटले है तो का हुआ, उनके ते आगे-आगे सबकुछ लाले लाल दिखाई देले हैं. अब बबुआ लला जी में छिछियाईनी ढुकल है. जा झार के झरिया से लेकेकोइला नगरिया में आजकल जेने-तेने छिछिआईले रहते हैं. कूब आत्मियता से लोगन से मिलते रहते हैं, कउनो चीज के दरकार होने पर फोनवो करेला बोले लगे हैं है. साइकिल से कोई गिर हाथ-पैर छिलवा लीहिस, तो बबुआ लाल झट से पहुंच जाते हैं. दरअसल बबुआ लाल जी रंगबाजी में पीएचडी के डिग्री हथियाइले रहले, अब तनिका अपन इमेजवा में सुधार कर रहल बाडें. राजनीतिक पिलुववा के चलते. ललबबुआ जी आजकल कमल ब्रांड क्लीनिंग पाउडर लगाइले तनिका साफ-सुथरा दिखे के कोशिश में लगल हैं. जब कमल ब्रांड एगो नेताजी से पूछल गिया कि का हो ई बबुआ लाले लाल जी पार्टिया में कब घुसियाइल बाड़ें... तो नेताजी कहिन-अब का कहल जाओ. अब तो मिस कॉल मारे के बा, मिल गईल सदस्यता. केहुं ईहो न पूछे ला कि मिस कॉल मारत बाड़ा, फीस देब... का हो. बबुआ लाल जी अब मिस कॉल मार के मेंबर बन गईल बाड़ें, तो टिकट लगी हंफनी धईले बा. बबुआ लगे ढेरे माल बा, तो लड़िकन आगे-पीछे मंडराईल बाड़ें. कुछुओ भेंटा जाओ, आखिर थोड़े देर जिंदाबाद कईला पे माल ठीके-ठाक भेंटा जाता तो हरजा का बा. अब बबुआ लाल जी जा जारके झरिया से कोईल नगरिया से कमल ब्रांड क्लीनिंग पाउडरवा के एजेंसी लगी तड़पड़ाईल बाड़ें. कमल ब्रांड रायशुमारी में ढेरे लग्गू-भग्गू लोगन के साथे पहुंच गईलें. तो ऑरिजनल कमल ब्रांड वाला लोग खिसिया गईल. कहे लागल लोग कि झंड़ा ढोईं हमनी के, टिकट हबके ला अवतरित हो गईले ई बबुआ जी. ई सब न चली. लेकिन ललबबुआ अंकल कुछ कमल ब्रांड लोगन के फंसाईले बांड़ें, ताकि चुनावी समर में किस्मत आजमावे के मौका मिल जाए. वईसे ई बबुआ लाल जी के आउर उनके छोट जना के करतूत से पूरा कोईला नगरिया वाकिफ बिया. रंगबाजी के मामला हो या ठाईं-ठाईं के मामला हो, ई बबुआ लाल जी के कोई मुकाबला नईखे. कोइला नगरी के लोग कहेला कि बबुआ लाल जी तो एक बेर जांच करेवाली बड़की एजेंसियों के अफसरो लोग पर ठाईं-ठाईं करवा देले रहें. बबुआ लाल तो लाल बबुआ बड़ले बाड़ें, लेकिन इनकर छोट जना अउर बड़का कलाकार बाड़े. एक बेर खाकी वाला लोग धई लेलस, मीडिया के सामने ले गईल तो मीडिया वाला लोग फोटो खींचे लागल...तो छोटकी जनी जौन करिश्मा कईलें, ऊ रऊवा सभे जान जाइब तो रउवा सबे के लाज लागे. फोटो खिचाईल से एतना खिसियाईले छोटकू जना कि अफसर से लेके मीडिया नाला लोग सामने की पाइंट-शर्ट खोल के इंटरनेशनल (नंगा) हो गईलें. ए घरी ऊ छोट जनी के भी भइया जी लगी मीठी-मीठी बोल वचन निकले लगल बा. अब देखे के ईहे बा कि बबुआ जी के कमल ब्रांड क्लीनिंग पाउडर लगाईला पर क्लीयरिंस सर्टिफिकेट मिल जाता कि बबुआ जी अकेले टपरा गाईले घूमत रह जईहें.

चुनावी चकल्लस

राज्य सेवा के नौ अफसरों का तबादला

रांची। राज्य सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के नौ अफसरों का तबादला कर दिया है. कार्मिक विभाग ने शनिवार को इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है.

नाम	कहां गए
जुल्फिकार अली	संयुक्त सचिव, नगर विकास
जावेद अनवर इदरीसी	संयुक्त सचिव, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
अनंत कुमार	उप सचिव, स्वास्थ्य,
विभूति मंडल	क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी, दुमका
विशालदीप खलखो	उप सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी
मिनाक्षी भगत	अवर सचिव, परिवहन विभाग
राजीव कुमार	अनुमंडल पदाधिकारी, मधुपुर
सीगा दीपिका टोप्पो	उप निदेशक, एटीआइ
चंद्रजीत सिंह	कार्यपालक दंडाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम

बाउरी ने कहा- सरकार 50 लाख रु मुआवजा दे

रांची। उत्पाद सिपाही की भर्ती दौड़ में जमशेदपुर के एक और युवा की मौत पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सरकार पर निशाना साधा है. बाउरी ने सरकार से उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में जान गंवाने वाले अभ्यर्थियों के आश्रितों को 50 लाख रुपये मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है. बाउरी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि "उत्पाद सिपाही दौड़ : एक और मौत ... हेमंत सरकार के तुगलकी फरमान की बलि एक और युवा चढ़ा : "मौत की दौड़". उत्पाद सिपाही बहाली में भाग ले रहे एक और अभ्यर्थी की मौत हो गई है. मृत अभ्यर्थी जमशेदपुर के बर्मामाइंस के रहनेवाले मुरामुल्ला सूर्या की मौत रिम्स में इलाज के दौरान हुई है. भाजपा अपनी मांगों को एक बार पुनः दोहराती है : मृतक के परिजनों को 50 लख रुपये की राशि दी जाए और परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाए.

जोहार पार्टी झारखंड की तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी

रांची। जोहार पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव में तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी.भारत निर्वाचन आयोग ने जोहार पार्टी को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए ऑटोरिक्शा (टेंपो) छाप चुनाव चिह्न आबंटित किया है. यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह संस्थापक कमलेश कुमार रॉय और प्रदेश महासचिव सह रांची विधानसभा से प्रस्तावित उम्मीदवारअनिल कुमार गुप्ता दी. वे शनिवार को मीडिया से बात कर रहे थे. कमलेश कुमार रॉय ने कहा कि हमारी पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव में तीन विस सीटों से चुनाव लड़ेगा. रांची से अनिल कुमार गुप्ता, हटिया से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशवाहा विजय कुमार महतो और बोकारो से मनोज कुमार महली को उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया गया है.

डायग्नोस्टिक, रेडियोलॉजी जांच और स्क्रीनिंग होगी मुफ्त

कैंसर के मरीजों की जांच के लिए 50 करोड़ जारी

- वित्तीय वर्ष 2024-25 में खर्च करेगी 50 करोड़
- चार जिलों में कालाजार का भी होगा सफाया
- राज्य में हर साल सामने आ रहे हैं कैंसर के 40 हजार मरीज

रवि भारती । रांची

राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों के इलाज पर 50 करोड़ रुपए खर्च करेगी. इसके तहत कैंसर के मरीजों की जांच पर 50 करोड़ रुपया खर्च किया जायेगा. मरीजों की डायग्नोस्टिक, रेडियोलॉजी जांच और स्क्रीनिंग भी मुफ्त में की जाएगी. महिलाओं को होने वाली सर्वाईकल कैंसर की जांच भी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त होगा. इसके साथ ही सरकार ने राज्य के चार जिले साहेबगंज, गोड्डा, पाकुड़ एवं दुमका में कालाजार का पूर्ण रूप से उन्मूलन करने की भी योजना बनाई गई है. मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क सरवाईकल कैंसर एवं ब्रेस्ट कैंसर, स्क्रीनिंग योजना के तहत जिलों के अस्पतालों को राशि उपलब्ध करा दी गई है.

हर साल कैंसर के 40 हजार मरीज : राज्य में हर साल कैंसर के लगभग 40 हजार मरीज सामने आ रहे हैं. राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में हर दिन इलाज के लिए 60 से 70 मरीज आ रहे हैं. प्रदेश में सबसे अधिक ओरल, ब्रेस्ट और फेफड़े के कैंसर के मरीज मिल रहे हैं. अधिकांश मरीजों की उम्र 50 साल से अधिक होती है. लगभग 25 फीसदी मरीजों का ईलाज रेडियोथेरेपी के जरीये किया जाता है. जबकि 50 फीसदी मरीजों को सर्जरी के लिए सुझाव दिया जा रहा है.

झारखंड में 30 फीसदी लोगों की मौत कैंसर से होगी. वहीं प्रदेश में 13 फीसदी की दर से कैंसर के मरीज सामने आ रहे हैं. झारखंड की कुल आबादी का 0.5 फीसदी महिलाओं की ही सरवाइल स्क्रीनिंग हुई है. यह काफी कम है. वहीं 0.1 फीसदी महिलाओं की ब्रेस्ट स्क्रीनिंग हुई. इस वजह से राज्य सरकार ने कैंसर की रोकथाम के लिए कई कदम उठाए हैं.

जिलों को आवंटित राशि

जिला	राशि
गिरिडीह	03 करोड़
कोडरमा	50 लाख
रामगढ़	02 करोड़
धनबाद	04 करोड़
बोकारो	1.50 करोड़
देवघर	01 करोड़
गोड्डा	1.50 करोड़
दुमका	04 करोड़
पाकुड़	02 करोड़
साहेबगंज	02 करोड़
पश्चिमी सिंहभूम	50 लाख
पूर्वी सिंहभूम	01 करोड़
लातेहार	50 लाख
रांची	02 करोड़
खूंटी	50 लाख
गुमला	02 करोड़
सिमडेगा	03 करोड़
लोहरदगा	50 लाख
जामताड़ा	04 करोड़
पलामू	01 करोड़
हजारीबाग	04 करोड़
चतरा	2.50 करोड़
जमशेदपुर	04 करोड़
गढ़वा	03 करोड

साहिबगंज और पाकुड़ में 250 से ज्यादा मदरसे संचालित

विनित आभा उपाध्याय/सौरव सिंह । रांची

संथाल में बांग्लादेशी मूल के लोगों के घुसपैठ का मामला फिलहाल काफी गर्म है. एक तरफ हाईकोर्ट इस मामले में सुनवाई कर रहा है. वहीं दूसरी तरफ झारखंड में प्रमुख विपक्षी दल बीजेपी के लिए यह बड़ा मुद्दा बन चुका है. संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामले को लेकर बीजेपी लगातार राज्य सरकार पर हमलावर है. वहीं राज्य सरकार की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि संथाल में घुसपैठ नहीं हुआ है. इस बीच यह जानकारी सामने आयी है कि संथाल के दो जिलों साहिबगंज और पाकुड़ में लगभग 250 से ज्यादा मदरसों का संचालन हो रहा है. आंकड़ों के मुताबिक, पाकुड़ जिले में लगभग 100 सामान्य मदरसे संचालित हो रहे हैं. जबकि अराजकीय प्रस्वीकृत अनुदानित और स्थापना अनुमति गैर अनुदानित मदरसों की संख्या लगभग 80 से ज्यादा है. साहेबगंज जिले की बात करें तो यहां लगभग 60 मदरसे संचालित हो रहे हैं. साहेबगंज जिले के बरहरवा, राजमहल और उधवा में सबसे अधिक मदरसे हैं. वहीं पाकुड़ जिले के महेशपुर, हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा और पाकुड़ प्रखंड में सबसे ज्यादा मदरसे संचालित हो रहे हैं.

जमशेदपुर के दानियल दानिश ने हाईकोर्ट में दायर की है जनहित याचिका : बता दें कि जमशेदपुर जिले के रहने वाले दानयल दानिश ने बांग्लादेशी मूल के लोगों द्वारा संथाल के इलाके में घुसपैठ का मामला उठाते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है. केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि संथाल इलाके में आदिवासियों की संख्या घटी है और वहां की जमीन मुस्लिम धर्म के लोगों को गिफ्ट डीड के जरिए दी जा रही है. वहीं केंद्र ने अपने हलफनामे में यह भी बताया है कि संथाल इलाके में ईसाई समुदाय के लोगों की संख्या में कई गुणा इजाफा हुआ है और आदिवासियों की आबादी 44 फीसदी से मात्र 28 फीसदी रह गयी है.

फर्जी ऑनलाइन जॉब ऑफर से रहें सावधान

रांची। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है. इस बीच युवाओं में जॉब पोर्टल और एप्स के जरिए नौकरी ढूंढ़ने का प्रचलन भी बढ़ा है.

झारखंड पुलिस की अपील साइबर ठग भी फ्रॉड का कोई तरीका नहीं छोड़ रहे हैं. वे अब नौकरी की तलाश में लगे युवाओं से भी फ्रॉड कर रुपये ऐंठ रहे हैं. इसको लेकर झारखंड पुलिस ने आम लोगों को सचेत किया है. साथ ही पुलिस ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है. पुलिस ने पोस्टर जारी कर अपील की है कि ऑनलाइन जॉब के फर्जी ऑफर जैसे वर्क फ्रॉम होम, क्लिक एंड अर्न और रेट एंड अर्न से सावधान रहें. अपनी वित्तीय या व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले हमेशा सत्यापित करें.

चेन्नई में दिख रही झारखंड की कलाकृतियां और हस्तशिल्प

प्रमुख संवाददाता । रांची

उद्योग सचिव सचिव जितेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड हस्तशिल्पियों का गढ़ है. यहां की समृद्ध संस्कृति की विरासत और कलाकारों को एक मुकाम मिले, उसके लिए झारक्राफ्ट प्रयास कर रहा है. वे शनिवार को चेन्नई के वलुवरकर हाई रोड, नुंबक्कम स्थित मदर टेरेसा विमेंस कांप्लेक्स में झारक्राफ्ट हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट एक्सपो के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि झारक्राफ्ट झारखंड सरकार का इंडस्ट्री पार्टनर है. हमारा उद्देश्य है कि झारक्राफ्ट के प्रोडक्ट को नई पहचान मिले. इसी कड़ी को जोड़ने के लिए चेन्नई में हम दूसरी बार एक्सपो का आयोजन कर रहे हैं.

तसर सिल्क और डोकरा आर्ट : उद्योग सचिव ने लोगों को बताया कि झारखंड में तसर सिल्क और डोकरा आर्ट प्रशिद्ध है. जब झारखंड बिहार से अलग हुआ था तो उद्देश्य था कि झारखंड के उत्पादों को एक पहचान मिले. इसके लिए एक प्लेटफार्म की जरूरत महसूस की गई ताकि झारखंड के हुनर को एक पहचान मिल सके. कई प्रदेश में इसी प्रकार के एक्सपो के माध्यम से झारक्राफ्ट के उत्पादों को एक मंच देने का प्रयास किया गया है. झारखंड 75 फीसदी सिल्क का उत्पादन करता है.

14 से 16 सितंबर तक चलेगा एक्सपो : 14 से 16 सितंबर 2024 तक चलने वाले इस एक्सपो में झारखंड की हस्तशिल्प और कलाकृतियों से जुड़े स्टॉल लगाए गए हैं. इसके साथ ही उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु, की हस्तशिल्प और कला संस्कृति से जुड़े स्टॉल लगाए गए हैं.

इनके लगे स्टॉल

झारक्राफ्ट रांची, केंदुआ पीड्ब्ल्यूसीएस महगांवा, चमन एसएचजी गोड्डा, जियाजोरी एसएचजी गोड्डा, बरकट्ठी पीड्ब्ल्यूसीएस रामगढ़, पोखरीकलां पीड्ब्ल्यूसीएस लातेहार, ग्रामीण युवा बुनकर एसएचजी गोड्डा, युवा ग्रामीण विकास एसएचजी भगैय्या, सपना सिल्क झारखंड, युवा ग्रामीण विकास एसएचजी मानिकपुर, ढोकरा झारखंड, सुखदेव महली सरायकेला, ओम क्रिएशन झारखंड, मो इरफान आलम रांची, मेघनाथ महतो खरसांवा, सिकनी पीड्ब्ल्यूसीएस रामगढ़, नरेश कुमार विश्वकर्मा बोकारो, अपरकोणकी चमेली एसएचजी रांची, सीइडीएआर दुमका, झारखंड राज्य खरी एवं विकास बोर्ड, सजवा देवी हजारीबाग, एडीआइवीए झारखंड, शशिकांत बोकारो, लाह हस्तशिल्प स्वावलंबी सहकारी समिति रांची, ट्राइब्स इंडिया, पर्यटन विभाग झारखंड सरकार.

झामुमो महिलाओं को पांच सालों का चूल्हा खर्च दे : शिवराज

प्रमुख संवाददाता । रांची

केन्द्रीय कृषि मंत्री व झारखंड बीजेपी के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान शनिवार को रांची पहुंचें. उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया. युवाओं को पांच लाख नौकरियां देने का वादा था, नौकरी नहीं मिली. बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा था, नहीं दिया. महिलाओं को हर महीने दो हजार रूपए चुल्हा खर्च देने का वादा किया था, लेकिन नहीं दिया. अब चुनाव के नजदीक आते ही फिर से जेएमएम खोखले वादे कर रही है, लेकिन झारखंड की जनता इनके झूठे दावों को समझ चुकी है. अब इनके झांसे में आने वाली नहीं है.

रांची दौरे पर आये शिवराज सिंह चौहान ने रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ के आवास पर पौधारोपण किया.

उन्होंने हेमंत सरकार की तरफ इशारा करते हुए कहा कि जो बचा हुआ पैसा है, वो दो हजार रूपए के हिसाब से गरीब बहनों को दें.

शिकारी आएगा, दाना डालेगा और जाल बिछाएगा : शिवराज ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शिकारी आएगा, दाना डालेगा और जाल बिछाएगा, लेकिन झारखंड की जनता अब इनके झांसे में आने वाली नहीं है.

आईएसडीजी प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्री पांडेय से मिला

रांची । आईएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन का एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मुलाकात की. यह फाउंडेशन हार्वेस्ट प्लस के बायो फोर्टिफिकेशन का काम करती है. प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बायो फोर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी. मंत्री दीपिक पांडेय सिंह ने फाउंडेशन से कहा कि इस कार्यक्रम को राज्य के दूरस्थ इलाकों में पहुंचाये, ताकि जमीन की पैदावार में बढ़ोतरी हो सके. सरकार इस काम में पूरी मदद करेगी.

सामाजिक व श्रमिक संगठनों ने सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि दी

रांची। सामाजिक व श्रमिक संगठनों ने धुर्वा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर माकपा महासचिव सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि दी. सभा में प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने स्व सीताराम येचुरी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. यादव ने कहा कि सीताराम येचुरी छात्र जीवन से हीं राजनीति में काफी सक्रिय रहे थे. पूर्ण रूप से राजनीति में कदम रखने के बाद हमेशा सांप्रदायिकता के खिलाफ आवाज उठायी. गरीबों- मजदूरों के हक के लिए हमेशा आवाज बुलंद करते रहे. उनका राजनीतिक सफर एक प्रखर व धर्मनिरपेक्ष राजनेता और के तौर पर रहा. उन्होंने वामपंथी विचारधारा के सबसे बड़े नेता के रूप अपनी पहचान बनायी. येचुरी एक राजनेता के साथ एक विचारधारा भी थे, सर्वदलीय नेताओं में काफी लोकप्रिय रहे. उनके असामयिक निधन पर भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के 121 देशों ने गहरा शोक व्यक्त किया. इससे अंदाजा लगाना चाहिए कि उनका व्यक्तित्व कितना बड़ा था.

चार साल में 18 जिलों के एसपी का औसत कार्यकाल महज सवा साल

सौरव सिंह । रांची

झारखंड के 18 जिले में एसपी का औसतन कार्यकाल महज सवा साल का है. बीते चार साल के दौरान झारखंड के 18 जिलों में औसतन तीन से चार आईपीएस का तबादला हुआ. वहीं छह जिले बोकारो, खूंटी, दुमका, सिमडेगा, लातेहार और चाईबासा में पिछले चार साल के दौरान औसतन एक से दो एसपी का तबादला हुआ है. इतने कम समय में एसपी के तबादले से कई तरह के काम पर असर पड़ता है.

एक पद पर काम करने की न्यूनतम अवधि दो साल है तय : केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 28 जनवरी 2014 को अखिल भारतीय सेवा नियम में संशोधन करते हुए एक पद पर कम से कम दो साल कार्य करने के लिए न्यूनतम अवधि तय की थी. केवल विशेष परिस्थिति में ही दो साल से कम अवधि में किसी अफसर का तबादला किया जा सकता है, लेकिन इस आदेश को राज्य में दरकिनार किया जा रहा है.

कब से कब तबादला

धनबाद	चार सितंबर 2020 से एक जनवरी 2024 तक चार एसपी का तबादला
गढ़वा	30 अप्रैल 2020 से आठ सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला.
गुमला	11 अप्रैल 2020 से 29 फरवरी 2024 तक चार एसपी का तबादला.
लोहरदगा	28 अप्रैल 2020 से 10 सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला.
रामगढ़	14 जुलाई 2022 से 20 जुलाई 2024 तक तीन एसपी का तबादला.
सरायकेला	15 जून 2020 से तीन जुलाई 2024 तक पांच एसपी का तबादला.
चतरा	30 अप्रैल 2020 से 29 फरवरी 2024 तक तीन एसपी का तबादला.
गिरिडीह	तीन जुलाई 2020 से 29 अगस्त 2024 तक तीन एसपी का तबादला
हजारीबाग	28 अप्रैल 2020 से एक जनवरी 2024 तक तीन एसपी का तबादला
कोडरमा	28 अप्रैल 2020 से आठ सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला
पाकुड़	20 अप्रैल 2020 से एक जनवरी 2024 तक तीन एसपी का तबादला
रांची	तीन जुलाई 2020 से आठ सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला
देवघर	28 अप्रैल 2020 से 18 जून 2024 तक सात एसपी का तबादला.
जमशेदपुर	28 अप्रैल 2020 से आठ सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला.
गोड्डा	20 अप्रैल 2020 से 30 अगस्त 2024 तक तीन एसपी का तबादला.
जामताड़ा	12 सितंबर 2020 से 30 अगस्त 2024 तक चार एसपी का तबादला.
पलामू	12 सितंबर 2020 से 27 सात 2023 तक तीन एसपी का तबादला.
साहिबगंज	28 अप्रैल 2020 से 28 अगस्त 2024 तक तीन एसपी का तबादला

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, रविवार 15 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 158 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बिरसा मुण्डा के पावन धरती झारखंड में भारत के

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

का हार्दिक अभिनंदन

रमेश सिंह

प्रदेश कार्यसमिति

सदस्य, भाजपा, झारखंड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 26.4° अधिकतम | 23.4° न्यूनतम

www.lagatar.in | रांची, रविवार 15 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 158 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हर्षोल्लास से मनाया गया प्रकृति पर्व करम

रांची महिला कॉलेज में छात्रा के साथ सेल्फी खिंचवातीं कल्पना सोरेन.

हे अंचरा अंचरा पसारी बहिन ले ह बेलाउधन हे अंचरा...

संवाददाता। रांची

भाद्रपद एकादशी के शुभ अवसर पर शनिवार को राजधानी रांची में करम पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस दौरान अखरा को विशेष रूप रजनीगंधा, गेंदा फूलों, पत्तियां, बैलून से सजाया गया था. झांकियों और रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा माहौल खुशनुमा बना हुआ था. शाम में गांव के पाहन की अगुवाई में करम डाली की पूजा-अर्चना की गई. वहीं, रांची विश्वविद्यालय में भी प्रकृति पर्व का आयोजन धूमधाम से किया गया. विश्वविद्यालय परिसर में पारंपरिक तरीके से साज-सज्जा कर अखरा को सजाया गया था. यहां महिलाएं एवं पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में सज कर आदिवासी गीतों पर झूमते नजर आए.

राजधानी में अखरा में करम डाल की पूजा-अर्चना करतीं युवतियां. फोटो : रमीज

करम महोत्सव में शामिल हुए सीएम

50 करोड़ से बनेगा मल्टी स्टोरेज हॉस्टल

रांची। सीएम हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन शनिवार की रात रांची महिला कॉलेज के साइंस ब्लॉक स्थित आदिवासी छात्रावास परिसर में आयोजित करम पूजा महोत्सव में शामिल हुए. सीएम ने अखरा में पूजा-अर्चना की. सीएम ने कहा कि मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि पहले चरण में कल्याण विभाग की ओर से छात्र-छात्राओं के लिए लगभग 50 करोड़ की लागत से मल्टी स्टोरेज हॉस्टल बनाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है. कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित सभी छात्रावासों में राज्य सरकार द्वारा बच्चों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

अब कोलकाता रेप केस में संदीप घोष गिरफ्तार

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की. शनिवार को पूर्व प्रिंसिपल डॉ संदीप घोष को गिरफ्तार कर लिया गया है. वह 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में हैं. इससे पहले सीबीआई ने पूर्व प्रिंसिपल को वित्तीय गड़बड़ी के मामले में गिरफ्तार किया था. अब रेप-मर्डर के मामले में ताजा गिरफ्तारी की है. सीबीआई ने एफआईआर दर्ज करने में कथित देरी और सबूत गायब करने के आरोप में डॉ संदीप घोष और ताला पुलिस स्टेशन के एसएचओ अभिजीत मंडल को गिरफ्तार किया है. अब संदीप घोष को रविवार को सियालदह अदालत में पेश किया जाएगा.

एयरलिफ्ट कर लाया गया मजदूर का शव

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पहल पर हैदराबाद से प्रवासी मजदूर मंगनू साय का शव शनिवार को टीनगिना गांव पहुंचा. शव को एयरलिफ्ट कर हैदराबाद से लाया गया. मंगनू कर्नाटक में मछली पकड़ने का काम करता था. उसके परिजनों के पास उतने पैसे नहीं थे कि शव को कर्माटक से गांव लाया जा सके. श्रम विभाग की ओर से भी मंगनू के परिजनों को 50 हजार रुपए का चेक दिया गया.

जमीन मालिक व बिल्डर को अवमानना नोटिस

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने रिंकी यादव एवं अन्य की अवमानना याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई. अदालत ने मोरहाबादी स्थित रतन हाइट्स के जमीन मालिक अशोक कुमार वालमजी परमार एवं अन्य के अलावा बिल्डर वीकेएस रियलिटी के संचालक विजय कुमार साहू को अवमानना नोटिस जारी किया है. हाईकोर्ट की एकल पीठ ने उनसे पूछा है कि अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर उन पर अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए. पूर्व में इन्हें अदालत के आदेश का अनुपालन करने को लेकर शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया था. लेकिन शपथ पत्र दाखिल नहीं किया गया. मामले की अगली सुनवाई 27 सितंबर को होगी.

निशिकांत को संशोधित पिटीशन देने की अनुमति

रांची। देवघर में दर्ज केस को निरस्त करने का आग्रह करने वाली सांसद निशिकांत दुबे की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. मामले में हाईकोर्ट की एकल पीठ ने संशोधन पिटीशन दाखिल करने के निशिकांत दुबे के आवेदन को स्वीकार करते हुए उन्हें दो सप्ताह में संशोधन पिटीशन दाखिल करने का निर्देश दिया है. वहीं संशोधन पिटीशन दाखिल होने पर राज्य सरकार को जवाब के लिए चार सप्ताह का समय मिला है. बता दें कि पूर्व में निशिकांत दुबे ने मोहनपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह किया था, लेकिन मामले में अब आरोप पत्र दाखिल हो चुका है.

पुरानी विधानसभा मैदान में पंडाल का निर्माण रोकने पर भाजपा का बड़ा ऐलान

कोई माई का लाल पूजा को रोक नहीं सकता: संजय सेठ

पुरानी विधानसभा मैदान में पूजा समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संबोधित करते रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और निर्माणाधीन दुर्गा पूजा पंडाल.

शुभम किशोर। रांची

राजधानी के पुराना विधानसभा मैदान में श्रीरामलला पूजा समिति द्वारा भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण करवाया जा रहा है. वहां 98 लाख की लागत से अयोध्या धाम के श्रीरामलला मंदिर के प्रारूप पर पंडाल बनाया जा रहा है. शनिवार को श्री रामलला पूजा समिति के मुख्य संरक्षक सह रक्षा राज्यमंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने पंडाल परिसर में समिति के लोगों के साथ आयोजन को सफल बनाने पर विचार-विमर्श किया.

इस दौरान सांसद और विधायक ने एक सुर में कहा कि अगर एफआईआर करना है, तो मुझ पर करो, हम तैयार हैं. सांसद संजय सेठ ने कहा कि हम तो दुर्गा पूजा के अवसर पर राम मंदिर का प्रारूप बना रहे हैं. उन्होंने कहा आज तक किसी भी दुर्गा पूजा के पंडाल को बनाने के लिए परमिशन तो लेनी नहीं पड़ी, तो आज परमिशन लेने को क्यों कहा जा रहा है? सरकार को पहले से डर था, इसलिए उन्होंने पहले हरमू मैदान में दी गई परमिशन को रद्द किया और अब धुर्वा के मैदान में भी यही करना चाह रहे हैं. उन्होंने कहा, जिनको वोट की राजनीति करनी है वो करें, हमको मां की आराधना करनी है. प्रशासन को तो खुश होना चाहिए कि इतनी बड़ी पूजा इस इलाके में हो रही है. इससे मुख्य शहर में लोड कम होगा. ग्रामीण इलाकों से लोग आकर दर्शन कर सकेंगे. उन्होने कहा कि रांची राम की नगरी है, रांची का बच्चा-बच्चा राममय है. किसी भी कीमत पर कोई माई का लाल इस पूजा को रोक नहीं सकता. जरूरत पड़ी, तो हमारे पास लोकतांत्रिक अधिकार है. स्थानीय प्रशासन और सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि इस पचड़े में न फसें. हमारे धर्म के साथ खिलवाड़ न करें.

हम सीएम से आग्रह करते है कि वो इस पंडाल का उद्घाटन करें

मौके पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि कौन नहीं चाहता कि वो प्रभु श्री राम के मंदिर का दर्शन करे. मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करता हूं कि वह भी अपने परिवार के साथ आए और दर्शन करें. वहीं उन्होने और समिति के अध्यक्ष ने कहा कि हम चाहेंगे कि मुख्यमंत्री ही इस मंदिर का उद्घाटन करें.

कोई भी सनातनी गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेगा: सीपी सिंह

मौके पर रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा कि किसी वर्ग विशेष को खुश करने के लिए यह काम किया जा रहा है. चाहे जिला प्रशासन हो या पुलिस प्रशासन, जब कोई नहीं रहता है तब वह यहां आकर पूजा पंडाल के निर्माण को बंद करने को कहते हैं. उन्होंने कहा कि पूजा करने पर रोक लगाई जा रही है और यह सरकार का षड्यंत्र है. यह गुंडागर्दी है. और इस गुंडागर्दी को कोई भी सनातनी समाज बर्दाश्त नहीं करेगा. मौके पर राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, श्री रामलला पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी, महासचिव कुणाल आजमानी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे. बता दें कि शुक्रवार को पंडाल का निर्माण पुलिस के द्वारा रोकने पर समिति में रोष का माहौल था. एक ओर पुलिस का कहना था कि बिना परमिशन के पंडाल का निर्माण हो रहा है. वहीं दूसरी ओर पूजा समिति का कहना है कि कहीं भी पंडाल बनाने की परमिशन नहीं ली जाती, बस सूचना दी जाती है. बाद में विधायक नवीन जायसवाल ने दोबारा काम शुरू करवा दिया था.

हाईकोर्ट ने बास्केटबॉल फेडरेशन से जवाब मांगा

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में झारखंड स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन के भरत सिंह की ओर से बास्केटबॉल एसोसिएशन में गड़बड़ी और मान्यता दिलाने को लेकर दाखिल याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई. हाईकोर्ट की एकल पीठ ने बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से अदालत को बताया गया कि झारखंड स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन से उन्हें हटा कर हरभजन सिंह ने दूसरा एसोसिएशन बना लिया है. हरभजन सिंह के नेतृत्व में बनी एसोसिएशन को मान्यता भी दे दी गयी है. वहीं, नए एसोसिएशन पर साढ़े तीन लाख रुपये के गबन का आरोप है. याचिकाकर्ता ने आग्रह किया है कि नए एसोसिएशन की मान्यता को रद्द कर पुराने एसोसिएशन को मान्यता दी जाए.

एमपी के सीएम 22 को आएंगे खूंटी

रांची। मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव 22 सितंबर को खूंटी आएंगे. वहां वे भाजपा की परिवर्तन रैली में शामिल होंगे. साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे. यह जानकारी भाजपा के मीडिया विभाग ने दी है.

सुदेश महतो ने असम में हिमंता बिस्व सरमा से मुलाकात की

चुनाव में सीट शेयरिंग पर चर्चा

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने असम में वहां के सीएम हिमंता बिस्व सरमा से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग के साथ चुनावी रणनीति पर बात की. बताते चलें सुदेश महतो इससे पहले भी कई बार हिमंता बिस्व सरमा से मुलाकात कर चुके हैं. राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात के कई मायने भी निकाले जा रहे हैं.

सुदेश ने कहा है कि असम के मुख्यमंत्री के पूरे परिवार के साथ उनके निवास पर सुखद मुलाकात हुई है. इस दौरान झारखंड के वर्तमान राजनीतिक हालात एवं विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई. इस मौके पर मेरे साथ मेरी धर्मपत्नी नेहा महतो भी मौजूद थीं. इससे पहले हेमंत सोरेन ने मध्य प्रदेश के भोपाल में जाकर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान से भेंट की थी. वहां आगमी विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई थी. उन्होंने महाकाल के दर्शन भी किये थे.

असम में हिमंता व उनके परिवार से पत्नी के साथ मिलते सुदेश महतो.

सरला बिरला के नौ छात्र ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल के नौ छात्रों ने सीबीएसई नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024 के लिए क्वालिफाई किया है. इनमें नंदिनी मौर्या, आकृति उरांव, सिया शुक्ला, शौर्य कुमार, सत्यम आनंद, श्रेया नंदी, वैष्णवी चैधरी, वंशिका श्रीवास्तव और अन्वेषा गुप्ता शामिल हैं. दरअसल वाराणसी में नौ से 12 सितंबर तक सीबीएसई ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था. इस चैंपियनशिप में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर स्कूल का मान बढ़ाया. नंदिनी मौर्या, आकृति उरांव, सिया शुक्ला और शौर्य कुमार ने रजत पदक जीते. वहीं सत्यम आनंद, श्रेया नंदी, वैष्णवी चैधरी, वंशिका श्रीवास्तव और अन्वेषा गुप्ता ने कांस्य पदक जीत कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया. प्रिंसिपल परमजीत कौर ने छात्रों के अद्वितीय प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी.

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में बेहोश अभ्यर्थी की मौत

वरीय संवाददाता। रांची

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में शामिल जमशेदपुर के एक अभ्यर्थी की मौत शनिवार को हो गयी. मृत अभ्यर्थी का नाम मुरामुल्ला सूर्या था. वह जमशेदपुर के बर्मामाइंस रहने वाला था. रांची में 12 सितंबर को बहाली प्रक्रिया के दौरान दौड़ लगाते हुए वह बेहोश हो गया था. तबीयत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गयी.

उल्लेखनीय है कि उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में 14 अभ्यर्थियों की मौत के बाद हेमंत सोरेन ने पांच दिनों तक बहाली प्रक्रिया को स्थगित कर दी थी. इसके बाद नियमों में थोड़ी तब्दीली के साथ 10 सितंबर से फिर से उत्पाद सिपाही बहाली की दौड़ शुरू हुई है. राज्य में उत्पाद विभाग में सिपाही के 583 पदों के लिए बहाली प्रक्रिया चल रही है. पांच लाख से भी अधिक युवकों ने आवेदन किया है. शारीरिक परीक्षा अलग-अलग जिलों में 22 अगस्त से हो रही है. पुरुष अभ्यर्थियों के लिए एक घंटे में 10 किलोमीटर और महिलाओं लिए 40 मिनट में पांच किलोमीटर की दौड़ पूरी करने की शर्त रखी गयी है.

मुरामुल्ला सूर्या (फाइल फोटो).

पलामू में सबसे अधिक पांच की जा चुकी है जान

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में अब तक 300 से भी ज्यादा अभ्यर्थी बेहोश हुए हैं. उनमें 14 अभ्यर्थियों की मौत हो चुकी है. पलामू में सबसे अधिक पांच अभ्यर्थियों की जान गयी है. मरने वालों में बिहार के गया निवासी अमरेश कुमार, रांची के ओरमांझी निवासी अजय महतो, पलामू के छतरपुर निवासी अरुण कुमार और गोड्डा निवासी प्रदीप कुमार शामिल हैं. हजारीबाग के पदमा स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में चल रही दौड़ में अब तक दो युवकों सूरज वर्मा और महेश कुमार की जान गयी है. वहीं रांची में तीन और गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, साहिबगंज में एक-एक अभ्यर्थी की मौत हुई है.

तैयारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जमशेदपुर दौरे को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट

एयरपोर्ट पर की गई पुलिसकर्मियों को ब्रीफिंग

संवाददाता। रांची

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड दौरे पर आ रहे हैं. वे रविवार की सुबह 8:45 में रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे. इसके बाद वो हेलीकॉप्टर से जमशेदपुर के लिए रवाना हो जाएंगे. सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शनिवार को विधि-व्यवस्था ड्यूटी में लगे पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को ब्रीफिंग की. इस दौरान उन्होंने कई दिशा निर्देश दिये. सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की चूक न हो, इसको लेकर विशेष हिदायत भी दी .

हेलीकॉप्टर से जमशेदपुर के लिए रवाना होंगे पीएम : रांची एयरपोर्ट से पीएम मोदी हेलीकॉप्टर से जमशेदपुर के लिए रवाना होंगे. फिर सोनारी हवाई अड्डा से टाटानगर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे. यहां पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे. साथ ही 21 हजार करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे. जमशेदपुर में उनका आधे घंटे का रोड शो होगा. रोड शो करते हुए पीएम गोपाल मैदान पहुंचेंगे और वहां सभा को संबोधित करेंगे. कार्यक्रम के बाद दोपहर 1:45 बजे वे रांची लौटेंगे. इसके बाद अहमदाबाद चले जाएंगे. जमशेदपुर में पीएम मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर पुलिस मुख्यालय के स्तर से सुरक्षा की तैयारी पूरी कर ली गयी है. सुरक्षा को लेकर आतंकवाद निरोधी दस्ते की हीट टीम के अलावा 3,000 से अधिक पुलिस अफसरों और जवानों की तैनाती की गयी है.

पुलिस कर्मियों को दिशा-निर्देश देते रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता.

अलर्ट मोड में रहेगा रिम्स

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रविवार को झारखंड दौरा है. प्रधानमंत्री रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट होते हुए जमशेदपुर जाएंगे. प्रधानमंत्री के सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है. इसी कड़ी में रिम्स के न्यू टॉमा सेन्टर के एक आईसीयू को आपातकालीन चिकित्सा देखभाल केंद्र बनाया गया है. साथ ही जीवन रक्षक दवाइओं और प्रधानमंत्री के ब्लड ग्रूप का दो यूनिट ब्लड तैयार रखने को कहा गया है. साथ ही 15 सितंबर को डयूटी पर प्रतिनियुक्त चिकित्सक, स्टाफ, नर्स एवं टेक्निशियन की डयूटी रोस्टर पर मांगी गई है.

SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL
Birla Knowledge City, Vill - Ara, P.O. - Mahilong, Ranchi-Purulia Highway, Ranchi - 835103 (Jharkhand)
Phone: 9507035717, 9507035987
E-mail - info@sbpsranchi.com • Website : www.sbpsranchi.com

REGISTRATION FOR ADMISSION (2025-26)

Registration forms for admission in Nursery, KG-I, KG-II, Std. I & Std. IX can be filled and submitted online through the school's official website www.sbpsranchi.com from 16.09.2024 to 15.10.2024. Online registration forms (2025-26) available for provisional admission in Std. XI (Science, Commerce & Humanities). For further details please log on to www.sbpsranchi.com or call front office 9507035717, 9507035987 on working days. (Timing: 08:00 am to 01:00 pm).
BPL/EWS category candidates can apply online through www.rte.dseranchi.com (as per Govt. norms) for admission in Nursery only.

VACANCY FOR TEACHERS (2025-26)

PGT, TGT and PRTs are required for all the subjects including foreign languages.
How to Apply: The eligible candidates are instructed to fill and submit the online application form along with a recent scanned photograph and a brief narrative (500-1000 words) on their professional ideology through the link https://sbpsranchi.in/career on or before 15.10.2024.
Principal

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.4	25.2
जमशेदपुर	28.6	24.0
डालटनगंज	30.6	24.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, रविवार 15 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 158 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,200
चांदी (किलो)	89,000

ब्रीफ खबरें

अरे तुम अपने और अपने 'पप्पू' के बारे में सोचो...

नयी दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर यूपी के गौतमबुद्धनगर के डीएम के एक्स हैंडल से की गई एक पोस्ट को लेकर राजनीति गरमा गई है. डीएम ने लिखा है- अरे तुम अपनी और अपने 'पप्पू' के बारे में सोचो... कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर नोएडा के डीएम के पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए कहा, उन्होंने राहुल गांधी के लिए अपमानजनक टिप्पणी की है. विवाद बढ़ते ही डीएम मनीष वर्मा ने सफाई दी है कि उनके एक्स आईडी का दुरूपयोग किया गया है. कांग्रेस ने मामले में कार्रवाई की मांग की है.

मैं आपकी दीदी बनकर आई हूं, सीएम नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच गतिरोध जारी है. इस बीच सीएम ममता बनर्जी प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से मिलने पहुंचीं. ममता ने कहा कि वह यहां दीदी के तौर पर डॉक्टरों से मिलने आई हैं, सीएम बन कर नहीं. -पेज 12 भी देखें

कोलकाता में जोरदार धमाका, दो घायल

कोलकाता। कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड पर शनिवार को पर हुए विस्फोट में दो लोग घायल हो गए. इनमें एक महिला भी शामिल है. घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है. पुलिस ने इलाके को सुरक्षा टेप से घेर लिया, ताकि आम जनता करीब न आने पाए. बम निरोधक दस्ते भी जांच कर रहा है.

केजरीवाल ने किया हनुमान जी का दर्शन

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आने के बाद शनिवार को पंत्नी सुनीता केजरीवाल संग कनॉट प्लेस स्थित प्रसिद्ध हनुमान दोपहर पहुंचे और वहां दर्शन कर आशीर्वाद लिया. इस मौके पर मनीष सिसोदिया और आप सांसद संजय सिंह भी सीएम के साथ थे.

शेयर बाजार में कल आ रहा बिग मंडे

मुंबई। सोमवार का दिन प्राइमरी मार्केट के लिए अहम है. इस दिन तीन कंपनियों के आईपीओ की मार्केट में लिस्टिंग है. इसमें बजाज हाउसिंग, टॉलिन्स टायर्स और क्रॉस लिमिटेड के आईपीओ के नाम शामिल हैं. बजाज हाउसिंग के आईपीओ का साइज 6,560 करोड़ का है. इसको निवेशकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला है. यह 68 गुना तक बढ़ कर बंद हुआ.

वियतनाम में तूफान का कहर, 254 मरे

हनोई। वियतनाम में तूफान यागी ने कहर बरपाया है. तूफान के कारण भूस्खलन और बाढ़ से उत्तरी क्षेत्र में 254 लोगों की मौत हो गयी तथा 82 लोग लापता हैं. लाओ काई, काओ बांग और येन बाई सबसे अधिक प्रभावित प्रांत हैं, जहां क्रमशः 111, 43 और 49 लोगों की मौत हो चुकी है.

मैंने पीएम पद का ऑफर ठुकरा दिया: गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले विपक्ष के एक बड़े नेता ने उनके सामने पीएम पद का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया. गडकरी ने कहा, मैंने नेता से कहा कि मैं एक विचारधारा और विश्वास का पालन करनेवाला व्यक्ति हूं. मैं एक ऐसी पार्टी में हूं जिसने मुझे वह सब कुछ दिया, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी. कोई भी प्रस्ताव मुझे लुभा नहीं सकता.

पीएम मोदी आज झारखंड आएंगे, भाजपा नेताओं का जुटान

देंगे कई सौगात

शुभम संदेश टीम। रांची/ जमशेदपुर

- 21 हजार करोड़ की योजनाओं का करेंगे उद्घाटन-शिलान्यास
- टाटानगर रेलवे स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी
- जमशेदपुर के गोपाल मैदान में करेंगे जनसभा को संबोधित

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड आ रहे हैं. वे सुबह 8:45 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे. यहां से हेलीकॉप्टर से जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां उनकी आगवानी राज्यपाल संतोष गंगवार करेंगे. इसके बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, सांसद विद्युत वरण महतो, टाटा स्टील के सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन, वीपी चाणक्य चौधरी समेत कई अन्य नेता और प्रशासनिक अधिकारी पीएम का स्वागत करेंगे.

एयरपोर्ट पर पीएम को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा. उसके बाद 10:15 बजे उनका कारकेड टाटानगर स्टेशन के लिए प्रस्थान कर जाएगा. टाटानगर स्टेशन पर पीएम प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बने कार्यक्रम स्थल वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे. पीएम सबसे पहले टाटा-पटना वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे. उसके बाद एक-एक करके पांच अन्य वंदे भारत को रवाना करेंगे. जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रमों के समापन के बाद पीएम दोपहर 1.45 बजे फिर रांची पहुंचेंगे. रांची एयरपोर्ट से गुजरात के लिए प्रस्थान करेंगे. पीएम लगभग छह घंटे तक झारखंड में रहेंगे.

पीएम के रूट लाइन पर नो फ्लाई जोन घोषित : पीएम के के हवाई रूट पर नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है. सुरक्षा की दृष्टि से एयरपोर्ट से 200 मीटर की परिधि में ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून जैसी गतिविधियों पर पूर्ण रोक रहेगी. पीएम मोदी के लिए एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर एयरपोर्ट पर पहुंच गया है. अफसरों ने शनिवार को एयरपोर्ट का जायजा लिया. पीएम के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग स्थल का भी निरीक्षण किया. पीएम के आगमन को लेकर रांची से लेकर जमशेदपुर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. इधर, रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव भी शनिवार देर शाम रांची पहुंच गए. रेल मंत्री सुबह जमशेदपुर जाएंगे.

गोपाल मैदान में सभा, रोड शो भी होगा

जमशेदपुर में पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को एक तरह से झारखंड में विधानसभा चुनावों का भाजपा का बिगुल भी फूंकेंगे. गोपाल मैदान में पीएम की सभा भी होगी. वहां पीएम रोड शो भी करेंगे. रोड शो आधे घंटे का होगा. पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए जमशेदपुर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. तीन हजार से अधिक पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की तैनाती गई है.

सुबह 8:45 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे

- एयरपोर्ट पर गार्ड ऑफ ऑनर
- छह वंदे भारत ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी
- रेलवे की सात परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे
- तीन करोड़ लोगों को पक्का मकान की सौगात देंगे
- चौथी रेल लाइन को भी मंजूरी दे सकते हैं पीएम मोदी

पीएम का कार्यक्रम एक नजर में

पीएम मोदी झारखंड को देंगे ये सौगातें

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड कई सौगातें भी देंगे. देवघर में मधुपुर बाईपास लाइन और हजारीबाग जिले में हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखेंगे. मधुपुर बाईपास लाइन के पूरा होने के बाद हावड़ा-दिल्ली मेन लाइन पर ट्रेनों के रुकने की समस्या खत्म हो जाएगी. साथ ही गिरिडीह और जसीडीह के बीच यात्रा समय भी कम होगा. हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो इस स्टेशन पर कोचिंग स्टॉक के रखरखाव में मदद करेगा. जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रम में पीएम 21 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे. इस दौरान ने झारखंड के 20 हजार लोगों को घरों की सौगात देंगे. पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत दो करोड़ नए घरों के आवंटन का शुभारंभ करेंगे. वर्तमान वित्तीय वर्ष में एक लाख 13 हजार 185 आवासों का लक्ष्य झारखंड को मिला है. इसके लिए 187.79 करोड़ की राशि दी गई है.

कुरकुरा-कनारोअन दोहरीकरण परियोजना : प्रधानमंत्री कुरकुरा-कनारोअन दोहरीकरण परियोजना को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जो बंडामुंडा-रांची सिंगल लाइन खंड का हिस्सा है और रांची, मुरी एवं चंद्रपुरा स्टेशनों के रास्ते राउरकेला-गोमोह मार्ग का हिस्सा है. इस परियोजना से माल की ढुलाई और यात्री यातायात को बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी. इसके अलावा, आम लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 04 रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) को भी राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा.

छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे

- टाटानगर – पटना
- भागलपुर - दुमका- हावड़ा
- ब्रह्मपुर - टाटानगर
- गया - हावड़ा
- देवघर – वाराणसी
- राउरकेला – हावड़ा

पीएम छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे. अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेनें इन मार्गों पर कनेक्टिविटी में सुधार करेंगीः इन वंदे भारत ट्रेनों के शुरू होने से नियमित यात्रियों, पेशेवरों, व्यापारियों और छात्र समुदाय को लाभ होगा. ये ट्रेनें देवघर (झारखंड) में बैद्यनाथ धाम, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में काशी विश्वनाथ मंदिर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में कालीघाट, बेलूर मठ आदि जैसे तीर्थ स्थलों तक आवागमन के तीव्र गति वाले परिवहन प्रदान करके क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगी. इसके अलावा, धनबाद में कोयला खदान उद्योग, कोलकाता में जूट उद्योग, दुर्गापुर में लौह और इस्पात संबद्ध उद्योगों को भी काफी बढ़ावा मिलेगा.

मांदर की थाप लगाते सीएम: रांची महिला कॉलेज के साइंस ब्लॉक स्थित आदिवासी छात्रावास परिसर में शनिवार रात आयोजित करम पूजा महोत्सव में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन.

संघर्ष अभी नहीं हुआ समाप्तः सीएम

प्रमुख संवाददाता। रांची

- मुझे जेल भेजा, हमारे विधायकों को ख़रीदने में अरबों लगाए
- हर महीने भाजपा ने सरकार गिराने की पुरजोर कोशिश की

सीएम हेमंत सोरेन ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधा है. कहा कि भाजपा ने हर महीने हम झारखंडियों की सरकार गिराने की पुरजोर चेष्टा की. इससे भी नहीं हुआ, तो मुझे जेल भेजा. चंपाई सोरेन सहित अन्य लोगों की इशारा करते हुए कहा, विधायकों को खरीदने में अरबों लगाए. एक्स पर पोस्ट में सीएम ने लिखा कि इसके बावजूद आप भाई-बहनों के प्रेम और अपनत्व के कारण वे अपने मंजूबों में कामयाब नहीं हो पाए. अब आपकी सरकार अपकी सेवा में और तेज गति से काम कर रही है.

सीएम ने अपने इरादे जाहिर करते हुए कहा कि संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है. हमें सतर्क रहना होगा और अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी होगी. राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद, हमारा ध्यान विकास और जनकल्याण पर केंद्रित है. हम सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं.

सीएम हेमंत ने प्रकृति पर्व करम की दी बधाई

रांची। प्रकृति पर्व करम (करमा) पर्व के पावन मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी झारखंडवासियों को बधाई दी है. सीएम ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि करम पर्व के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार! यह पर्व प्रकृति के साथ मानव जीवन की एकरूपता और भाई-बहन के अटूट स्नेह एवं सम्मान को दर्शाता है. यह पावन पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है. यह पर्व आप सभी के जीवन में खुशियां लाए, आप सभी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहें, यही कामना करता हूं. **जय जोहार! करम जोहार!**

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी : सीएम ने लिखा-आदिवासी-मूलवासी के अधिकारों और संस्कृति को संरक्षित करना हमारी प्राथमिकता है. भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी है, ताकि हर रुपया जनता की भलाई में खर्च हो. उन्होंने आगे लिखा है कि आप सभी के समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद. हम सब मिल कर समृद्ध और न्यायसंगत झारखंड का निर्माण करेंगे.

भाजपा ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द कर दिया : सीएम ने कहा कि तत्कालीन भाजपा सरकार ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द करने से पहले कुछ भी नहीं सोचा. उन्हें इसमें चंद रुपए बचते दिखे. पर इससे कितने परिवारों को इन्होंने उजाड़ दिया. लाखों झारखंडियों को भूख से मौत के मुहाने खड़ा कर दिया. इनके पास अरबों खर्च कर विधायक ख़रीदने के लिए पैसों की कमी नहीं है.

हॉकी : एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीता लगातार 5वां मैच

भारत की आंधी में उड़ा पाकिस्तान

स्कोर

भारत	पाक
2	1

- भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत ने दागे दोनों गोल, पाक की तरफ से नदीम ने दागा गोल

हुलुनबुइर (चीन)। भारतीय हॉकी टीम ने शनिवार को चीन में खेली जा रही एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के आखिरी राउंड रॉबिन मैच में 2-1 से हरा दिया. हरमनप्रीत ने दो गोल, जबकि पाकिस्तान के नदीम ने मैच में पहला गोल दागा. भारत ने टूर्नामेंट में लगातार पांचवां मैच जीता. पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने चीन को 3-0 से, जापान को 5-1, मलेशिया को 8-1 और कोरिया को 3-1 से हराया. पाकिस्तान की टीम मैच के आखिरी 10 मिनट में सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेली. भारत को इस मुकाबले में 5 और पाकिस्तान को सात पेनाल्टी कॉर्नर मिले. भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी है. - पूरी खबर पेज 10 पर

पलटवार सेबी प्रमुख माधवी बुच पर कांग्रेस ने लगाए नए आरोप, कहा

धारा गिनाई, पूछा- मैडम आपने साइन किये या नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

सेबी चीफ माधवी पुरी बुच पर कांग्रेस ने शनिवार को नए सवालों और सबूतों के साथ निशाना साधा. पार्टी ने माधवी बुच के दावों को गलत बताते हुए कहा कि उन्होंने पूरी गंभीरता के साथ सेबी के प्रमुख की कुर्सी पर बैठ कर कमाई की. कांग्रेस ने माधवी बुच के दावों को गलत बताते हुए कहा, सेबी की फुल-टाइम मेंबर रहते हुए भी बुच और उनके पति अपने स्वामित्व वाली कंपनी अगोरा प्राइवेट लिमिटेड से कमाई करते रहे.

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, हम दो सितंबर से मैडम पर खुलासे कर रहे. 16.80 करोड़ आईसीआईसीआई से और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल से बुच ने अलग-अलग वक्त में अलग-अलग कैटेगिरी में धन अर्जित किए.

शेयर में जो लोग पैसा लगाते हैं हमें उनकी फिक्र

खेड़ा ने कहा, हमारे आरोपों पर मैडम ने जो जवाब दिया वो समझ से परे है.उन्होंने अपनी काबिलियत और डिग्री गिनाईं, मैडम हम आपकी डिग्रियों की कदर करते हैं, हमें आपसे कोई आपत्ति और पर्सनल दुश्मनी नहीं है. लेकिन हमे सेबी से और उसके चीफ से शिकायत पूछने का हक है क्योंकि हमारे सवाल सेबी चीफ की कुर्सी से हैं क्योंकि शेयर में आम आदमी का पैसा भी लगता है. नुकसान की कीमत वो छोटे लोग चुकाते हैं.

बैंक के कई केस सेबी की चौखट पर थे. 3 सितंबर को बैंक ने कुछ जवाब दिए. 6 सितंबर को हमने कुछ और सवाल किए, जिनका जवाब नहीं आया है. 2018 से 2024 के बीच सेबी सदस्य और चीफ रहते हुए माधवी वॉकहार्ट से संबद्ध कंपनी कैरोल इंफो सर्विसेज से 2.16 करोड़ की किराए की इनकम प्राप्त कर रही थीं. ये जानकारी पब्लिक डोमेन में है कि मुंबई स्थित वॉकहार्ट की 2023 के दौरान भेदिया कारोबार सहित कई मामलों की जांच सेबी कर रही है. वॉकहार्ट के कुछ केस भी सेबी के पास पेंडिंग थे.

लिस्टेड कंपनी में ट्रेडिंग चीनी कंपनियों में निवेश

खेड़ा ने कहा, 2017 से 2023 के बीच में माधवी सेबी सदस्य व चीफ बनने तक कंपनियों में ट्रेडिंग करती रहीं. करीब करीब 37 करोड़ की ट्रेडिंग 6 साल में की. यही नहीं मैडम ने चीन की कंपनियों में निवेश भी किया. अब मैडम आप कहेंगी कि तो क्या हुआ? आपके इस काउंटर पर हमारा सवाल आपसे ये है - आपके द्वारा की गई ये ट्रेडिंग सेक्शन 6 ऑफ सेबी कोड कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंट्रेस्ट फॉर मेंबर्स की अवहेलना और वायलेशन है. मेरा सवाल है कि आप कहती हैं कि ये अगोरा डॉरमेंट है. जबकि ऐसा नहीं था. आपने खूब नाजायज धन कमाया है.

अनुशासन वो तीन घंटे का नियम, जिसे नारायण मूर्ति ने बच्चों की परवरिश के लिए अपनाया

माता-पिता को बच्चों के लिए उदाहरण बनना चाहिए

एजेंसियां। बेंगलुरु

देश की जानी-मानी आईटी कंपनी इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति और उनकी पत्नी सुधा मूर्ति काफी चर्चाओं में रहते हैं. हाल ही में नारायण मूर्ति ने 70 घंटे काम की वकालत की थी, जिस पर बहस छिड़ गई थी. हालांकि, अब बच्चों की परवरिश पर उन्होंने अपना विचार साझा किया है. उनका कहना है कि घर में पढ़ाई का माहौल बनाना माता-पिता का सबसे बड़ा कर्तव्य है.

दरअसल, बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में बोलते हुए 78 वर्षीय मूर्ति ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई के लिए घर में अनुशासित माहौल बनाना माता-पिता की जिम्मेदारी है. यह पूछे जाने पर कि सोशल मीडिया

के डिस्ट्रैक्शन के बीच छात्र कैसे ध्यान केंद्रित कर सकते हैं? मूर्ति ने कहा कि माता-पिता यह उम्मीद करते हुए फिल्में नहीं देख सकते कि बच्चे अपनी पढ़ाई पर ध्यान लगाएंगे.

नारायण मूर्ति ने बताया कि कैसे उन्होंने और उनकी पत्नी सुधा मूर्ति ने अपने बच्चों अक्षता और रोहन की पढ़ाई को लेकर घर में अनुशासन बनाए रखा. उन्होंने बताया कि जब उनके बच्चे स्कूल में थे, तब वह और उनकी पत्नी रोजाना तीन घंटे से ज्यादा समय उनके साथ पढ़ाई करते थे. इस अभ्यास से न केवल सीखने के लिए अनुकूल माहौल बना, बल्कि बच्चों को माता-पिता से स्पष्टीकरण मांगने का भी अवसर मिला.

मूर्ति पॉल हेविट की किताब कॉन्सेप्टुअल फिजिक्स के 13वें संस्करण का लोकार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने कहा कि जब माता-पिता खुद फिल्म देखने जैसे कामों में व्यस्त रहते हैं, तो वे अपने बच्चों से पढ़ाई में ध्यान लगाने की उम्मीद नहीं कर सकते.

टीवी देखने की थी सख्त मनाही

नारायण मूर्ति ने बताया कि शाम को 6.30 बजे से 8.30 बजे तक उनका घर पूरी तरह से पढ़ाई के लिए समर्पित होता था. टेलीविजन देखने की सख्त मनाही थी. उन्होंने कहा, मेरी पत्नी का तर्क था कि अगर मैं टीवी देख रही हूं, तो मैं अपने बच्चों को पढ़ने के लिए नहीं कह सकती. इसलिए उन्होंने कहा था कि मैं अपना टीवी देखने का समय कुर्बान कर दूंगी और मैं भी पढ़ाई करूंगी. उनका मानना है कि माता-पिता को बच्चों के लिए उदाहरण बनना चाहिए. बच्चों को पढ़ाई के लिए कहना और खुद मनोरंजन में लगे रहना, बच्चों को गलत संदेश देता है. उन्होंने कहा, अगर माता-पिता खुद फिल्में देखने जा रहे हैं और फिर बच्चों से कह रहे हैं कि नहीं, नहीं, तुम पढ़ाई करो तो यह तरीका काम नहीं करेगा.

कोचिंग कक्षाओं पर भी कसा तंज : नारायण मूर्ति ने कोचिंग के बारे में भी अपनी शंकाएं व्यक्त कीं. उन्होंने सुझाव दिया कि वे अक्सर उन छात्रों के लिए अंतिम उपाय होते हैं, जिन्होंने कक्षा में ध्यान नहीं दिया होता है. उनका मानना है कि पढ़ाई मुख्य रूप से कक्षा में होनी चाहिए. उसके बाद माता-पिता घर पर बच्चों की मदद करें. बता दें, नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता मूर्ति बिजनेस वुमन और फैशन डिजाइनर हैं. उनका विवाह ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से हुआ है. वहीं, रोहन मूर्ति हार्वर्ड सोसाइटी ऑफ फैलो में जूनियर फेलो हैं.

कश्मीर में सेना के दो जवान शहीद, पांच आतंकी भी ढेर

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है. बारामूला जिले में शनिवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों के मारे जाने की खबर है. बता दें कि आतंकियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा ऑपरेशन शुरू किया गया. शुक्रवार देर रात

उत्तरी कश्मीर जिले के पट्टन इलाके के चक टापर क्रीरी में गोलीबारी शुरू हुई. वहीं, एक अलग मुठभेड़ में सेना की राइजिंग स्टार कोर इकाई के जवानों ने कठुआ में दो पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार इलाके में तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की, जिसके बाद उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई. इससे पहले जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छतरू इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए. सेना ने कहा कि विशेष सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने छतरू क्षेत्र के नैदधाम इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया. इस दौरान सुरक्षा बलों के जवान जब एक निश्चित इलाके की ओर बढ़ रहे थे, तो वहां छिपे आतंकियों ने उन पर गोलियां चलाईं. इसके बाद सुरक्षा बलों के जवानों ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाईं. सेना ने कहा, गोलीबारी के दौरान दो जवान शहीद हो गए और दो घायल हो गए. व्हाइट नाइट कोर के जीओसी और सभी रैंक के अधिकारियों ने बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है.

शहर में आज

1. डोरंडा श्वेतांबर जैन मंदिर से शोभा यात्रा दिन के 8 बजे निकलेगी.
2. पर्युषण पर्व, जैन मंदिन में दिन के 8 बजे
3. करम विसर्जन, शहर के नदी-तालाबों में संध्या 5 बजे

ब्रीफ खबरें

सीएम हेमंत से मिलीं कृषि मंत्री दीपिका

रांची। कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की. उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सीएम से कृषि विभाग के कामकाज, विशेष तौर पर बिरसा विश्वविद्यालय के मुद्दों को लेकर चर्चा हुई. छात्रों से जुड़ी सुविधाओं और उनकी नियुक्ति राज्य में सुनिश्चित करने को लेकर भी बात हुई. सीएम ने आश्वस्त किया है कि सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और इस पर सरकार कोई बड़ा फ़ैसला लेगी.

चिराग 23 को लातेहार में करेंगे अपनों से चर्चा

रांची। लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान 23 सितंबर को लातेहार में एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे. यह जानकारी पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी. कार्यक्रम का आयोजन लातेहार के दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में सुबह 11 बजे किया जाएगा. राजेंद्र पासवान ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले की कई अहम और जटिल समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा.

कांग्रेस के सह प्रभारी उल्का दौरे पर पहुंचे

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव एवं झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को रांची पहुंचे. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि उल्का पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के लिए रवाना हो गये. वहां सह प्रभारी कांग्रेस जिला प्रभारी, अग्रणी संगठन, विभाग के नेताओं से बैठक कर विचार विमर्श किये. इसके बाद पूर्वी सिंहभूम से पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) के लिए रवाना हो गये. उन्होंने बताया कि वहां भी उल्का कांग्रेस जिला प्रभारी, अग्रणी संगठन, विभाग के नेताओं के साथ बैठक किये. सह प्रभारी रात्रि विश्राम वहीं करेंगे. इसके बाद वह रविवार को सरायकेला जाएंगे.

आमया ने वक्फ बिल पर पीएम को भेजा पत्र

रांची। वक्फ संशोधन बिल 2024 को वापस लेने अथवा बिल के असंवैधानिक प्रावधान को हटाने को लेकर आमया संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष एस अली ने संयुक्त सचिव (जेएम) के नाम पत्र भेजा जिसकी कॉपी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल, जेपीसी सदस्य असदुद्दीन ओवैसी, निशिकांत दुबे, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो को भी भेजा है. एस अली ने सुझाव पत्र के माध्यम से बताया कि वर्तमान नाम वक्फ अधिनियम 1995 संशोधनः संयुक्त वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता एवं विकास अधिनियम 1995 कर दिया गया, वक्फ संपत्ति का गठन वर्तमान अधिनियम वक्फ के गठन या किसी भूमि को वक्फ घोषित करने की अनुमति इन तरीकों से देता है.पहला घोषणा द्वारा (वक्फ बोर्ड द्वारा तय करना) और दूसरा दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर मान्यता (उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ की घोषणा).

हटिया विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के आधा दर्जन नेता टिकट के लिए ठोक रहे ताल, लगा रहे जुगाड़

अजय फील्ड में कर रहे तैयारी, दुबे भी टिकट झटकने में जुटे, सिंह व दीपू कर रहे कश्मीर की सैर

पॉलिटिकल रिपोर्टर। रांची

खास बातें

- 5 साल कहीं दिखे नहीं, चुनाव आते ही फैलाने लगे प्रेम का प्रकाश
- अब शुरू हो गयी मछली-भात खिलाओ-नेता पटाओ पॉलिटिक्स

अजयनाथ शाहदेव

आलोक दुबे

विनय सिन्हा दीपू

रवींद्र सिंह

रांची का सबसे महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्र हटिया है. इस विधानसभा में शहरी इलाका भी है और ग्रामीण भी. एयरपोर्ट, विधानसभा, हाईकोर्ट, सचिवालय से लेकर हटिया स्टेशन तक. यहां से एनडीए की तरफ से भाजपा के नवीन जायसवाल पिछले तीन बार से चुनाव जीत रहे हैं. व्यवसायी हैं. पहले आजसू पार्टी में थे. फिर जेवीएम से चुनाव जीते, बाद में भाजपा में चले आये. भाजपा से भी चुनाव जीते. किसी भी विवाद या बयानबाजी से दूर रहते हैं. न काहू से दोस्ती ना काहू से बैर रखने वाले नेता हैं. इस बार भी भाजपा उन्हें ही टिकट देगी, ऐसा तय माना जा रहा है. गठबंधन की तरफ से कांग्रेस कोटे में यह सीट जाती रही है. अंतिम बार कांग्रेस के टिकट पर गोपाल नाथ शाहदेव इस सीट से विधायक बने थे. चूंकि नवीन जायसवाल सीटिंग एमएलए हैं, तो उन्हें कांग्रेस से कौन टक्कर देगा, अब तक यह तय नहीं है. जायसवाल को टक्कर देने की मंशा लिए आजसू नेता भरत कांशी भी क्षेत्र में पसीना बहा रहे हैं. आजसू लगातार क्षेत्र में सक्रिय भी रहते हैं. काफी दिनों से चुनावी तैयारी में भी जुटे हैं. लेकिन सीट शेयरिंग में यह सीट भाजपा के खाते में ही रहेगी, ऐसे में भरत कांशी को आजसू चुनाव में उतारेगा, इसमें सस्पेंस है. लेकिन कांशी अपनी तैयारी में जुटे हैं. वैसे जायसवाल को टक्कर देने के लिए कांग्रेस के कई नेता ताल ठोक रहे हैं. जायसवाल से टकराने के लिए कांग्रेस किसे चुनती है, यह तो आनेवाला समय ही बताएगा. लेकिन कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव के साथ-साथ आलोक दुबे, रवींद्र सिंह, विनय सिन्हा दीपू भी चुनावी दंगल में उतरने को बेताब हैं.

हटिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा व कांग्रेस के बीच ही मुकाबला होगा, यह माना जाता रहा है. कांग्रेस की ओर से अजय नाथ शाहदेव भी चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हैं. छोटानागपुर राजघराने से ताल्लुकात रखते हैं, क्षेत्र में लगातार लोगों के बीच रहते भी हैं. डिप्टी मेयर के रूप शहर के लोगों की मदद किया करते थे. दमखम रखते हैं. जेएससीए में रहते हुए लीडरशिप का अनुभव है. चुनाव में जीत-हार से अलग लगातार लोगों के सुख-दुख के सहभागी रहते हैं. शाहदेव के अलावा इस सीट के लिए कांग्रेस नेता रवींद्र सिंह, आलोक दुबे, विनय सिन्हा दीपू के नाम की चर्चा है. कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि इन तीनों ने भी हटिया सीट से टिकट के लिए दावा किया है. लेकिन रवींद्र सिंह झारखंड राज्य बाजार समिति के अध्यक्ष बनाये गए हैं. यदि पार्टी में एक नेता-एक पद पर अमल किया गया, तो रवींद्र सिंह के नाम पर विचार भी नहीं किया जाएगा. विनय सिन्हा दीपू के नाम की भी चर्चा है, वे टिकट को लेकर कितने गंभीर हैं, यह तो नहीं बताया जा सकता, लेकिन फिलहाल वे संजय लाल पासवान, रवींद्र सिंह के साथ ही कश्मीर की वादियों की सैर कर रहे हैं. ये सभी नेता झारखंड प्रभारी गुलाम अहम मीर के पक्ष में चुनाव प्रचार करने गए हुए हैं. इन्हें भरोसा है कि टिकट बंटवारे में मीर की चलेगी, तो उनकी कृपा बरस सकती है. इसलिए ये सभी झारखंड में चुनावी तैयारी करने की बजाए कश्मीर में शिकारे पर सैर का मजा ले रहे हैं.

वैसे भी सभी कांग्रेसी कल्चर से पूरी तरह से वाकिफ हैं. कांग्रेस में टिकट देकर छीन लेने की भी परंपरा रही है. टिकट बांटने के बाद भी रातों-रात प्रत्याशी बदल दिए जाते रहे हैं. वैसे तो कांग्रेस में कई और भी नेता हैं, जो ऐन चुनाव के वक्त ही टिकट की खातिर एक्टिव हो जाते हैं. ऐसे नेता चुनाव के वक्त जागते हैं और लोगों के बीच जब पहुंचने लगते हैं, लोगों को पता चलता है कि ई भी कांग्रेस के नेता हैं. चूंकि पांच साल तक ऐसे नेताजी लोग गुमशुदा रहते हैं, इसलिए जनता जनार्दन से दूर रहते हैं. लेकिन चुनाव के वक्त जब अवतरित होते हैं, तो लोगों को पहचानने में दिक्कत होने लगती है. पार्टी के बड़े नेताओं की गणेश परिक्रमा कर टिकट हथियाने की लालसा में ये नेता दिन-रात लगे रहते हैं. टिकट के दावेदारों में एक ऐसे ही नेता हैं प्रेम प्रकाश शाहदेव. पांच साल तक इन्हें शायद ही कांग्रेस केकिसी प्रोग्राम में देखा गया हो, लेकिन अब हटिया से टिकट के लिए हाथ-पैर मारने लगे हैं. उनका ललगुटवा में एक मैरेज हॉल है. पिछले दिनों कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं की बैठक वहां हुई थी, जिसमें बड़े नेताओं की खूब आवभगत की गई. सबने मछली-भात छक कर खाया. अब उनका नाम भी हटिया क्षेत्र से टिकट के दावेदारों में है.

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने दिलाई सदस्यता

अमित यादव, जेपी वर्मा पूर्व डीएसपी नवनीत हेंब्रम ने थामा भाजपा का दामन

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में नेताओं को पार्टी में शामिल करवाते अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी.

प्रमुख संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव के पहले झारखंड में हृदय परिवर्तन की बयार बहने लगी है. पिछले 15 दिन में झारखंड के चार विधायकों/पूर्व विधायकों का हृदय परिवर्तन हुआ है. पहले झामुमो नेता चंपाई सोरेन और लोबिन हेंब्रम बीजेपी में आए. इसके बाद शनिवार को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी की उपस्थिति में शनिवार को निर्दलीय विधायक अमित यादव, पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा और पूर्व डीएसपी नवनीत हेंब्रम ने भी भाजपा दामन थाम लिया. तीनों नेताओं ने कहा कि वे किसी लालच में पार्टी में नहीं शामिल हुए हैं. पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, वे उसका ईमानदारी से निर्वहन करेंगे. अमित यादव और जयप्रकाश वर्मा पहले बीजेपी में ही थे.

2019 में टिकट कटने के बाद अमित यादव ने निर्दलीय चुनाव लड़ कर जीत हासिल की थी. इससे पहले 2009 में बीजेपी के टिकट पर बरकट्ठा सीट से बीजेपी के टिकट पर जीत हासिल की थी. पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा की भी घर वापसी हुई है. लोकसभा चुनाव से पहले जयप्रकाश वर्मा बीजेपी को छोड़ झामुमो की सदस्यता ले ली थी. छह महीने बाज ही उनका झामुमो से मोह भंग हो गया. वर्मा 2014 में बीजेपी के टिकट पर गांडेय सीट से चुनाव जीते थे. 2019 के चुनाव में वे हार गए थे. वहीं, पूर्व डीएसपी नवनीत हेंब्रम ने भी भाजपा की सदस्यता ले ली है. बीजेपी की सदस्यता लेने के बाद कहा कि पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेवारियों का बखूबी निर्वहन करूंगा. नवनीत ने कुछ दिनों पर डीएसपी पद से रिजाइन किया था. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वे महेशपुर से सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे हैं. नवनीत दो बार पाकुड़ में भी पदस्थापित रहे हैं.

गारंटी नहीं कि सबको टिकट मिल ही जाए

बीजेपी के टिकट पर विस चुनाव लड़ने की इच्छा लिये ये तीनों नेता बीजेपी में आ तो गये हैं, लेकिन सबको टिकट मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है. जयप्रकाश वर्मा गांडेय से विधायक रह चुके हैं. वे गांडेय या कोडरमा सीट से चुनाव लड़ना चाहेंगे, लेकिन गांडेय में बीजेपी की टिकट के दावेदार दिलीप वर्मा हैं. वहीं कोडरमा सीट पर नीरा यादव सीटिंग एमएल हैं. ऐसा भी हो सकता है कि टिकट नहीं मिलने पर वर्मा का एक बार फिर हृदय परिवर्तन हो जाए और उन्हें किसी और दल की नीतियां और सिद्धांत अच्छे लगने लगे. हालांकि अमित यादव को बरकट्ठा से टिकट मिलने में कोई मुश्किल नहीं दिख रही. नवनीत हेंब्रम महेशपुर से चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन वहां पहले से पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन और देवीधन टुडू जैसे पुराने नेता दावेदारी पेश कर चुके हैं. नवनीत राजनीति में नये हैं. संथाल की एक-एक सीट बीजेपी के लिए महत्वपूर्ण है. ऐसे में नवनीत को टिकट देकर बीजेपी कोई रिस्क नहीं लेना चाहेगी.

कांग्रेस पार्टी आरक्षण खत्म करने का रखती है विचार

बनानी है डबल इंजन सरकार: मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को प्रदेश मुख्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कहा कि झामुमो अब परिवार की भीं नही बल्कि केवल पति पत्नी की पार्टी बनकर रह गई है. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार काम करने के लिए नही बल्कि कमाने के लिए बनी है. इस सरकार ने अपने एक भी वादे पूरे नही किए. बताने के लिए इस सरकार के पास पांच काम भी नही हैं. नौकरी और बेरोजगारी भत्ता नहीं दिए, लेकिन अबतक नौकरी के नाम पर 17 युवाओं की मौत जरूर दी है.

कांग्रेस के युवराज को अब चीन का तानाशाह आ रहा पसंद : राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के युवराज को अब भारत का लोकतंत्र नहीं बल्कि चीन का तानाशाह पसंद आ रहा. हजारों सिखों की हत्या करने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी सिख समुदाय के बारे में विदेश की धरती पर गलत बयानी कर रहें. कांग्रेस पार्टी को न देश से प्रेम है न देश वासियों से. कांग्रेस अब तो देश के संविधान में दलितों पिछड़ों,आदिवासियों को मिले आरक्षण को भी समाप्त करने को सोच रही. झारखंड से भी भ्रष्ट ठगबंधन सरकार को हटाकर डबल इंजन की सरकार भाजपा के नेतृत्व में बनानी है.

इन्होंने ने भी ली भाजपा की सदस्यता : सदस्यता ग्रहण करने वालों में झामुमो से दिनेश वर्मा,अमित पांडे,वीरेंद्र मंडल, अरुण राणा, राजू शर्मा,विकास पाठक,सुनील रवानी,दिलचंद्र वर्मा,प्रयाग वर्मा,रत्न गुप्ता,राजू मंडल,झंडू वर्मा,दीपक पाठक,जितेंद्र सिंह,सचित गुप्ता,जितेंद्र हाजरा,बसंत वर्मा सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे.

भाजपा के प्रति जन जन में झुकाव बढ़ रहा: लक्ष्मीकांत

प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई ने कहा कि भाजपा के प्रति जन जन में झुकाव बढ़ रहा. नवनीत हेंब्रम जैसे लोग पुलिस की अच्छी नौकरी छोड़कर राजनीति के कठिन मार्ग के पथिक बन रहे यह देश के लिए, राज्य के लिए शुभ लक्षण हैं. हमें मोदी सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना है. प्रदेश में एक मजबूत भाजपा एनडीए की सरकार बनाने को संकल्पित होना है. प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय ने कहा कि भाजपा झारखंड की पीड़ा जानती है. भाजपा ने ही अलग राज्य के सपने को साकार किया.

निर्दलीय होकर भी मैं सदा दल के साथ रहा: अमित यादव

विधायक अमित यादव यादव ने कहा कि निर्दलीय होकर भी मैं सदा दल के साथ रहा. अब इसकी संवैधानिक औपचारिकताएं पूरी हो रही. पार्टी जो भी जिम्मेवारी देगी मैं उसे पूरा करने में पूरी ताकत झोंक दूंगा.

घर में आकर पूर्ण महसूस कर रहा: जयप्रकाश वर्मा

जेपी वर्मा ने कहा कि अपने घर में आकर पूर्ण महसूस कर रहा. यह पार्टी एक विशाल महा समुद्र है. पार्टी से मेरा पुराना नाता है. जितना दिन दूर रहा वह मेरे जीवन का काला अध्याय है.

विकसित झारखंड बनाने के लिए राजनीति अपनाया: नवनीत

पूर्व डीएसपी नवनीत हेंब्रम ने कहा कि राज्य की पीड़ा को दूर करने एक खुशहाल और विकसित झारखंड बनाने के संकल्प के साथ मैंने राजनीति को अपनाया है. भाजपा जन भावनाओं को समझते हुए विकासोन्मुख पार्टी है. राष्ट सेवा के स्पष्ट विचार नीति और नेतृत्व के साथ पार्टी देश समाज की सेवा कर रही.

पोस्टल पेंशनर्स एसो. ने 14 सूत्री ज्ञापन मेल कर पीएम को भेजा

संवाददाता। रांची

सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि देते पोस्टल पेंशनर्स एसो. के पदाधिकारी.

रांची जीपीओ में केडी राय व्यथित की अध्यक्षता में ऑल इंडिया पोस्टल/आर एम एस पेंशनर्स एसोसिएशन झारखंड की बैठक शनिवार को हुई. जिसमें 2 मिनट का मौन रख कर कामरेड सीताराम येचुरी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई.

वक्ताओं ने कहा कि उनके जाने से वर्किंग क्लास मूवमेंट को बड़ी क्षति हुई है. केंद्रीय कर्मचारियों के बोनस सीलिंग को 2500 से 3500 कराने में इनकी भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता है. राज्य सचिव एम जेड खान ने पिछली सप्ताह की गतिविधियों की चर्चा करते हुए कहा कि एनसीसीपीए के आह्वान पर 14 सूत्री मांगों का ज्ञापन ईमेल के माध्यम से प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, रेल मंत्री, संचार मंत्री, पेंशन मंत्री एवं कैबिनेट सचिव को भेजा गया है. ज्ञापन के माध्यम से मांग किया गया कि 8 वें वेतन आयोग का गठन,पुरानी पेंशन योजना को लागू करना, सीनियर सिटीजन को रेलवे में जो यात्रा में सुविधा, कोरोना काल से पूर्व दी जा रही थी,उसे बहाल करने, सरकार के द्वारा रोके गए 18 माह का मंहगाई भत्ता एवं मंहगाई राहत को अविलंब रिलीज करने, पेंशन के कम्युटेशन की अवधि 15 वर्ष से 12 वर्ष करने, 65 साल की उम्र से 5 फीसदी की दर से अतिरिक्त पेंशन का भुगतान करने, सर्विस एसोसिशन की तर्ज पर पेंशनर्स एसोसिएशन के लिए भी नियम बनाना आदि शामिल है. नेशनल लेटिगेशन पॉलिसी को बनाने की भी मांग की गई. 110वीं संसदीय कमेटी की अनुशंसा के अनुरूप इसे लागू किया जाय. मौके पर एमएन सिंह, सुभाष गुप्ता, बीके चौधरी, गौतम विश्वास, सुशीला कुजूर, हसीना तिग्गा, जयराम प्रसाद, एसपी मंडल, केडी राय व्यथित, देव चरण साहू ने कहा कि हमें अपने संघर्ष को और तेज करने की जरूरत है. हमें जो रेलवे यात्रा में सुविधा मिल रही थी, कोरोना काल में छीन ली गई और 18 माह का मंहगाई भत्ता रोक लिया गया. हमें इसके लिए संघर्ष को तेज करना होगा. मौके पर मेरी बिमला टोप्पो, रूमा शाह, अवधेश पाठक, राजेंद्र महतो, त्रिलोकी नाथ साहू, धनेश्वर गोस्वामी, सुखदेव राम, बलदेव साहू, मनरखन महतो, आरबी बैठा, एम कंडोलना आदि शामिल थे.

न्यूज अपडेट

मिड-डर्माकॉन : दो दर्जन टॉपिक पर एक्सपर्ट ने दिए प्रजेंटेशन

रांची। मिड-डर्माकॉन 2024 के दूसरे दिन देश भर से आए करीब दो दर्जन से ज्यादा एक्सपर्ट डॉक्टर्स ने अलग-अलग टॉपिक पर प्रेजेंटेशन दिए. डॉ. असित मित्तल ने मैनेजिंग क्रॉनिक इच पर, डॉ. अभिषेक दास ने इंडूसिबल अर्टिकेरिया बीमारी पर, डॉ. इंद्रासिस पोद्दार ने बायोमाकर्स इन अर्टिकेरिया पर, डॉ. किरण गोडसे ने अर्टिकेरिया की नई गाइडलाइंस पर अपने विचार रखे. इसके अलवा डॉ. निलेंदु शर्मा ने विटिलिगो के स्टेबिलिटी के कॉन्सेप्ट पर, डॉ. देविंद्र प्रसाद ने विटिलिगो के इलाज पर और डॉ. सिंद्धाता दास ने विटिलिगो की सर्जरी पर व्याख्यान दिया. इसके बाद केस आधारित डिस्कसन में विटिलिगो मैनेजमेंट पर डॉ. कौशिक लहिरी ने अपनी बात रखी. बताते चलें कि इस सम्मेलन का समापन रविवार की दोपहर करीब 2 बजे किया जाएगा. इसमें विभिन्न राज्यों से 600 से ज्यादा त्वचा रोग विशेषज्ञों ने शिरकत की है.

तीन दिवसीय एग्जिबिशन का आयोजन

रांची। ट्रायब्लेजिंग एंटरप्रेन्योर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, टीईएफआई नई दिल्ली के तत्वावधान में प्री पूजा फेस्टिवल ''मातृ वंदना'' का तीन

दिवसीय एग्जिबिशन का आयोजन यूनियन क्लब में किया गया. इसका शुभारंभ गायिका रिंकू बैनर्जी व राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने फिता काटकर किए. गायिका, लेखिका तथा समाज सेविका रिंकू बैनर्जी के सुमधुर वेद गान से दीप प्रज्वलित कर एग्जिबिशन का उद्घाटन हुआ. एग्जिबिशन में डिजाइनर कलेक्शन से लेकर ज्वेलरी, हैंडीक्राफ्ट और खान-पान के स्टॉल लगाए गए हैं. यह रविवार तक चलेगा. संस्था की डॉ. आस्था किरण, बर्णाली चक्रवर्ती, खूशी कांकण, प्रमोद श्रीवास्तव, डॉ रंजीत रंजन का विशेष योगदान रहा.

पर्युषण पर्व के सातवे दिन उत्तम तप की हुई पूजा

रांची। दिगंबर जैन धर्मावलंबी इन दिनो पर्वराज पर्युषण को लेकर तप-तपस्या के साथ भक्ति-रस की धारा से सराबोर हैं. अनुयायी सामर्थ्य के अनुरूप व्रत-उपवास कर आत्मउत्थान के पथ पर अग्रसर हैं. नेम-निष्ठा से नित्य दशलक्षण में से एक धर्म की पूजा-अर्चना कर रहे हैं. शनिवार को सातवें दिन दोनो मंदिरों में सुबह शांतिधारा के साथ विशेष पूजन-अर्चना की गयी. संगीतमय वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण गुंजायमान रहा. मंदिरो में कलशाभिषेक के साथ विशेष पूजा-अर्चना की गयी. पूजनोपरांत शास्त्र वाचन, मंडल पूजन भी किया गया. राजेन्द्र कुमार, संजीव, सुबोधजी बड़जात्या परिवार और अशोक कुमार, अजीत कुमार सेठी परिवार ने जेजे रोड स्थित मंदिर में और महावीर प्रसाद, राजेश कुमार काला और प्रकाशचंद्र, पंकज कुमार दगड़ा परिवार ने वासुपूज्य जिनालय में शांतिधारा की. संध्या बेला श्रीजी की आरती उतारी गयी. पंडित निखिल शास्त्री का प्रवचन हुआ. फिर जैन युवा जागृति की ओर से कितना बदल गया इंसान नाट्य का मंचन किया गया.

रांची विधानसभा से प्रत्याशी बने अनिल गुप्ता

रांची। जोहार पार्टी के महासचिव कमलेश रॉय ने विधानसभा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. शनिवार को प्रेस क्लब में जोहार पार्टी ने मीडिया को संबोधित किया. कहा कि निर्वाचन आयोग ने जोहार पार्टी को झारखंड चुनाव में ऑटो रिक्शा (टेंपो) छाप आवंटित किया है. वहीं पार्टी के अनिल गुप्ता को प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्ति पत्र दिया. मौके पर कमलेश रॉय ने कहा कि जोहार पार्टी झारखंड की तीन विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी. जिसमें रांची से अनिल गुप्ता, हटिया से विजय कुमार महतो और बोकारो से मनोज महली पार्टी के उम्मीदवार होंगे. पार्टी का मुख्य मुद्दा शिक्षा, स्वास्थ्य,स्थानीयता, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार रहेगा. रांची से प्रत्याशी अनिल गुप्ता ने कहा कि 24 साल बाद भी रांची की स्थिति बदतर हो होती जा रही है. समाज सेवा प्राथमिकता होगी. इसी के लिए जोहार पार्टी से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. स्वास्थ्य शिक्षा और ट्रैफिक पर काम करेंगे. मौके पर प्रेमचंद महतो, विनोद प्रजापति, सुनील गुप्ता, सानू प्रजापति, प्रेम उरांव, वरुण प्रजापति समेत अन्य लोग शामिल थे.

वकीलों के कल्याण के लिए हुए निर्णय का स्वागत : आईएएल

रांची। झारखंड सरकार द्वारा वकीलों के कल्याण पर लिए गए निर्णय का इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स, झारखंड इकाई ने स्वागत किया है. ये राज्य की विभिन्न अदालतों में वकीलों के लिए सराहनीय कदम है. कैबिनेट एवं सीएम के नेतृत्व में हुए निर्णय को झारखंड के अधिवक्तागण एवं एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स (आईएएल) के सदस्य आभार व्यक्त करते हैं. लेकिन भारत सरकार के विधि मंत्रालय ने अभी तक संसद में पारित करने के लिए इसे प्रस्तुत नहीं किया गया है, जो अधिवक्ताओं के लिए चिंता का विषय बना हुआ है. इंडियन ऐसोसिएशन ऑफ लॉयर्स (आईएएल) झारखंड सरकार से मांग करती है कि अविलम्ब पूरे देश में एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट संसद से पारित करा कर लागू किया जाए. प्रेस वार्ता में अधिवक्ता कलाम रशीदी, लक्ष्मी नाथ महतो, सहगल टोपनो, मेडलिन तिर्की, आजम अहमद,आमनत, संजय कुमार, शमीम आलम, राजेंद्र रविदास, वीरेंद्र वर्मन हाई कोर्ट के अधिवक्ता शामिल थे.

सादर नमन

विभिन्न दलों के शीर्ष नेता, कला, फिल्म जगत, पत्रकार, चिकित्सक, समाजसेवी समेत सभी पहुंचे श्रद्धांजलि देने

सीपीएम मुख्यालय में सीताराम येचुरी को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता। रांची

कामरेड सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोग.

दिल्ली स्थित सीपीएम मुख्यालय में पार्टी महासचिव सीताराम राम येचुरी को पार्टी की झारखंड राज्य कमेटी की ओर से श्रद्धांजलि दी गई. सीताराम का है ख्वाब अधूरा, इसी सदी में होगा पूरा, तुझमें, मुझमें इसमें, उसमें संघर्षों में सीताराम जिंदा हैं, का सीताराम को लाल सलाम के गगनभेदी नारों के साथ शनिवार को 9 बजे सीताराम का पार्थिव शरीर उनके आवास से नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय लाया गया. उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में पार्टी के नेता व समर्थक भी पार्टी मुख्यालय पहुंचे. सोनिया गांधी समेत विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के शीर्ष नेताओं के अलावा कला-संस्कृति व फिल्म जगत के जाने-पहचाने चेहरे भी उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे. विभिन्न देशों के दुतावासों के राजनयिक, विभिन्न राज्य सरकारों के प्रतिनिधि,दिल्ली के आर्चबिशप सहित अन्य धार्मिक संगठनों, सिविल सोसाइटी,श्रमिक संघों के प्रतिनिधियों के अलावा दिल्ली के नामी पत्रकार, मीडियाकर्मियों, चिकित्सकों अधिवक्ताओं की भी अच्छी खासी संख्या अश्रुपुरित आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंची थी. इससे पता चलता है कि सीताराम येचुरी के प्रति समाज के विभिन्न हिस्सों के बीच कितनी स्वीकार्यता थी. पार्टी की झारखंड राज्य कमिटी की ओर से राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, पूर्व राज्य सचिव गोपीकांत बक्शी ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित किया. पार्टी के राज्य कमिटी सदस्य और दलित शोषण मुक्ति मंच के अध्यक्ष शिव बालक पासवान और राज्य कमिटी सदस्य काशीनाथ चटर्जी भी पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में शामिल थे. मौके पर सीपीएम के सभी पोलिट ब्यूरो सदस्य, केंद्रीय कमेटी के सदस्य और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन भी उपस्थित थे. यहां उपस्थित शोकाकुल लोगों में बड़ी संख्या में छात्रों और युवाओं की मौजूदगी इस बात का एहसास दिला रहा था कि लाल झंडा के नेतृत्व में चल रहे संघर्षों को आगे ले जाने के लिए उत्साहित-अनुशासित और समर्पित नयी पीढ़ी की पौध तैयार हो रही है. दोपहर 3 बजे केंद्रीय पार्टी कार्यालय से एक विशाल श्रद्धांजलि मार्च निकाल कर सीताराम येचुरी का पार्थिव शरीर मेडिकल छात्रों के शैक्षणिक और शोध कार्यों के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को सुपुर्द कर दिया गया.

एनएसएस का टीम परेड शिविर के लिए हुई रवाना

रांची। रांची विवि के एनएसएस के 30 स्वयंसेवकों का दल कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. जयप्रकाश रजक एवं डॉ हैप्पी भाटिया के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन से शनिवार को रवाना हुआ. पटना में होने वाले राज्य स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड चयन शिविर के लिए कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने उन्हें रवाना किया. मौके पर डॉ ब्रजेश कुमार ने कहा कि आरयू के 30 स्वयंसेवक राज्य स्तरीय परेड में शामिल होने जा रहे हैं. आप लोगो के कंधे पे बड़ी जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि सभी अपना व्यवहार, अनुशासन का परिचय देते हुए अपना बेहतरीन प्रदर्शन कर पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (मध्य क्षेत्र) में अपना स्थान सुनिश्चित करें.

जेसीआई यूथ ने सांसद व मंत्री को किया सम्मानित

संवाददाता। रांची

जेसीआई रांची यूथ की अध्यक्ष सोनल अग्रवाल के नेतृत्व में यूथ के पदधारियों ने राज्यसभा सांसद महुआ माजी व कृषि मंत्री दीपिका पांडे सिंह से मुलाकात कर, जनहित में किये जा रहे उनके प्रयासों के लिए उनका आभार जताया और उन्हें सम्मानित किया. महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास और भावी योजनाओं पर चर्चा हुई.

मुलाकात के दौरान कोलकाता में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ घटित घटना पर चिंता जताते हुए महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर चर्चा की गई. सांसद व मंत्री ने भरोसा दिलाया कि महिला सुरक्षा को लेकर हमारी सरकार गंभीर है. सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर कई लोकप्रिय योजनाएं भी चलाई जा रही हैं, जिसका लाभ शहर से लेकर ग्रामीण स्तर की महिलाएं लाभांवित हो रही हैं. प्रतिनिधिमंडल में जेसीआई रांची यूथ की मनीषा सोंथालिया, निशि सराफ, मोनिका गोयनका, वंशिका शर्मा, गुनित सिंह, विनायक शर्मा शामिल थे.

दिन भर बहनों ने रखा उपवास, धूमधाम से करम डाली की पूजा-अर्चना, गूंजा गीत

भादो कर एकादशी करमा गड़ाय रे...

संवाददाता रांची

राजधानी में शनिवार को उमंग और उल्लास के साथ विभिन्न स्थानों पर करमा पर्व मनाया गया. इस अवसर पर आदिवासी समाज में काफी उत्साह देखा गया. सुबह से शाम तक बारिश के बाद भी आदिवासी समाज के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी. सभी अखरा लाइटों से सजाये जा चुके थे. बहनों ने अपने भाइयों के लिए दिन भर उपवास रखा और पूजा-अर्चना में शामिल हुईं. करमडाली गाड़ने का शाम से नवविवाहित महिलाएं इंतजार कर रही थी. बारिश के बीच अखरा मे करम डाली का पारंपरिक रूप से स्थापित कर पूजा अर्चना की गई. करम डाली को जावा, धूप, धुवन, दीया-बाती, अगरबत्ती फल फूल अर्पित किया गया. करम देव से सुख शांति की कामना की गयी. बहनों ने अपने भाइयों के लिए लम्बी आयु की कामना की. पाहनों ने करमा-धरमा की कहानी सुनायी. युवतियां पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित हुईं. पाहनों ने करमडाली की पूजा की. रात भर अखरा करम गीतों से गूंजते रहे. पारंपरिक वाद्ययंत्र के साथ युवक-युवतियां झूमते रहे. वही हरमू अखरा में शाम 7.30 बजे युवाओं द्वारा गांव में घूमकर तेल जमा किया गया. कोटवार के लिए लकड़ी चंदा की. रात आठ बजे गांव से इकट्ठा तेल से अखरा में गाड़ी हुई करम डाली के समीप दीया जलाया गया. उसके बाद करम पूजा शुरू हुई.

पाहन महासंघ का अध्यक्ष जगदीश पाहन ने कहा कि भादो एकादशी के दिन करम डाली की पूजा की गई, ताकि खेतों मे लगाई गई फसल की पैदावार अच्छा से हो सके और खेतों से उपजने वाली नई फसलों का स्वागत किया जा सके, जिसमें धान, गोदली मकई, मडुवा समेत अन्य फसल शामिल है. आदिवासी समाज का पूजा पाठ, प्रकृति से जुडा. है. हातमा के मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने कहा कि करम पर्व आदिवासियो का पर्व है. इसे भाई-बहन का पर्व भी कहा गया है.आदिवासी समाज है, तभी जंगल है. इसे बचाने के लिए प्रकृति के साथ हमेशा जुडे. रहना होगा. तभी हम स्वच्छ हवा ले सकेंगे. तभी पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है.

डीएसपीएमयू में अखरा के चारों ओर बनाया जाएगा शेड

संवाददाता। रांची

अखरा के चारो ओर शेड का निर्माण किया जाएगा. यह बात शनिवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अखरा में आयोजित करम पर्व समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के लोकपाल डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि करम पर्व मे हमेशा बारिश होती है.इससे बचने के लिए यह शेड का निर्माण होगा, ताकि समय पर गर्मी के मौसम भी अन्य कार्यक्रम आयोजित किया जा सके. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि हमें धर्म के साथ कर्म की भी आवश्यकता है. पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) सत्यनारायण मुंडा ने कहा कि हमें पेड़ पौधों के साथ संबंध बनाये रखना चाहिए. इसके पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में जनजातीय विभाग के विद्यार्थियों द्वारा उठाये गये जावा को करम डाली के समीप विधि विधान से लाया गया, फिर वहां करम डाली को विधिवत काटकर लाया गया और पहान प्रो. महेश भगत ने इसे अखरा में स्थापित किया. करम डाली की पूजा प्रो. महेश भगत और डॉ. जूरन सिंह मानकी ने संपन्न करायी. करम पूजा के कथावाचक सरन उरांव थे. पद्मश्री मधु मंसूरी ने अपने सुरों से अखरा में नृत्य-संगीत का शुभारंभ किया. नौ विभागों के नृत्य-दलों द्वारा नृत्य-गीत प्रस्तुत किया गया.

रांची विश्वविद्यालय : वही रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय विभाग मे करम पूर्व हर्षोउल्लास से मनाया. जहा पांच जनजातीय विभाग मुंडारी ,कुडुख, संथाली, हो और खोरठा भाषा के विद्यार्थी शामिल थे, जिन्होंने पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्र के साथ अखरा में अपनी गीत प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम से पहले अखरा को फूल माला से सजाया गया था. करम पेड़ को जावा, जल अर्पित कर पूजा पाठ किया. अतिथियो का स्वागत मुंडारी विभाग के छात्रों ने स्वागत किया. करम-धरमा की कहानी टीआरआई के पूर्व निदेशक सोमा सिंह मुंडा ने किया.

पद्मा एकादशी पर बाला जी मंदिर में हुए अनुष्ठान

रांची। श्रीतिरुपति बाला जी मंदिर में शनिवार को पदमा एकादशी पर विशेष अनुष्ठान किया गया. सुबह अर्चको ने दैनिक पूजन-आरती की. इसके बाद प्रभु के अभिषेक और श्रृंगार-पूजन के साथ अनुष्ठान प्रारंभ हुआ. आह्वान, आसन, अर्ध्य, पाद्य, आचमनीच, स्नानीय, वस्त्र, यज्ञोपवीत, गन्ध, पुष्प आदि अर्पित कर आराधना की गयी. दशांग धूप और मनोहर दीप के साथ फलाहारी व्यंजनों का नैवेद्य भेंट किया गया. श्रद्धालुओ ने नक्षत्र, कुंभ और कर्पूर से महाआरती उतार मंगल कामनाएं की. गोपेश आचार्य और नारायण दास ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया. ओम प्रकाश पत्नी मंजू गाड़ोदिया ने इसमें यजमान के रूप में हिस्सा लिया.राम अवतार नारसरिया, प्रदीप नारसरिया, अनूप अग्रवाल, घनश्याम दास शर्मा, सुशील लोहिया, रंजन सिंह, दीपू श्रीवास्तव, सुशील गाड़ोदिया, अशोक धनानी, भोला वर्णवाल, जगनारायण प्रसाद मौके पर मौजूद थे.

एकादशी जागरण में उमड़े श्रद्धालु : श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन पथ का परिसर शनिवार की रात जयकारो से गुंजायमान रहा. भजनों के सुर-ताल के साथ थिरकते श्रद्धालु जब जोश में आते तो वातावरण जय जय श्रीश्याम ... जयकारे से गूंज उठता. श्रीश्याम मंडल की ओर से मंदिर में आयोजित एकादशी जागरण में कुछ ऐसा ही नजारा देर रात तक छाया रहा. मंदिर में यूं तो एकादशी के मौके पर सुबह दैनिक-पूजन के बाद से ही दर्शन-पूजन को भक्तों का तांता लगा रहा,लेकिन जैसे-जैसे रात गहराता गया, भीड़ बड़ती गयी. बूंदा-बांदी तो कभी तेज बारिश की परवाह किए बैगर बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रीश्याम बाबा की भक्ति के डोर से बंध खींचे चले आए. रात नौ बजे दीप प्रज्जवलित की गयी. इसी के साथ जागरण की शुरुआत हुई.

गुलजार रहा श्रीश्याम मंदिर : श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड का परिसर शनिवार की रात एकादशी जागरण से गुलजार रहा. रात साढ़े नौ बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित की गयी. विक्की कुमार और शोभा कुमारी ने ज्योत जगाया. पूजन-अनुष्ठान से जागरण की शुरुआत हुई. श्रीश्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, श्रवण ढांढनिया,पंकज गाड़ोदिया,साकेत ढांढनिया, प्रदीप राजगढ़िया,रतन शर्मा,विवेक नारसरिया, किशन शर्मा आदि ने भक्ति गीतो की लड़िया लगा दी. देर रात महाआरती उतारी गयी. प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ. इससे पूर्व सुबह दैनिक पूजन-आरती के बाद खाटू नरेश का श्रृंगार-पूजन किया गया. दर्शन-पूजन को भक्तो का तांता लगा रहा. मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंत्री श्यामसुंदर शर्मा, संजय सराफ,अभिषेक सरावगी,रौनक पोद्दार,निखिल नारनोली ने आयोजन में खास योगदान दिया.

विकास भवन के सभागार में मना हिंदी दिवस समारोह, कवि गोष्ठी का भी आयोजन

हिंदी देश को एकता के सूत्र में बांधती है : आयुक्त

संवाददाता। रांची

कचहरी रोड स्थित विकास भवन सभागार में शनिवार को हिंदी दिवस का आयोजन गया. प्रमंडलीय राजभाषा दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल रांची और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित की गई थी. हिंदी दिवस समारोह का उद्घाटन दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र ने किया. इस मौके पर उपनिदेशक राजभाषा गौतम कुमार,उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव और एसडीओ उत्कर्ष कुमार उपस्थित हुए.इस अवसर पर दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र ने कहा कि हिंदी भाषा देश को एकता के सूत्र में बांधती है. यही वजह है कि स्वतंत्रता संग्राम में भी हिंदी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उन्होंने कहा कि 14 सितंबर 1949 को देश ने हिंदी को भाषा और देवनागरी लिपि के रूप में अपनाया.

उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव और उपनिदेशक राजभाषा गौतम कुमार ने कहा कि हिंदी भाषा एक दूसरे को जोड़ने का काम करती है. 14 सितंबर को हिंदी दिवस देश के साथ दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है. उन्होंने कहा कि हिंदी अंतरात्मा की भाषा है. रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ जंग बहादुर पांडेय, डॉ शिरोमणि महतो एवं नीरज नीर द्वारा हिंदी का इतिहास, हिंदी की प्रगति और वर्तमान में हिंदी की प्रासंगिकता के प्रकाश डाला गया.कार्यक्रम मे कवि गोष्ठी का भी आयोजन किया गया. जिसमें कवि और कवयित्रियों ने अपने गीत के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. इस मौके पर साहित्यकारों ने भी अपनी बात रखी.

आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी मे शनिवार को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित किया गया. कम्युनिकेशन स्किल्स के प्रोफेसर और लिटरेचर क्लब प्रो. अमित चतुर्वेदी शामिल हुए. कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर और हिंदी विभाग की प्रमुख, डॉ. चंद्रिका ठाकुर मौजूद थीं, जिनको कुलपति डॉ. रमन झा, डीन प्रो. अरविंद कुमार , स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. शोवना चौधरी और रजिस्ट्रार डॉ. जेबी पटनायक ने सम्मानित किया. कार्यक्रम के संयोजक, प्रोफेसर अमित चतुर्वेदी ने हिंदी दिवस के महत्व और हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला.

कार्मिक विभाग के सचिव प्रवीण कुमार टोप्पो ने कहा है कि 14 सितंबर का दिन हिंदी दिवस के तौर पर मनाया जाता है। हिंदी दिवस का दिन हमें गर्व का अहसास कराता है। यह दिन हमें उस दिन की याद दिलाता है, जब हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का फैसला किया गया था। वे शनिवार को कार्मिक विभाग द्वाराव श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित हिंदी दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने हिंदी भाषा और साहित्य के महत्व को उजागर किया गया.

अनंत चतुर्दशी और विश्वकर्मा पूजा 17 को

रांची। राजधानी में 17 सितंबर को एक ओर जहां अनंत चतुर्दशी व्रत धारण कर सनातनी श्रीहरि के अनंत स्वरूप की आराधना में लीन रहेंगे, वहीं विश्वकर्मा पूजा और श्रीगणेश प्रतिमा विसर्जन की भी धूम रहेगी. कल-कारखानों से लेकर प्रतिष्ठानो में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाएगी. आचार्य अजय मिश्रा ने बताया कि भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि 16 सितंबर को दिन के 03 : 11 बजे से शुरू होगी, जो 17 सितंबर को दिन के 11: 45 मिनट तर रहेगी. उदीया तिथि में चतुर्दशी मिलने से मंगलवार को ही अनंत चतुर्दशी का व्रत शास्त्रसम्मत माना जाएगा. मान्यतानुसार इस दिन नेम-निष्ठा से व्रत-उपवास कर अनंत भगवान की पूजा करने वालो को कष्ट नहीं सताता.

प्रतिपदा 18 से शुरू होगा पितृ पक्ष

अजय मिश्रा ने बताया कि वैसे तो मंगलवार से पितृ पक्ष का आरंभ हो रहा, लेकिन इस दिन श्राद्ध नहीं किया जाएगा. पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म के कार्य प्रतिपदा तिथि से होते हैं. इसलिए 17 तारीख को ऋषियों के नाम से तर्पण किया जाएगा. श्राद्ध पक्ष का आरंभ प्रतिपदा तिथि से होता है. ऐसे में 18 सितंबर से पिंडदान, ब्राह्मण भोजन, तर्पण, दान आदि कार्य शुरू हो जाएगा.

ईद मिलादुन्नबी की तैयारी पूरी

रांची। मरकजी सीरत कमेटी डोरंडा की ओर से ईद मिलादुन्नबी को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है. शनिवार को सीरत कमेटी के अध्यक्ष अशरफ अंसारी के साथ कमेटी के सभी पदधारियों ने डोरंडा सीरत मैदान में होने वाले जलसा स्थल और जुलूस ए मोहम्मदी के स्वागत के लिए बन रहे स्वागत शिविर का निरीक्षण किया। मौके पर कमेटी अध्यक्ष अशरफ अंसारी ने कहा कि इस साल भी डोरंडा सीरत कमेटी के देख रेख में पूरे डोरंडा में धूम धाम और आपसी भाईचारगी के साथ जुलूस ए मोहम्मदी निकाली जायेगी साथ ही सीरत मैदान डोरंडा में हर साल की भांति इस साल भी कमेटी द्वारा जलसे का आयोजन किया जायेगा. अशरफ अंसारी ने कहा कि डोरंडा में जुलूस ए मोहम्मदी 16 सितंबर की सुबह 7 बजे मदरसा गौसिया गौस नगर मानीटोला से निकलेगी. मौके पर मौलाना मनीरूद्दीन, नसीम उल हक, सरफराज, मुमताज गद्दी, मो परवेज, मो तैयब आदि शामिल थे.

जोरदार तैयारियां रिसालदार बाबा का पांच दिवसीय 217वां सालाना उर्स 19 सितंबर से

मुरादों की झोली फैलाये भारी संख्या में जुटेंगे जायरीन

रेहान अहमद। रांची

डोरंडा स्थित हजरत कुतुबुद्दीन रिसलदार शाह बाबा का 5 दिवसीय 217वां सालाना उर्स 19 सितंबर से शुरू होगा. ऐसे तो सालो भर बाबा के चाहने वाले मन्नत मुराद की झोली फेलाये बाबा के दर पर पहुंचते रहते हैं. लेकिन उर्स के मौके पर बाबा के चाहने वाले बड़ी तादात में मन्नत मुराद की झोली लेकर पहुंचते हैं. उर्स में महज पांच दिन ही शेष रह गये हैं, इस लिये इसकी तैयारी जोर शोर से हो रही है. दरगाह कमेटी के सदस्य वालंटियर के रूप में उर्स मेला परिसर में मौजूद रहेंगे. जायरीनों व आने जाने वालों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो उनकी मदद कमेटी के वालंटियर सदस्य करेंगे.

दरगाह कमेटी ने उर्स के अवसर

पर मेले परिसर में प्रशासन से सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग की है. साथ ही कमेटी सदस्यों ने मेला परिसर में नगर निगम से अच्छी सफाई, पानी की व्यवस्था, बिजली के लिये रौशनी की व्यवस्था करने की मांग की है. मेले परिसर में बने गड्ढों को डस्ट व मोरम डाल कर बराबर करने की मांग की है, ताकि मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो.

दरगाह कमेटी के पदधारी : दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अयूब गद्दी, महासचिव जावेद अनवर, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन, बेलाल अहमद, उप सचिव जुल्फेकार अली, मो सादिक, कोषाध्यक्ष जैनुल आबेदीन, कार्यकारिणी सदस्य नसीम गद्दी उर्फ पप्पू गद्दी, सरफराज गद्दी (शंपा), अनीस गद्दी, अब्दुल खालीक गद्दी, सरफराज (उर्फ बबलू पंडित), सरफराज कुरैशी, शाहीन अहमद, नज्जू अंसारी, ऐजाज गद्दी, मो वसीम, साजिद उमर, आफताब आलम, असीफ नईम, सहजाद बबलू, मो ईमामउद्दीन गद्दी, नसीर गद्दी उर्फ पप्पू, मो इकबाल, मुन्ना गद्दी, आशु गद्दी, सैय्यद हेजाजी (समीर), शाहिद खान, मुस्ताक गद्दी, मो लड्डन आदि शामिल हैं.

5 दिवसीय उर्स के कार्यक्रम : 19 सितंबर : दिन के 8 बजे परचम कुशाई, 2 बजे स्थानीय कव्वाल कौशर जानी व शहंशाह ब्रदर्स की कव्वाली. लंगर खानी, 3:30 बजे सदर अय्यूब गद्दी के मकान से शाही संदल व चादर निकलेगी. 5 बजे झारखंड के राज्यपाल की ओर से पहली चादर पेश की जायेगी. 6 बजे इस्लामिक क्विज, 8 बजे नात, कीरत, तकरीर का आयोजन.

20 सितंबर : लंगरखानी, दोपहर 2.30 बजे स्थानीय कव्वाल कौसर जानी, कलाम नाजा वारसी, बड़े नवाब वारसी, आरिफ नवाज, जबीउल्लाह जानी, आजाद अली वारसी, एवं शहंशाह ब्रदर्स के बीच कव्वाली मुकाबला. रात में जलसे का आयोजन.

21 सितंबर : रात्रि 8.30 बजे खानकाही कव्वाली कौशर जानी, कलाम नाजा वारसी, बड़े नवाब वारसी, आरिफ नवाज, जबीउल्ला जानी , आजाद अली वारसी एवं शहंशाह ब्रदर के बीच होगी.

22 सितंबर : दोपहर 2 बजे महासचिव जावेद अनवर के मकान यूनुस चौक डोरंडा के पास मुंबई से आए कव्वाल जुनैद सुलतानी व मुज्तबा अजीज नाजा के बीच मुकाबला होगा.

23 सितंबर : सुबह 5 बजे कुल वा फातिहा खानी और मिलाद शरीफ होगी. दोपहर 2 बजे लंगर खानी, रात 9 बजे मुंबई के कव्वाल जुनैद सुलतानी व मुज्तबा अजीज नाजा के बीच महामुकाबला होगा. रात 9 बजे सीएम हेमंत सोरेन हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा के मजार पर चादरपोशी और मंच पर कव्वाली के महामुकाबला का विधिवत उद्घाटन करेंगे.

शहर के पूजा पंडाल

सेल सैटेलाइट टाउनशिप में रहेगी पौराणिक मंदिर की रौनक

संवाददाता ।रांची

सेल सैटेलाइट टाउनशिप में इस बार भी दुर्गोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है. तैयारी जोरो पर है. पूजा के दौरान यहां पौराणिक मंदिर के प्रारूप पर आधारित पंडाल की रौनक रहेगी. मंदिर के भव्य दरबार में मां दुर्गा अन्य देवी-देवताओं संग विराजेंगी.आकर्षक विद्युत सज्जा भी इस बार खास होगी.पूजा स्थल चकाचौंध रौशनी के साथ रंग-बिरंगी लाइटो से दमकेगा. सेल की रिहायशी टाउनशिप होने से बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी सीधे तौर पर पूजनोत्सव में बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभाते हैं. सभी जाति और धर्म के लोग बैगैर किसी भेद-भाव के भक्ति के साथ दुर्गोत्सव का जमकर आनंद लेते हैं. कलश स्थापना से लेकर विसर्जन तक क्षेत्र में उल्लास छाया रहता है. महाषष्ठी से विजयदशमी तक सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, जिसमें बच्चों के नृत्य और चित्रकारी, महिलाओं की रंगोली, गरबा, डांडिया, धुनुची नृत्य के साथ ढाक प्रतियोगिताएं भी करायी जाती हैं. इस बीच महानवमी की रात्रि में प्रसंगानुसार नृत्य-गीत और झांकी के साथ महाजागरण का आयोजन सबका मन भाता है.

खोने-पीने के स्टॉलो का रहेगा आकर्षण : विविध रेस्टोरेंट की भागीदारी से पूजा स्थल के पास खान-पीने के विविध स्टाल लगाए जाएंगे. इसमें शुद्धता और साफ-सफाई का खास ख्याल रखा जाएगा.महासचिव आनंद त्रिवेदी और सचिन कुमार ने बताया कि अष्टमी और नवमी को विशेष भोग बांटा जाएगा. षष्ठी को पट खुलेगा. 14 अक्तूबर को विसर्जन शोभायात्रा के साथ मां विदा की जाएगी.

गठित पूजा समिति : अध्यक्ष अनिल कुमार मिस्त्री, महासचिव आनंद त्रिवेदी, सचिन कुमार, कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह, संजय परीडा, संजीव कुमार, बिष्णु कुमार दास,सुशील कुमार,राम रंजन चौधरी, सुभाशीष मुखर्जी, अवधेश प्रसाद, सोमनाथ कुमार, बसंत साहू, बबलू घोष, राम किशन, अमित मिश्रा, अभिषेक कुमार, मिलिंद वर्मा, आलोक मिश्रा, मनोज कुमार सिंह, मजूमदारजी,मनीष माधव,अजय प्रसाद, माणिक लोहार, योगेश पटेल, अनिकेत आनंद, सुरेश प्रसाद आदि गठित समिति में शामिल हैं.

देखते ही बनेगा सुसज्जित पंडाल

पूजा पंडाल का ढांचा खड़ा किया जा चुका है. पंचमी को जब सज-संवर कर पंडाल तैयार होगा तो इसकी आभा देखते ही बनेगी. 50 उंचे, 55 चौड़े और लगभग 60 फीट लंबे पंडाल को पौराणिक मंदिर का रूप देने में कारीगर लगे हैं. अध्यक्ष अनिल कुमार मिस्त्री ने बताया कि तोरण द्वार भी इस बार खास रहेगा. नक्काशीदार खम्भों की श्रृंखलाओं के उपर चकौर अट्टालिकाएं बना कर गोल गुंबद का आकर दिया जा रहा है. साथ ही अट्टालिकाओं के ऊपर सुंदर आकृतियों की सजावट की जा रही है. गर्भगृह में मां दुर्गा की 15 फीट उंची श्रीडी प्रतिमा के अनुरूप सजाया जाएगा. अजय कुमार पाल देवी-देवताओं की प्रतिमाएं गढ़ रहे हैं.

न्यूज अपडेट

वाईबीएन यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारंभ

रांची । वाईबीएन यूनिवर्सिटी, रांची में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ. गुरु विद्यापीठ रोहतक एवं ब्रज लोक साहित्य कला संस्कृति अकादमी फतेहाबाद उत्तर प्रदेश गुरु फाउंडेशन द्वारा वाईबीएन यूनिवर्सिटी रांची में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय था ''समकालीन साहित्य में विविध विमर्श.'' गुरु विद्यापीठ रोहतक हरियाणा के निदेशक डॉ. विकास शर्मा, वाईबीएन विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष रामजी यादव, कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश यादव, डायरेक्टर डॉ. सुधीर यादव एवं डॉ. रजनी शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. डॉ. रजनी शर्मा ने सरस्वती वंदना की. संगोष्ठी में वक्ता के रूप में डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. अरविंद राजपूत, डॉ. कैलाश नाथ सिंह उपस्थित रहे. संगोष्ठी में विभिन्न विषयों पर लघु शोध पत्र की प्रस्तुति दी गई. 15 सितम्बर को कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा.

क्रूस कलिसिया के लिए गौरव का चिह्न है : आर्चबिशप

रांची । वर्धमान कंपाउंड स्थित होली क्रॉस विद्यालय परिसर में शनिवार को पवित्र क्रूस के विजयोत्सव का पर्व मनाया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर्चबिशप विसेंटआइंद शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा बलिदान से हुई. इस अवसर पर आर्च बिशप ने कहा कि कैथॉलिक कलीसिया में हर साल 14 सितंबर को पवित्र क्रूस का विजयोत्सव मनाया जाता है. पवित्र क्रूस पर आधारित कांग्रिगेशन का नाम होने के कारण होली क्रॉस की धर्म बहनों के लिए यह विशेष पर्व होता है. प्रभु येसु ने क्रूस पर बलिदान दे कर क्रूस के अर्थ को सकारात्मक रूप दे दिया. इसलिए क्रूस हमारे लिए अपमान का नहीं, बल्कि गौरव का चिह्न है. किंतु क्रूस का अर्थ हमें तभी मालूम होगा.

सरला बिरला विवि को मिली चेस टूर्नामेंट की मेजबानी

रांची। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज) ने वर्ष 2024-25 के चेस मेन ईस्ट जोन टूर्नामेंट की मेजबानी सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) को सौंपे जाने की घोषणा की है. यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स के संयुक्त सचिव डॉ. बलजीत सिंह सेखों ने एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक को प्रेषित किया है. इस संदर्भ में महानिदेशक ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज का आभार व्यक्त करते हुए टूर्नामेंट के सफल आयोजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जतायी. विवि के प्रति कुलाधिपति विजय कुमार दलान, प्रदीप वर्मा, प्रभारी कुलपति प्रो. एसबी डांडीन और कुलसचिव प्रो. वीके सिंह ने विवि को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी मिलने पर हर्ष व्यक्त किया.

रक्तदान शिविर में 4 यूनिट रक्त जुटा, किया डोनेट

रांची। स्वैच्छिक रक्तदान संगठन लहू बोलेगा के तत्वावधान पर शनिवार को सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया.रक्तदाता नदीम खान ने 34, साजिद उमर ने 28, जमी अख्तर ने 14, मो नौशाद ने दूसरी बार रक्तदान किया. शिविर में कुल 4 यूनिट रक्त जुटा.

"यह चावल भी एक मुसीबत है. इन दिनों चावल का दाम बढ़ता ही जा रहा है.. बाजार के इस भाव को जैसे पंख लग गये हैं. वह ऊंचे-से-ऊंचे उड़ता जा रहा है. गिद्ध की तरह बाजार भाव आसमान की ऊंचाई को नाप रहा है. जनता है, वह दिन-दिन पाताल की ओर गहराई को नापती जा रही है. -राधाकृष्ण (कहानी 'मूल्य' से)"

शुभम संदेश
रांची, रविवार 15 सितंबर, 2024 |08

जयंती (18 सितंबर) पर विशेष

राधाकृष्ण - कलम की कलायात्रा के हमवतन

आनन्द
सहायक निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड, रांची

आजादी मिलने के बाद की संभावनाओं की चिंता हमारे राष्ट्रनिर्माताओं को थी. यहां की भाषा विविधता, सांस्कृतिक बहुलता, धार्मिकता के बीच अनेकता में एकता और आजादी के आंदोलन की पंथनिरपेक्षता को बनाये रखना सबसे बड़ी चुनौती थी. इसी परिप्रेक्ष्य में हम राधाकृष्ण की भूमिका का मूल्यांकन करते हैं. 1940 के रामगढ कांग्रेस के जनसम्पर्क प्रभारी से लेकर आजादी की लड़ाई के प्रकाशनों, भारत छोडो आन्दोलन की पृष्ठभूमि में नाटकों का लेखन-निर्देशन और सार्वजनिक मंचन से लेकर साहित्यिक रचनाकर्म के साथ-साथ 1947 से लेकर 1970 तक जनसम्पर्क विभाग की पत्रिका 'आदिवासी साप्ताहिक' का संपादन, 1954 से 1957 तक आकाशवाणी के ड्रामा प्रोड्यूसर के अलावे वृत्तचित्रों के स्क्रिप्ट लेखन से लेकर जनजागृति के लिए फिल्म विधा के पहले प्रयोगधर्मी के रूप में राधा कृष्ण की यात्रा को पाथेय की संज्ञा दी जानी चाहिए.

• आजादी के लिए उठाई आवाज

राधाकृष्ण मात्र लेखनी और कलमकारी तक ही सीमित नहीं रहे, कला के उत्स और कला माध्यमों के समेकित प्रभाव का प्रयोग जनमाध्यम के रूप में कर उन्होंने यह नजीर ज़माने को दिया कि ललित कला, चाछुष कला और कलम के मेल से जो आग पैदा होती है, वह बुझाये नहीं बुझती. रामगढ़ कांग्रेस के दिनों में ही राष्ट्रीय स्वाभिमान जागृत करने के उद्देश्य से उनकी लिखी किताब 'बिहार के चित्रित गौरव' काफी चर्चित रही. इसका प्रकाशन लहेरियासराय के 'पुस्तक भंडार' से हुआ था. राधाकृष्णजी की ही देख-रेख में रामगढ़ कांग्रेस की 'स्मारिका' प्रकाशित हुई थी. 1923 में काशी नागरी प्रचारणी सभा ने पूरी हिंदी पट्टी में गठित 'भारती-मंडल' द्वारा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र लिखित 'भारत-दुर्दशा' के सभी जगहों पर मंचन का आह्वान किया था. 'भारत-दुर्दशा' के मंचन का यह प्रभाव था कि मुंगेर के खडगपुर में इसके लिए डॉ. श्रीकृष्ण सिंह को ब्रिटिश हुकूमत ने गिरफ्तार कर सजा दी. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की प्रेरणा और उपेन्द्र महारथी, दीनानाथ वर्मा तथा रामवृक्ष बेनीपुरी के सहयोग से राधाकृष्ण ने भी अपनी लेखनी के साथ-साथ नाटकों का लेखन और सार्वजनिक मंचन द्वारा आमजनों को जागृत करने और आजादी के आंदोलन से जोड़ने का हरसंभव प्रयत्न किया.

राधाकृष्ण को भी शुरू से ही नाटकों का शौक था. वे नाटकों में पार्ट भी करते थे, नाटक लिखते भी थे और जनसहयोग से उनका मंचन भी कराते थे. 1942 के 'भारत छोड़ो आन्दोलन' के दौरान उन्होंने एक रंगमंचीय नाटक 'भारत-छोड़ो' लिखा था. वे उसके मंचन की तैयारियों में लगे थे, पर अंग्रेजी हुकूमत ने ऐनवक्त पर नाटक पर प्रतिबन्ध लगा दिया. इस वजह से 'भारत-छोड़ो' नाटक को रांची का रंगमंच नसीब नहीं हो सका. अलबत्ता राधाकृष्णजी को गिरफ्तारी के भय से फरार होना पड़ा, उनके घर को कुर्क किये जाने के हुक्मनामे के बाद नीलामी पर चढा दिया गया. कोर्ट-कचहरी के लंबे चक्कर के बाद 1946 में 'भारत-छोड़ो' नाटक का मंचन संभव हो सका. उसी साल यह नाटक 'पुस्तक-भंडार' से प्रकाशित भी हुआ.

• आजादी के बाद नवनिर्माण में सहयोग

'आदिवासी साप्ताहिक' के सम्पादन के दौरान राधाकृष्ण ने छोटानागपुर क्षेत्र में लेखकों की एक पीढ़ी तैयार की. देश को आज़ादी मिलने के बाद इसे एकसूत्र में पिरोये रखने, जनजातीय भाषाओं के देशज साहित्य को हिंदी की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ-साथ नवनिर्माण का बेहतर माहौल बनाने और उसमें सबों की भागीदारी के उद्देश्य से ही इस पत्रिका का प्रकाशन रांची से शुरू किया गया था. राधाकृष्ण ने इस पत्रिका के जरिये नवजागरण के इस प्रयास को बखूबी अंजाम देने की कोशिश की. उन्होंने विकास और सामाजिक चेतना के लिए रेडियो-नाटकों की रचनाएं की. इस विधा को भी भारत के हिंदी क्षेत्रों में लोकप्रिय बनाने का श्रेय उन्हें मिलना चाहिए. वैसे राधाकृष्ण की कहानियों में हम आजादी मिलने के बाद की उपजी सामाजिक, आर्थिक, नैतिक और राजनैतिक परिस्थितियों को विद्रूपताओं के तौर पर चित्रित पाते हैं. उनके व्यंग्य तत्कालीन स्थितियों के प्रति खबरदार करते मालूम होते हैं. राधाकृष्ण जानते थे कि आज़ादी मिलने के साथ जगी आशायें धूमिल हो रही थीं. राजनैतिक दलों के क्षुद्र स्वार्थों, आपसी प्रपंचों के साथ राधाकृष्ण आम जनता की संवेदनहीनता पर भी करारे व्यंग्य चस्पां करते हैं. ऐसी परिस्थिति में भी वे नाटकों, रेडियो-नाटकों/रूपकों और सिनेमा के माध्यम से आम अवाम को जागृत करते दिखाई देते हैं गोया...बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जायेगी.....'

रामगढ़ कांग्रेस के समय फिल्मांकन के लिए मद्रास की'डॉक्युमेंटरी फिल्म्स लि.' के मैनेजिंग डाइरेक्टर ऐ.के.चेट्टियार रांची आये थे. गांधीजी पर उन्हें एक डॉक्युमेंटरी बनानी थी. गांधीजी पर आधारित इस डॉक्युमेंटरी को चेट्टीयार ने 21 भाषाओं में बनाया. हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओँ में 3000 फुट लेंथ की फिल्म बनी, जबकि इस फिल्म का यूरोपियन वर्सन 12000 फुट लेंथ का बना. गांधीजी को केन्द्रित कर बनी इस डॉक्युमेंटरी का ओपनिंग शो चेट्टीयार अमरीकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट के समक्ष वाशिंगटन में होना था. बतौर रामगढ़ कांग्रेस के जनसम्पर्क प्रभारी राधाकृष्ण ने इस फिल्म के फिल्मांकन में सहयोग किया. साथ ही इसकी हिंदी स्क्रिप्ट तैयार करने में मुख्य भूमिका निभाई. इससे पहले से ही वे मुम्बईया फिल्म जगत से जुड़े थे. वे 1938 में ही मुम्बई के 'सागर मूवीटोन' से जुडकर स्क्रिप्ट लेखन करने लगे थे. 'सागर मूवीटोन' रामानंद सागर के पिता मोती सागर की फिल्म कंपनी थी.

1947 में स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद अंतरिम सरकार का गठन हुआ. डॉ. श्रीकृष्ण सिंह मुख्यमंत्री(तब बिहार के मुख्यमंत्री प्रधानमन्त्री कहे जाते थे) बने, आचार्य बदरीनाथ वर्मा को गृह(राजनीति) विभाग(अब का जनसम्पर्क विभाग) की जिम्मेवारी दी गयी. तात्कालिक समस्याओं के साथ-साथ नवनिर्माण में सबकी भागीदारी और सबको साथ लेकर चलना राज्य के नेतृत्व के लिए चुनौतीपूर्ण था.ऐसी परिस्थितियों में राज्य सरकार ने रामधारीसिंह 'दिनकर', रामवृक्ष 'बेनीपुरी', राधाकृष्ण, उपेन्द्र 'महारथी' सहित लेखकों, बुद्धिजीवियों की सेवाओं के सार्थक उपयोग का निर्णय लिया. गृह(राजनीति) विभाग का नाम बदलकर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग किया गया. सम्भवतः लोक-कल्याणकारी राज्य के परिप्रेक्ष्य में लोक-सम्पर्क की नयी अवधारणा का यह सफल प्रयोग साबित हुआ, जिस पर विस्तृत शोध की गुंजाइश है. पटना से "बिहार-समाचार' एकसाथ हिंदी, उर्दू और अंग्रेज़ी में प्रकाशित होने लगा था. दुमका से संताली भाषा में "होड़-सोम्वाद" और रांची से "आदिवासी साप्ताहिक" छपने लगा, जिसके सम्पादक राधाकृष्ण बनाये गए. जनमाध्यमों के प्रभाव से नवनिर्माण का माहौल तैयार करने के लिए जनसम्पर्क विभाग में बाकायदा फिल्म और गीत-नाटक के प्रभाग स्थापित किये गए. राधाकृष्ण लगातार विभागीय गीत-नाटक प्रभाग के लिए नाटक लिखते रहे. इस दौरान आकाशवाणी के लिए रेडियो-नाटक लिखने का दौर जारी रहा. रेडियो नाटकों के क्षेत्र में राधाकृष्ण के योगदान पर भी विस्तृत शोध और मूल्यांकन की गुंजाइश है.

पचास के दशक में हिंदी के जानेमाने लेखकों की टीम बतौर ड्रामा प्रोड्यूसर आकाशवाणी से जुड़ती है; इसमें अमृतलाल नागर, इलाचन्द्र जोशी, सुमित्रानंदन पन्त, भगवतीचरण वर्मा, राधाकृष्ण जैसे लोग शामिल रहे. उन दिनों स्वस्थ सुरुचिपूर्ण मनोरंजन के साथ-साथ राष्ट्रनिर्माण के वृहत्तर उद्देश्यों के निमित्त मूर्धन्य लेखकों की सेवाओं का बेहतर उपयोग राष्ट्रीय प्रसारणों में किस तरह से किया गया, इसके नए सिरे से मूल्यांकन किया जाय तो निश्चित ही हमें राधाकृष्ण की उस छवि को देखने का मौका मिलेगा, जिसने भारत में हिन्दी रेडियो-नाटकों की विधा को शुरुआत के दौर में एक लोकग्राह्य माध्यम के रूप में स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाई.

जागरूकता के लिए प्रतिबद्ध

राधाकृष्ण की कहानी 'दिमाग' में डॉक्टर ने मरीज का दिमाग निकालकर जार में रख छोड़ा था, बाद में याद आने पर उसे फिर से खोपड़ी में फिट करना चाहता था. मरीज डॉक्टर से कहता है- 'मुझे अब दिमाग की जरूरत नहीं. मैं सरकारी नौकरी में हूं'. जी हां! राधाकृष्ण भी सरकारी सेवा में थे, मगर उन्होंने अपने दिमाग का बेहतर इस्तेमाल सरकारी तरीके से किया. सिनेमा और नाटकों के माध्यम से उन्होंने आम आदमी को अपने तई जागरूक करने की कोशिश की और इसमें वे काफी हद तक सफल भी रहे. एक आम आदमी की जुबान बनकर उन्होंने बड़े तल्ख व्यंग्य लिखे. इसके लिये विविध शिल्पों का प्रयोग उनकी खासियत है. राधाकृष्ण अपने भोले-भाले शब्दों को बगैर किसी बनावटी आवरण के आम लोगों के वाकिये की तरह इस्तेमाल करते हैं. सरकारी फिल्मों-नाटकों, लेखों और गीतों के माध्यम से वे लोगों तक उनके फायदे पहुंचाने वाले हरकारे दिखते हैं, वहीँ उनकी कलम दूसरी ओर स्वछन्द रूप से बड़े-बड़ों का पर्दाफाश करती है. बेलौस और बेख़ौफ़ नजरिया वाले राधाकृष्ण ने आज़ादी की लड़ाई अपने तरीके से लड़ी. गंगाशरण सिंह के साथ क्रान्तिकारी साथियों को रांची में हथियार थमाने, पति-पत्नी के द्वारा क्रन्तिकारियों को पनाह देने से लेकर क्रान्तिकारी लेखन तक का काम करने का सबब उनमें रहा.

सिनेमा का सार्थक प्रयोग

राधाकृष्ण वे पहले व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने तत्कालीन बिहार सूबे में सशक्त जनमाध्यम के रूप में सिनेमा का प्रयोग किया. आज़ादी के बाद तत्कालीन शिक्षा मंत्री आचार्य बदरीनाथ वर्मा से राधाकृष्ण ने जनजागरण के लिए सिनेमा के माध्यम के प्रयोग का अनुरोध किया. तब राज्य सरकार की माली हालत ठीक नहीं थी. फिर भी राधाकृष्ण के सुझावों पर अमल किये जाने का फैसला हुआ. राधाकृष्ण को सरकार के जनसम्पर्क विभाग के लिए फिल्में बनवाने का जिम्मा दिया गया. राधाकृष्ण कोलकाता जाकर फिल्में बनाने वाली कम्पनियों से बात करते हैं. कोलकाता की ओउरोरा फिल्म कंपनी के साथ जनसंपर्क विभाग का डॉक्युमेंटरी फिल्म बनवाने के लिए बात बन जाती है. राधाकृष्ण इसकी पटकथा लिखते हैं. इसका शीर्षक दिया जाता है, 'आदिवासियों का जीवन स्रोत'. इस डॉक्युमेंटरी फिल्म के निर्देशक हैं मशहूर फ़िल्मकार ऋत्विक घटक. सिनेमा के इतिहास का अवलोकन करने से पता चलता है कि 'आदिवासियों का जीवन स्रोत' ऋत्विक घटक की पहली फिल्म है. अपनी आर्थिक मजबूरियों के कारण ऋत्विक घटक ने ओउरोरा फिल्म्स के लिए इस फिल्म को बनाना शायद स्वीकार किया था. इसके तुरंत बाद ही ऋत्विक घटक ने जनसम्पर्क विभाग के लिए दूसरी डॉक्युमेंटरी बनायी, जिसका शीर्षक था- 'बिहार के दर्शनीय स्थल'. इस फिल्म की शूटिंग राजगीर, नालंदा, विक्रमशिला, पटना, वैशाली, बोधगया, रांची सहित कई जगहों पर हुई थी. इसकी भी स्क्रिप्ट राधाकृष्ण ने ही लिखी, जिसे बाद में पटना से प्रकाशित हरिजन सेवक संघ की पत्रिका 'अमृत' के जून 1955के अंक में प्रकाशित किया गया. फिल्मों को लेकर ऋत्विक घटक के छोटानागपुर के जनजातीय क्षेत्रों से जुड़ाव का यह पहला उदाहरण है. बाद में ऋत्विक घटक ने अपनी फिल्म 'अजांत्रिक', 'सुवर्णरेखा', कोमल गंधार' का फिल्मांकन भी छोटानागपुर के जनजातीय इलाकों में किया. 'अजान्त्रिक' फिल्म का फलसफा पूरे विश्व-सिनेमा के लिए एक धरोहर है. इस फलसफे की पूरी पृष्ठभूमि 'आदिवासियों का जीवन स्रोत' की शूटिंग के दौरान ही बनी. ऋत्विक घटक ने अपने संस्मरणों, पत्रों में इसका उल्लेख भी किया है. इसके निर्माण में राधाकृष्ण की बतौर स्क्रिप्ट-राइटर अहम भूमिका रही. बाद में राधाकृष्ण इन डॉक्युमेंटरी फ़िल्मों को अंगरेजी में डब कराने के लिए भी प्रयासरत रहे. रांची में ही रह रहे फिल्मकार हेमेन गांगुली को उन्होंने इन फिल्मों के प्रिंट्स हासिल कराये. अफ़सोस कि हेमेन गांगुली इसकी डबिंग नहीं करा सके और उनके परिवार के लोग भी उन प्रिंटों को संभाल कर नहीं रख सके. आज उन दोनों डॉक्युमेंटरी फ़िल्मों के प्रिंट उपलब्ध नहीं हैं. बाद में जनसम्पर्क विभाग में स्टीनबेक एडिटिंग मशीन लगी और स्वतंत्र रूप से फिल्में बनाई जाने लगीं. इस दौर में राधाकृष्ण ने कई फिल्मों की पटकथा लिखी, जिनपर फ़िल्में बनीं. 'कल जो अछूत थे', 'अधिक अन्न उपजाओ', 'पाताल का मोती', 'मिटटी का सिंगार', 'महाकवि कालिदास', 'जंगल के पंछी', 'पाटलिपुत्र', 'नयी नगरिया', 'राधा का गांव' जैसी उनकी कई पटकथाएं विभिन्न जगहों से प्रकाशित भी हुईं, जिनपर विभाग ने फिल्में बनाई. बिहार-झारखण्ड के गांव-गवईं इलाकों में मोटर-सिनेमा के रुपहले परदों पर ये फिल्में खूब दिखाई गयीं और लोकप्रिय भी हुईं. ग्रामीण इलाकों में आज भी बड़े-बुजुर्गों को ये फिल्में याद हैं. राधाकृष्ण के उपन्यासों और कहानियों पर बम्बइया फिल्में भी बनीं. भले ही उसका क्रेडिट उन्हें नहीं मिल पाया.

चित्रकूट महिमा : सती अनुसूया आश्रम की पावनता

यायावर
डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

चित्रकूट के अनेक दर्शनीय स्थलों में एक है सती अनुसूया का पवित्र आश्रम, जो चित्रकूट के रामघाट से दक्षिण की ओर 10 किलोमीटर पर पावन और प्रकृति की गोद में अवस्थित है. यहां जाने के लिए बस, टेम्पो एवं टैक्सी की सेवाएं उपलब्ध हैं. यह आश्रम अति पावन और प्रकृति की गोद में अवस्थित है. मंदाकिनी नदी के उद्गम स्थल के पास स्थित यह आश्रम चित्रकूट की पहाड़ियों में बसा है, चारों ओर से हरे भरे स्थानों से घिरा हुआ है. यहां पर्याप्त खुला स्थान है, जो इसे ध्यान और परावर्तन के लिए आदर्श स्थल बनाता है. ऐसा माना जाता है कि ऋषि अत्रि ने अपनी पत्नी अनुसूया के साथ यहां ध्यान किया था. इसका स्थान के पवित्र रास्ते और आंगन में शांति का वातावरण बना रहता है, भक्त बिना परेशान हुए शांत वातावरण का आनंद ले सकते हैं और प्रार्थना कर सकते हैं.

आश्रम के अंदर रथ पर सवार भगवान कृष्ण की एक बड़ी प्रतिमा है, जिसके पीछे अर्जुन बैठे हुए हैं. आगे सुंदर कलाकृतियों के साथ और भी मूर्तियां देख सकते हैं, जो पवित्र दर्शन के लिए रखी गई हैं. किंवदंती है कि अपने निर्वासन के दौरान भगवान राम और देवी सीता इस आश्रम में भक्त सती अनुसूया से मिलने आए थे, जिन्होंने सतीत्व के बारे में सीता को ज्ञान दिया था. वाल्मीकि द्वारा लिखी गई एक अन्य कथा में कहा गया है कि एक बार 10 साल तक चित्रकूट में बारिश नहीं हुई थी और इसके लोग गंभीर अकाल से पीड़ित थे, उनके पास खाने या पीने के लिए कुछ भी नहीं बचा था. यह सती अनुसूइया की भक्ति ही थी जिसने मंदाकिनी को पृथ्वी पर ला दिया, इस शहर को फिर से जल से भर दिया और वनस्पतियों और जीवों को एक बार फिर पनपने का अवसर दिया.

यह इस क्षेत्र के सबसे पवित्र स्थानों में से एक है और इसे रचित्रकूट चार धामरू का एक हिस्सा माना जाता है. इस स्थान का नाम इस तथ्य से पड़ा है कि यह महर्षि अत्रि और उनकी पत्नी महासती अनसूया का आश्रम था. उन्हें अपने भक्त, शुद्ध और पवित्र चरित्र के कारण हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथों में महासतियों में से एक माना जाता है. आश्रम खुद ही चारों तरफ से घनी वनस्पतियों और पहाड़ियों से घिरा हुआ है. यह इसे शांति और स्थिरता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, आध्यात्मिक आभा का तो कहना ही क्या, जिसके लिए यह प्रसिद्ध है. महासती अनसूया को उनके पति महर्षि अत्रि और उनके पुत्र दत्तात्रेय के साथ समर्पित एक विशाल मंदिर है. मंदिर के अंदर तीन महान आत्माओं की मूर्तियों के अलावा, सती के जीवन से जुड़े चित्रण हैं जो इसे एक सौंदर्यपूर्ण अपील देते हैं. इसके अलावा, भगवान कृष्ण की एक मूर्ति भी है जिसमें वे रथ पर सवार हैं और उनके पीछे अर्जुन बैठे हैं. महिलाओं को अक्सर मंदिर की परिक्रमा करते और सभी समय की सबसे शुद्ध आत्मा-महासती अनसूया को अपना सम्मान देते हुए देखा जा सकता है.

आज भी यहां पर्वत श्रेणी के गर्भ से अनेक जल स्रोत निर्झरित होते रहते हैं, जो एक कुण्ड में विलीन होकर आगे मंदाकिनी नदी के रूप में प्रवाहित होते हैं. भगवान राम अपनी भार्या सीता के साथ यहां अत्रि-अनुसूया के दर्शन के लिए आये थे. तब अनुसूया जी ने सीता को पातिव्रत धर्म और सतीत्व का महत्व बताया था. सीता जी नारी धर्म के उपदेश को सुनकर परम प्रसन्न हुईं-

सुनि जानकी परम सुख पावा.
सादर तासु चरन सिर नावा.

अस्तु, अनुसूया आश्रम की पावनता और पुनीतता असीम और अद्वितीय है.

नर्क को नफ़रत का सहारा

नश्तर
सुधीर राघव

स्वर्ग में कोई धर्म नहीं होता. वहां प्रार्थना, भजन, कीर्तन, नमाज कुछ नहीं होता. स्वर्ग में सबकी आस्था प्रेम, प्रकृति, पर्यावरण और नियम में होती है. यही चार गुण हैं, जो किसी भी जगह को स्वर्ग बना सकते हैं. इसलिए स्वर्ग को किसी ईश्वर की जरूरत नहीं होती. प्रेम में आस्था रखने वाला स्वर्ग का हर वाशिंदा खुद ईश्वर तुल्य देवता होता है. फ़रिश्ता होता है. दूसरी ओर नर्क में हजारों धर्म हैं. दस नये धर्म रोज पैदा होते हैं. वहां सबका ईश्वर अलग-अलग है. सबकी आस्था अलग अलग है. सब अपने ईश्वर को दूसरे के ईश्वर से ज्यादा महान बताते हैं. नर्क में हर धर्म को दूसरे धर्म से खतरा है. सबको लगता है कि उनका धर्म खतरे में है, उसे बचाने के लिए लड़ना जरूरी है. नर्क में सिर्फ नफ़रत है. इसलिए सब एक दूसरे से लड़ रहे हैं. एक-दूसरे को मारने के लिए उन्होंने बम, बंदूकें, टैंक, मिसाइलें और ड्रोन बनाए हैं. वहां हर तरफ जंग मची है. बम, बंदूक और मिसाइलें चल रही हैं. लोग मर रहे हैं. प्रकृति और पर्यावरण दोनों को तबाह किया जा रहा है. इस तरह कुछ वाशिंदों ने धर्म का इस्तेमाल अपनी दुनिया को नर्क बनाने में किया है. यह सब देखकर नर्क के सारे ईश्वर भी अपराधबोध से दब गए हैं. वे कहीं दूर जाकर छुप गए हैं. एक भी सामने नहीं आता. नफ़रत से भरे नर्क को बनाने का क्रेडिट कोई नहीं लेना चाहता. नर्क सिर्फ नफ़रत की ताकत से चलता है.

स्वर्ग में नया सूर्योदय हो रहा है. सब सूर्य का सम्मान कर रहे हैं. स्वर्ग में स्वच्छ निर्मल जल बह रहा है. सब जल के प्रति विनम्र हैं. उसकी स्वच्छता का ध्यान रखते हैं. स्वर्ग के पेड़-पौधे और लताएं फल और फूलों से लदी हैं. सब वनस्पतियों के कृतज्ञ हैं. उनके फलने फूलने में सहयोग करते हैं. स्वर्ग वन जीवों से जीवंत हैं. सब जीवों पर दया करते हैं. स्वर्ग के आवास खुले, सुंदर और हवादार हैं. सब गीला और सूखा कचरा ठीक से निष्पादित करते हैं. इसलिए वहां हर आवास एक मंदिर है. स्वर्ग में हर मौसम अपने समय पर आता है. वहां का पर्यावरण संतुलित है. स्वर्ग में सब एक-दूसरे के साथ प्रेम से रहते हैं. उनके पास आपस में लड़ने की कोई वजह नहीं है.

नर्क में सब एक-दूसरे से लड़ रहे हैं. आपस में लड़ने के लिए उनके पास बहुत सी वजहें हैं. वे ईश्वर के नाम पर लड़ रहे हैं. वे धर्म के लिए लड़ रहे हैं. वे जाति पर लड़ रहे हैं. वे भाषा और राष्ट्र के नाम पर लड़ रहे हैं. वे जमीन के लिए लड़ रहे हैं. पैसे के लिए लड़ रहे हैं. शराब, शबाव, भोजन, पानी ... नर्क के वाशिंदे हर चीज के लिए लड़ रहे हैं. सबके सब नफ़रत से भरे हैं. असल में नर्क होता नहीं है, नर्क बनाया जाता है, प्रकृति और पर्यावरण से छेड़छाड़ करके, हर दिल में नफ़रत भरके. अलग-अलग धर्म, अलग-अलग ईश्वर, जातीय भेदभाव, झूठा राष्ट्रवाद और नियमों का न मानने वाले पैसे और हवस के अंधे वाशिंदे किसी भी दुनिया को नर्क बना सकते हैं.

दिलीप टोप्पो की कलाकृतियों में झारखंड की संस्कृति

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

कला कलाकार के अंतः और बाह्य जगत की एक विराट यात्रा है, जिसमें वह अपने लक्ष्य को पाने की अविराम चेष्टा करता है. कहा जाता है कि एक कलाकार जीवन भर एक ही कृति पर कार्य करता है. एक ही कृति पर कार्य करना बड़ा कठिन है, लेकिन दिलीप टोप्पो जैसे कलाकार लंबे समय से एक विषय को लेकर कार्य कर रहे हैं और इनकी आधुनिक मूर्तिशिल्पियों ने सृजन की कई संभावनाओं को जन्म दिया. इन्होंने मूर्तिकला के विकास में अपना योगदान ही नहीं दिया, बल्कि युवा पीढ़ी को एक नई दिशा दी. दिलीप कुमार टोप्पो ने बीएचयू से बीएफए और एमएफए करने के बाद निरंतर झारखंड की संस्कृति पर मूर्ति शिल्प का कार्य कर रहे हैं. कोई भी कलाकार अपने समाज और आस पास के वातावरण के प्रति निष्ठावान होता है. सामाजिक परिवर्तन के साथ ही उसकी अभिव्यक्ति में भी नवीनता आ जाती है, जिसका प्रमाण इनकी अद्भुत कलाकृतियां हैं. इनकी कलाकृतियों की अपनी भाषा होती है. हम जो शब्दों द्वारा नहीं कह सकते, उसे दिलीप कुमार टोप्पो जैसे कलाकार अपनी कलाकृतियों के माध्यम से अधिक प्रभावशाली तरीके कह सकते हैं, यही वजह है कि इन्हें अपनी समाज की संस्कृति से भावी पीढ़ी को अवगत कराने में इन्हें अपनी कला के माध्यम से रखने में सुविधा होती है. ये अपनी कलाकृतियों के माध्यम से ही अपने समाज की मिटती परंपराओं को भी मूर्त रूप देने की कोशिश करते हैं. इनके मूर्तिशिल्प में अमूर्तन की अभिव्यक्ति दिखती है. मानव को जिंदा रहने के लिए हवा की आवश्यकता होती है और हवा वृक्ष व पौधे के जरिये प्राप्त होती है. झारखंडी समाज इन वृक्षों को पूजता है और पर्यावरण की रक्षा भी करता है. भादो एकादशी में

हर वर्ष झारखंड में मनाया जाने वाला करम पर्व केवल एक पर्व नहीं है, बल्कि खुद में परंपरा, इतिहास और सभ्यता की बारीकियों को समेटे हुए हैं. जनजातीय संस्कृति के जितने भी त्योहार हैं, वे मनुष्य का प्रकृति के साथ, प्रकृति का समाज के साथ और इन तीनों का एक-दूसरे के साथ अन्योन्याश्रय संबंध की ओर इंगित करते हैं. वस्तुतः यह प्रकृति और वृक्ष से भावनात्मक व आध्यात्मिक जुड़ाव का पर्व है. इस त्योहार में युवतियां बालू से भरी अपनी-अपनी टोकरी में बड़े ही नेक नियम से धान, मकई, मडुआ, गोंदली, कुरथी, उड़द बालू के साथ मिला देती हैं, जिसे जावा कहते हैं. कई दिनों के बाद ये बीज रूप में डाले गये दाने अंकुरित होकर लहलहाने लगती हैं. यही लहलहाती पौधे सृष्टि की निरंतरता में बीज की महत्ता को बतलाती है. इसी से प्रेरित होकर दिलीप कुमार टोप्पो ने इसे अपनी कला का विषय बनाया. बड़ी ही सुंदरता के साथ ये

प्रकृति और जीवन की इस लयबद्धता को पत्थरों पर उकेरते हैं. इसी कलाकृतियों ने ही इसे समाज में अलग पहचान दी. बीएचयू वाराणसी, श्रीनगर, उदयपुर, भारत भवन, भोपाल, पटना, नेशनल ललित कला अकादमी भोपाल, ललितकला अकादमी राजस्थान, रामदयाल मुंडा कला भवन रांची आदि स्थानों में इनकी कलाकृतियों की प्रदर्शनी लग चुकी है और इन्हें

सम्मानित भी किया चुका है. 2005 में इन्हें झारखंड सरकार की ओर से पुरस्कृत भी किया गया है.

आखर

डॉ. विद्याभूषण

भाषा की अंगीठी पर राख की परत

बेशक यह एक ऐसा दौर है जब हिन्दी आगे बढ़ रही है. वह बाजार की जरूरतों के हिसाब से अभिव्यक्ति के अंदाज बदल रही है, विविध स्रोतों से ऊर्जा लेती हुई समृद्ध हो रही है. तो भी मीडिया के रेशमी अंधेरे से भ्रमित होने की बजाए बुनियाद की सख्त जमीन पर उगे ओयेसिस को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. विज्ञापनों में किसिम-किसिम की हिन्दी के मनभावन इस्तेमाल होने से उपभोक्ता बाजार की निर्माता कंपनियों का सिक्का भले चल निकला हो, लेकिन हिन्दी का पहिया जाम का शिकार होता दिखता है. हिन्दी के नए भूगोल, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र की नई प्राप्तियों पर यथेष्ट ध्यान देते हुए भी हिन्दी के मानकीकरण पर काम करने का समय आ गया है.

की - बोर्ड का मानकीकरण

यहां पहुंच कर लिपि का सवाल अहम हो जाता है. अगर हिन्दी को सिर्फ संवाद और बाजार की भाषा बन कर संतुष्ट नहीं रहना है और सूचना महामार्ग के साथ ज्ञान-विज्ञान की समर्थ भाषा के रूप में भी अपनी पहचान बनानी है तो उसकी संरचना को स्वस्थ और प्रदूषणमुक्त रखने की जरूरत की अनदेखी हरगिज नहीं हो सकती. और यह मंजिल सिर्फ शब्द संपदा के विस्तार से नहीं मिल सकती, वाक्य रचना और सूक्तियों की लचीली लय से भी वह हासिल नहीं होगी. उसके लिए देवनागरी लिपि का अपेक्षित परिष्कार, कंप्यूटर के की बोर्ड का मानकीकरण और वर्तनी की समरूपता एक अनिवार्य पहलू बन गयी है. तो आइये, इस मसले पर दो-चार बातें और कर लें.

काफी नहीं शाखाओं और फुनगियों पर कब्जा

इन दिनों, बल्कि पिछले कुछ समय से, हिन्दी को मीडिया के माथे पर चमकती हुई बिन्दी की सनद मिल रही है. भारतीय भाषाओं के समाचार पत्रों के बीच हिन्दी अखबारों की प्रसार संख्या बेजोड़ बनती हुई दिख रही है. बेशक हिन्दी पाठकों की कतार शिखर यात्रा की ओर अग्रसर है. इसी तरह न्यूज और इंटरटेनमेंट चैनलों के बाजार में लोकप्रियता के लिहाज से हिन्दी अन्य प्रतियोगियों से आगे चल रही है. ऑडियो मीडिया में एफएम चैनलों की बहुरंगी प्रस्तुतियों ने आकाशवाणी की पारंपरिक एकरसता को तोड़ते हुए मील के नये पत्थर खड़े किये हैं. यानी चहुंओर हिन्दी के प्रभामंडल का विस्तार हो रहा है. लेकिन कोई बड़ी भाषा सिर्फ भाव-अभिव्यक्ति का साधन भर रह कर समृद्ध नहीं हो सकती. यह काम तो हजारों बोलियां और उपभाषाएं पूरी दुनिया में भलीभांति कर रही हैं. आज के समय में हर भाषा की समृद्धि और सामर्थ्य की कसौटी है. ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी शिक्षा का माध्यम बनने की चुनौती है. जिस अंग्रेजी को हिन्दी का मुख्य प्रतियोगी मानते हुए इस देश में तरह-तरह की उपमाओं-रूपकों से नवाजा जाता है, वह सिर्फ अपनी शब्द संपदा या वाक्य भंगिमा के बूते टक्कर नहीं दे रही. वास्तव में विज्ञान और तकनीक की शिक्षा की माध्यम भाषा के रूप में उसकी प्रामाणिकता और प्रासंगिकता बेमिसाल है. बेशक अब इस चुनौती की काट खोजने में हिन्दी की संपूर्ण ऊर्जा खपनी चाहिए. आज तक शाखाओं और फुनगियों पर कब्जे की लड़ाई में मशगूल रहे हम सब, अब उसकी बुनियाद पर वर्चस्व के लिए कृतसंकल्प होना है. भाषा मानकीकरण के सवाल पर विकल्पहीन नहीं है यह दुनिया. अंग्रेजी की अनिवार्यता के बारे में कई एशियाई देशों के अनुभव अलग हैं. संयुक्त राष्ट्रसंघ और यूरोपीय संघ के संचालन में भी अंग्रेजी कोई अनिवार्य कड़ी नहीं बनी. इसी तरह भारतीय संघ को जोड़ने वाली अकेली कड़ी भी वह नहीं है.

जरूरी है देवनागरी के की-बोर्ड का मानकीकरण

सूचना क्रान्ति के मौजूदा दौर में कम्प्यूटर और इंटरनेट के सर्वग्रासी तंत्र में रोमन का एकाधिकार देवनागरी लिपि में यूनीकोड के आने से परिसीमित हुआ है. बेशक हिन्दी के तकनीकी उपयोग में आती रही सबसे कड़ी अड़चन दूर हो चुकी है और हिन्दी की हैसियत ज्ञान केन्द्रों में ऊंची हुई है. लेकिन इतने से हिन्दी या उसकी लिपि की कठिनाइयों का अन्त नहीं हुआ है. कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने वाले हर शख्स की सबसे बड़ी समस्या यह है कि देवनागरी का अभी तक कोई मानक की-बोर्ड नहीं बन पाया है. याद कीजिये कि दुनिया भर में अंग्रेरजी भाषा के लिए एक ही की-बोर्ड है. आप चाहे जिस सॉफ्टवेयर या फांट पर काम कर रहे हों, वर्णमाला के हर अक्षर के लिए एक नियत बटन है. हर जगह की-बोर्ड की बीच की पंक्ति में "ए" सबसे बाईं ओर मिलेगा. हिन्दी में अराजकता का हाल यह है कि हर फांट के साथ यहां की-बोर्ड बदल जाता है. अगर आप आक्रुति की बोर्ड के रेमिंगटन लेआउट में काम कर रहे हों तो मध्य पंक्ति में तीसरे बटन पर "क" मिलेगा, लेकिन यदि फोनेटिक लेआउट पर काम कर रहे हों तो उस तीसरे बटन पर "अ" मिलेगा. फांट चुनने में भी ऐसी मुश्किलें अक्सर सामने आती हैं. समाहार के बतौर कहा जा सकता है कि देवनागरी के की-बोर्ड के मानकीकरण के बिना इंटरनेट पर हिन्दी सहज गति से नहीं चल पायेगी, न ई मेल के लिए उसका भरपूर इस्तेमाल हो पायेगा. इसी तरह की एक विसंगति यह भी है कि अब तक हिन्दी की वर्तनी जांच के लिए स्पेल चेक जैसा कोई सॉफ्टवेयर विकसित नहीं हुआ.

हाउस लैंग्वेज के नाम पर चूक

दूसरी ओर नजर डालें तो प्रिंट मीडिया या पुस्तक संसार में व्याकरणिक शुद्धता तो शायद बड़ी बात है, सही शब्द या वाक्य लिखने का आग्रह भी नहीं दिखता. हाउस लैंग्वेज के नाम पर अलग-अलग पत्र समूह एक ही शब्द के कई रूपों का प्रयोग करते हैं. जनसत्ता या इंडिया टुडे जैसी पत्र-पत्रिकाएं पढ़ते हुए यह भिन्नता पकड़ में आती है. अनुस्वार, चन्द्रबिन्दु, हलन्त, ह्रस्व इ या दीर्घ ई जैसे कई ध्वनि चिह्नों का उपयोग तकनीकी सुविधा के नाम पर जितने रूपों में प्रचलित हो गया है, उससे भ्रम और अनर्थ की स्थिति बन जाती है. जैसे-हंस, हंसमुख, वास्ते के अर्थवाला "लिए" या "लिया" का का तिर्यक रूप "लिये". चिन्ता की बात यह है कि अभी भी कई अक्षर दो रूपों में लिखे जाते हैं. जैसे - ट वर्गी ण, तालव्य श, अ, झा, ल और र. र को चार रूपों में लिखा जाता है. शब्दों के लिखित रूप में इन्हें देखना हो तो गुर्जर, वज्र, राष्ट्र और राज्य शब्दों पर दृष्टि डाली जा सकती है. विराम के दो रूप आज भी प्रचलित हैं. जैसे . तथा यानी बिन्दु या खड़ी पाई. उलझन की बात यह भी है कि इ और ई का लेखन भी हर जगह उनके उच्चारण क्रम के अनुसार नहीं होता. इसी तरह यह भी तय हो जाना जरूरी है कि श्र, ज्ञ, द्य जैसे संयुक्ताक्षर प्रचलित रहें या उनकी जगह हलन्त की सहायता से उन्हें विश्लिष्ट करते हुए लिखा जाये. इसी तरह जरूरी है कि अनुस्वार के सम्बन्ध में सुनिश्चित किया जाये कि उसे अर्द्ध म् पढ़ा जाये या अर्द्ध न्. संबंध में पहला अनुस्वार अर्द्ध म् है तो दूसरा अनुस्वार अर्द्ध न्. समग्रता में देखें तो कहना होगा कि देवनागरी के ध्वनिचिह्नों के विकास की कहानी कहती है कि उसने अपने को समय के साथ गतिशील रखा है और अभिव्यक्ति की जरूरतों के अनुरूप परिवर्तन की संरचनाएं देती आयी है. फिलहाल, भाषा की तपती अंगीठी पर बिछी राख की सांवली-सफेद परत को सप्तपर्णी बनाने का समय सामने है.

प्रेम रंजन अनिमेष की दो कविताएं

प्रेम रंजन अनिमेष

प्रेमरंजन अनिमेष की नाम साहित्य में किसी परिचय का मोहताज नहीं. पिछले तीन दशकों से लेखन कर रहे अनिमेष जी की कई लंबी कविताएं बहुत चर्चित रही हैं. पेश है हिंदी दिवस पर उनकी दो कविताएं...

बिना जड़ों की पौध नयी

हम छुटपन से
हुए बड़े
घर पर बोलते अपनी
देसी बोली
विद्यालय महाविद्यालय में
देशभाषा हिन्दी
अब अपने
काम की जगह
अंग्रेजी में
देशसेवा कर रहे.

बच्चे हमारे
सुनते हमें
हंसते मुसकुराते
बोली बानी
समझ तो लेते
लेकिन उससे
जुड़ नहीं पाते.

घर पर अकसर वे
हिन्दी बोलते बतियाते
भेजा भी उन्हें
हिन्दी माध्यम विद्यालय में
यह और बात कि
हिन्दी भी वहां हिन्दी में पूरी
पढ़ायी नहीं जाती.

इस होनहार समय
विकासमान देश में
सब कुछ कारगर
हो रहा अंग्रेजी में
नीति न्याय अनुसंधान
शिक्षण शासन प्रशासन
बाजार व्यापार प्रबंधन.

इसलिए वंचित निर्धन भी
पेट काट कर चाहते
पढ़ाना अपने बच्चों को
अंग्रेजी माध्यम से
कि आम और खास जगह पर
काबिज हो सकें
वर्चस्व उनका बने.

हिन्दी तो आती बाद में
मूल में कहां आभार की तरह
अकसर अनुवाद में
संवाद में भी कब
यदा कदा वाद विवाद में.

अकाम यानी
आजादी के अमृत
महोत्सव वर्ष के पार भी
नौकरी और रोजगार की
सामर्थ्य व अधिकार की
वरीय वरेण्य जुबान अंग्रेजी ही.

ऐसा है कि
काम और कामयाबी की
राह अंग्रेजी
तो पढ़ाई भी उसमें ही
करने से चाहिए थी
होनी आसानी
मुकाम पाने में सही
बल्कि चाकरी चल कर आनी
लाजिमी मिल जानी
पढ़ते-पढ़ते ही
अंग्रेजी में पढ़ रहे
पूर्ण समर्पितों के वास्ते.

पर मर मर कर पढ़ने वाले
जानते कि होड़ आपाधापी मारामारी
गलाकाट प्रतिस्पर्धा कितनी
अधिक पहले से
ढंग का कोई काम पाने में.

इस बीच अवतरित हुई
जो पीढ़ी सबसे नयी
वह दूर और भी
अपनी जड़ों से
और मिट्टी से
इतनी कि न बोली जानती
न पहचानती भाषा ही अपनी.

यह कितना अजब
कि नये जायों को अब
पालने से ही दी जा रही
मांबोली मातृभाषा मातृपय नहीं
वरन परभाषा की
संजीवन बूटी जीवन घुट्टी
कि जल्मना बनें सयाने.

शुरू से पाएं सहज अपनायें
परिवेश पराए
उपनिवेशवादियों साम्राज्यवादियों के
तौर तरीके.

इस महत आकांक्षा में संभवतः
कि शुरू से इस तरह
पराधीन संस्कार बसाने से
शासकों की गुदड़ी ओढ़ने बिछाने से.

घर तक चल कर
आ जायेगा बाजार
और काम का आगार
खुलेंगे अवसरों के द्वार
देहरी पर होगा संसार.

अंदेशा है तो यही
कि दुनिया हासिल करने
समूचे विश्व की आस में
हाथ से
निकल न जाये
देश कहीं...

निर्भय सविनय अवज्ञा

हमारे आधिकारिक पन्नों में
चोर दरवाजे से
घुसी भाषा दूसरे पायदान की
जो बनने को आमादा पहली.

कोई कहे इसलिए
कि है वह विश्वभाषा
तो मैं करना चाहूंगा
निर्भय सविनय अवज्ञा.

पूरी दुनिया की भाषा तो है
(नहीं तो होनी चाहिए)
प्रेम और करुणा
और सच यह भी
कि वह अपनी सोंधी
मिट्टी की भाषा में जितनी
सच सपने और सोच सींचती
सारी दुनिया को राह दिखाती
उतनी किसी और में नहीं.

गयी सदी के
सन बयालीस में
जब नारा दिया हमने
' अंग्रेजो भारत छोड़ो '
तो क्या वह आह्वान
था केवल उनकी गोरी
ठठरी चमड़ी के लिए ही
कि बस वे
अपनी काया लिये
यहां से
चले जायें
छाया छोड़े अपनी हर जगह ?

यह प्रश्न इसलिए ज्वलन्त
क्योंकि भाषा समेत
और कई स्तरों पर उन्हें
जिंदा रखा हुआ हमने
अपने से अधिक और पहले
नित संरक्षित संपोषित
संवर्द्धित करते.

इसलिए नहीं
कि वह भाषा विश्व की
बल्कि इस कारण
कि अब तक वही
वास्क सत्ता व्यवस्था प्रभुता
और वर्चस्व की.

सर्वप्रेम और संवेदना की
भाषा अपनी हिन्दी

सब धाराओं
नदियों को सारी
और हृदय की
भाषाओं को सभी
जोड़ती जुड़ाती
सब तक पहुंचाती.

समाज देश और विश्व
पूरी मानवता
संपूर्ण प्रकृति प्राणीयता को
साथ लाती संग मिलाती
सिरजती सहेजती संभालती संवारती.

अपनी हिन्दी
सबकी हिन्दी

सबसे निराली
अमृतपय की
अक्षय प्याली...

कविताएं

मुझे हिंदी दिखाई देती है

वीना श्रीवास्तव

मैं हिंदी को देख सकती हूं

उन बच्चों की आंखों में
जो खिल उठती हैं
एक रोटी देखकर
लेकिन नहीं दिखाई देती
शिनचैन देखते हुए बच्चों की
गोल-गोल आंखों में.

मुझे हिंदी दिखाई देती है
बुरांश का शरबत पीती हुई
उस पहाड़न में
जो झुर्री वाले चेहरे से
लकीरों को गिनते हुए
बताती है अपने अनुभव
लेकिन नहीं दिखती
उन आंखों में
जिनके हाथों में होते हैं
व्हिस्की के गिलास.

मुझे हिंदी दिखाई देती है
पतल बनाती जमुनी के हाथों में
दातुन बेचती करमी के आंखों में
लेकिन नहीं दिखाई देती

सभ्यता की आधुनिकतम सीढ़ियां चढ़ती
तमाम समझौते के साथ
किसी भी कीमत पर आगे बढ़ने वाली
महिलाओं की आंखों में.

मुझे हिंदी दिखाई देती है
चुनाव से पहले
हाथ जोड़ कर वोट मांगने वाले
नेताओं की याचिका में
नहीं दिखाई देती
जीतने के बाद खुफिया हंसी वाले
हाथ जोड़े मंत्री के अंदाज में.

मुझे हिंदी दिखाई देती है
हृदय की अनंत गहराइयों में
जो मौन होकर भी
पढ़ लेती है गूंगे भावों को
मेरे सपनों की मचान
खिलती है हिंदी में
सोच की दुकान
पलती है हिंदी में
मेरी इंद्रियां जागृत होती हैं
केवल हिंदी में.

हिंदी जन-जन की

डॉ माया प्रसाद

करते हैं जिसको हम हिंदी
जन-जन की प्यारी बोली है,
ममता समता के भावों की
यह सुंदर सहज रंगोली है.
देसिल बयना में लिखी हुई यह
मैथिल कोकिल की बानी है.
तुलसी के मानस में संचित
रघुकुल की अमर कहानी है.
नाविक के तीरों से बेधक
दोहरे बिहारी के गुन लो.
जो कान पियासे हो मितवा
तुम घनानंद के पद सुन लो.
यह करधा दास कबीरे का
अनगिन संतों की टोली है.
करते हैं जिसको हम हिंदी
जन-जन की प्यारी बोली है.
इस विजयी विश्व तिरंगे का
जयगान संजोती है हिंदी
गांधी-सुभाष के सपनों का
इतिहास संजोती है हिंदी.
आसेतु हिमालय तक फैली
हिंदी की वत्सल छाया है,
यह संविधान सम्मत भाषा
जनमानस का सरमाया है.
हितकारी गंगा जमुन सम है
सद्भावों की यह झोली है.

हिन्दी चमक रही है

नीरज नीर

भारत के अंबर पर देखो
सूर्य सी हिन्दी चमक रही है,
भारती के सुंदर उपवन में
सुगंध बनकर महक रही है.
प्रांत-प्रांतर का सेतुबंधन
सरल, सर्वजन, सर्वप्रिय है
दक्षिण से उत्तर, पूर्व-पश्चिम
दम दम दम दम दमक रही है.
संस्कारों की वाहक हिन्दी
भाषाओं में है यह गंगा,
प्रगति पथ पर नित आरूढ़ है
नव ऊष्मा से चहक रही है.
मान लिया सम्पूर्ण विश्व ने
हिन्दी भाषा समर्थ सक्षम,
भारत के जन जन की प्यारी
उन्नति पथ पर अथक रही है.

तब सुनो ओ हिन्दी

सारिका भूषण

जब करना पड़े
न कोई दिखावा
न हो बनावटीपन
न रहे कृत्रिमता
न रहे औपचारिकता
तुम्हारे अस्तित्व को लेकर
तब सुनो ओ हिन्दी!
तुम सहज ही
जन-मन में आ जाना.

जब करना पड़े
न कोई संघर्ष
भावी पीढ़ी स्वीकारे सहर्ष
पढ़े तुम्हारा इतिहास
गौरवपूर्ण रहा जो विकास
हर भाषा, हर साहित्य में
तुम शिरोधार्य बनो बिंदी
तब सुनो ओ हिन्दी!
तुम सहज जी
जन-मन में समा जाना.

जब करना पड़े
न कोई शोरगुल
संविधान में बजे बिगुल
राष्ट्र की बढ़े सुंदरता
माटी से जो तुम्हारा रिश्ता
पूरे विश्व, देश-प्रदेश में
तुम आवाज़ बन जब उठो
तब सुनो ओ हिन्दी!
तुम सहज ही
विजय पताका फहरा जाना.

रिझाऊं कैसे ?

अनिता रश्मि

हिंदी की बिंदी
आज विश्व भाल पर
सज रही
चमक रही
चमचम, दमदम !
हैं तकते सब
बड़ी हसरत से
इसकी ओर.
जोड़ रही हिंदी
विदेश को
अपनी मधुरिमा औ
उदारता से
लेकर चलती
हर भाषा, बोली को भी
संग अपने,
खींच रही इसी
अपनेपन की डोर से
परायों को भी.
सुदूर विदेश से आया
एक हिंदी भक्त बुल्के
यूं ही नहीं कहता रहा
ताउम्र महारानी इसे,
दोनों के बीच
था रिश्ता अनोखा.
बस अपने ही रहते हैं
न जाने क्यों
रूठे-रूठे से
समझ नहीं पा रही
हिंदी की बिंदी,
उन्हें समझाऊं कैसे?
मनाऊं कैसे?
रिझाऊं कैसे?

हिंदी हमारी पहचान

वीणा नंदिनी

लिखें हिंदी पढ़ें हिंदी उठाया देश को हिंदी.
सुनें हिंदी कहें हिंदी सजाया वेश को हिंदी.
चराचर सृष्टि में सम्मान है अविरल सदा इसको
करें संवाद भावों से लुभाया प्रदेश को हिंदी.
निछावर राष्ट्र पर करती चहकती नित्य धरणी में
सहोदर बन मचलती फिर बचाया कोश को हिंदी.
प्रभावित आज दुनिया फिर उड़ेले प्यार मोहित कर
समुंदर बन निखरती फिर निभाया जोश को हिंदी.
निरादर राज भाषा बन सहे निज भूमि में भाषा
सहायक बन खनकती अब अघाया वंश को हिंदी.
पुरातन काल से पहचान लोगों में सदा इसकी
कहे वीणा चहकती यूं भगाया क्लेश को हिंदी.

बहता नीर

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

देवनागरी के दरिया का उछाल हिन्दी है,
मातृभूमि का चमकता ऊंचा भाल हिन्दी है.
संस्कृत की बेटी, सरल, सरिता, बहता नीर है,
मोतियों की वर्णमाला छंद ही जागीर है,
धूप, दीप, घंटी, आरती का थाल हिन्दी है,
सृष्टि का संगीत, होली का गुलाल हिन्दी है.
देवनागरी के दरिया का उछाल हिन्दी है,
मातृभूमि का चमकता ऊंचा भाल हिन्दी है.
कीर्तिमान हिन्दी के तिरंगे की उड़ानों में,
खेत के किसानों, सीमा पर डटे जवानों में,
गांव की गली में बच्चों का धमाल हिन्दी है,
नून - तेल, साग - भात, हल - कुदाल हिन्दी है.
देवनागरी के दरिया का उछाल हिन्दी है,
मातृभूमि का चमकता ऊंचा भाल हिन्दी है.
बोलूं सीना तान हिन्दी मेरा अभिमान है,
मुझे प्यारा हिंद देश हिन्दी मेरी जान है,
दिल में भावनाओं का उठा भुचाल हिन्दी है,
प्रेम, अमन, एकता की पुरवा ढाल हिन्दी है.
देवनागरी के दरिया का उछाल हिन्दी है,
मातृभूमि का चमकता ऊंचा भाल हिन्दी है.

अंग्रेज़ी भारत छोड़ो

चारुमित्रा

अंग्रेजी का दुशाला ओढ़कर
खड़ी है हिंदी
दुशाले की कशीदाकारी
आकर्षित करती है
वैसे ही
जैसे हिंदी में अंग्रेज़ी
का प्रयोग करनेवाले
अपनी वर्तनी की
शुद्धता पर इतराते हैं
लगता है अब
हिंदी को बचाने के लिए
"अंग्रेज़ों भारत छोड़ो" की तरह
"अंग्रेज़ी भारत छोड़ो" का
नारा लगाना पड़ेगा
हिन्दी की मातृसत्ता को बचाने के लिए
अंग्रेज़ी को भगाना पड़ेगा.

हम हिंदुस्तानी

नंदा पाण्डेय

सीना ठोक कर कहते हैं
कि हम हिंदुस्तानी हैं फिर बोलने में हिंदी
क्यों हरदम शरमाते हैं कैसे भुल जाते हैं
कि हम हिंदुस्तानी हैं.
कर देते हैं हिंदी को रोगग्रस्त
मिलाकर उसमें अंग्रेज़ी
जीते हैं दोहरे व्यक्तित्व के साथ
और भूल जाते हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं.
क्यों नहीं समझते कि
कैसे होगा उत्थान हिंद देश का
जब दुर्बल होगा इसका आधार
लेकर आज दृढ़ यह विश्वास
कि हिंदी ही है हमारा आधार
आओ हर हृदय में
हिंदी-प्रेम प्रज्वलित करें
हिंदुस्तान से प्रेम असीमित करें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

फाइनल डेब्यू में अविनाश नौवां स्थान पर रहे

बेल्जियम। ब्रुसेल्स में अपने डायमंड लीग फाइनल डेब्यू में भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने बाउडौइन स्टेडियम में 3000 मीटर स्टीपलचेज में नौवां स्थान प्राप्त किया. इसके लिए अविनाश ने 8:17.9 सेकेंड का समय लिया. वहीं, केन्या के अमोस सेरेम ने मोरक्को के पेरिस ओलंपिक चैंपियन सौफियान एल बक्काली को हराकर 8:06.90 सेकेंड का समय लेकर डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया.दौड़ की शुरुआत में, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले खिताब के लिए चुनौती देने की स्थिति में दिखाई नहीं दिए, क्योंकि वह दस धावकों के समूह में अंत में थे.

यह चुनौती अब बहुत कठिन है : पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है

कि रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाला टी20 सीरीज का निर्णायक मैच बेहद रोमांचक होगा. इंग्लैंड ने कार्डिफ में खेले गए दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है. स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पर पोंटिंग ने कहा, "अब यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण है. सीरीज 1-1 की बराबरी पर है और यह ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड है. मुझे परवाह नहीं है कि यह कौन सा मैच है, आप श्रृंखला जीतना चाहते हैं.

बल्लेबाजी के लिए अधिक समय मिला है: लिविंगस्टोन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन ने

अपने 50वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच को यादगार बनाते हुए 47 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली और मेजबान टीम को कार्डिफ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में बराबरी हासिल करने में अहम भूमिका निभाई. खेल समाप्त होने के बाद, लिविंगस्टोन ने अपनी वीरता का श्रेय बल्लेबाजी क्रम में ऊपर जाने को दिया, जिससे उन्हें अधिक जिम्मेदारी मिली और गेंदबाजों पर कहर ढाने का समय मिला. "क्रम में ऊपर जाना अच्छा रहा, इससे मुझे थोड़ी अधिक जिम्मेदारी मिली और बल्लेबाजी के लिए अधिक समय मिला. मैं जिम्मेदारी का आनंद लेता हूं. छठे या सातवें नंबर पर आना आसान नहीं है, लय में आना मुश्किल है, इसलिए क्रम में ऊपर जाना अच्छा रहा.''' उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मैं बल्ले और गेंद से अच्छी फॉर्म में हूं."

भारत के नए गेंदबाजी कोच के रूप में कार्यभार संभाला पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल, कहा

भारतीय गेंदबाजों के पेशेवर रवैये से वाकई हैरान हूं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के नए गेंदबाजी कोच के रूप में कार्यभार संभालने के बाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल उत्साहित हैं. वे भारत के अनुभवी और युवा तेज गेंदबाजों की लाइन-लेंथ और सटीक गेंदबाजी से काफी प्रभावित नजर आ रहे हैं. बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज उनका टीम इंडिया के साथ पहला असाइनमेंट होगा. वो प्रैक्टिस सेशन के पहले दिन भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन से काफी हैरान हैं. चेन्नई में पहला टेस्ट 23 सितंबर और दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से खेला जाएगा. भारत और बांग्लादेश के बीच दोनों मैच चल रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा हैं, जहां भारत 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर है.

मोर्ने मोर्कल ने बीसीसीआई टीवी पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, "आज का लक्ष्य खिलाड़ियों, उनकी ताकत, उनकी कमजोरियों को समझना और आगामी सीरीज के लिए लक्ष्य निर्धारित करना था. खिलाड़ियों ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया. मैं इस बात से हैरान था कि उन्होंने किस तरह से काम किया, वे कितने पेशेवर थे. इसलिए यह एक अच्छा संकेत है और उम्मीद है कि हम इस पर काम कर पाएंगे." तीनों प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने के 12 साल के अनुभव के साथ यह पूर्व तेज गेंदबाज भारत के गेंदबाजी कोच के रूप में नई सफलता हासिल करने के लिए तैयार है. उनकी चुनौतियों में से एक यह सुनिश्चित करना होगा कि गेंदबाजों में टीम के प्रति अपनापन और मानसिक रूप से सहजता की भावना हो, जिससे वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें. उन्होंने कहा, "प्रतिभा और कौशल होना एक बात है, लेकिन सबसे पहले खिलाड़ियों को एक चुनौतीपूर्ण माहौल से निकाल कर उनके आत्मविश्वास को मजबूत करना होगा, क्योंकि भारत के लिए खेलना और ब्लू जर्सी पहनना बहुत सारी उम्मीदें रखता है." मोर्कल ने गौतम गंभीर के मुख्य कोच के रूप में भारतीय टीम का सेटअप काफी मजबूत बताया. उन्होंने कहा कि हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे पास गुणवत्ता वाले वरिष्ठ खिलाड़ी हैं . वे टीम का नेतृत्व करेंगे और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनका समर्थन करें.

रविचंद्रन अश्विन ने अमेरिकन गैम्बिट्स के लिए एंथम किया लांच

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय स्पिन गेंदबाजी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने अपनी नई शतरंज टीम, अमेरिकन गैम्बिट्स के लिए एंथम लॉन्च किया है, जो ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में चुनौती पेश करेगी. "मेक द वर्ल्ड गो" शीर्षक वाले एंथम को अश्विन के सोशल मीडिया पर एक डिजिटल रिलीज के माध्यम से जारी किया गया, जिसमें शतरंज की बिसात पर एक रोमांचक पहलू लाने का वादा किया गया. अश्विन और अन्य मालिकों के सह-स्वामित्व वाली अमेरिकन गैम्बिट्स एक प्रभावशाली रोस्टर के साथ जीसीएल में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं. संगीत निर्देशक चरण राज द्वारा रचित और कार्तिक चेन्नोजीराव (केसी) द्वारा प्रस्तुत टीम का गान एकता, तीव्रता और रणनीतिक गहराई का प्रतीक है, जिसे गैम्बिट्स वैश्विक मंच पर मूर्त रूप देने की आकांक्षा रखते हैं. अश्विन ने क्रिकेट से अलग एक नए सफर को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की. उन्होंने कहा, हमारे लिए, शतरंज का मतलब है बोर्ड पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना. जुनून से प्रेरित, रणनीतिक सोच से प्रेरित, और पूरी तरह से रोमांचक खेल. हम एक टीम के रूप में भारत और विश्व स्तर पर शतरंज को लोकप्रिय और बढ़ावा देना चाहते हैं.

कप्तान हरमनप्रीत ने दो गोल दागे, नीलकंठ को हीरो ऑफ द मैच

भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया, लीग चरण में अजेय रहा

मोकी (चीन)

टीम इंडिया की लगातार पांचवीं जीत

अजेय भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में एशियाई दिग्गजों के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की. कप्तान हरमनप्रीत सिंह (13'', 19'') के दो गोल की बदौलत भारत ने लीग चरण में अजेय रहते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया. पाकिस्तान के लिए अहमद नदीम (8'') ने एकमात्र गोल किया. दोनों टीमों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया और अंत तक लय बनाए रखी. हालांकि भारत ने शुरुआती मिनटों में कुछ सर्कल एंट्री के साथ मैच की आक्रामक शुरुआत की, लेकिन आठवें मिनट में अहमद नदीम के जरिए पाकिस्तान ने पहला गोल किया. पाकिस्तान ने अपने लक्ष्य का पीछा करते हुए सतर्कता बरती और एक संरचित हमले का सामना किया. लक्ष्य पर दो शॉट लेने के बाद, वे अपने तीसरे शॉट में सफल रहे, जिसमें हन्नान शाहिद ने बीच से एक प्रभावशाली दौड़ के बाद नदीम को पास दिया, जिन्होंने नज़दीकी रेंज से आसानी से गोल कर दिया.

भारत ने वापसी की और 13वें मिनट में बराबरी का गोल किया, जब कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मैच के अपने पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की. अंतिम मिनटों में कुछ एंड-टू-एंड एक्शन देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम मौके नहीं बना पाई और पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ. भारत ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की और 19वें मिनट में 2-1 से आगे हो गया, जब हरमनप्रीत ने मैच का दूसरा पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल दिया, जिससे पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया. ख़तरा पैदा नहीं कर सके क्योंकि वे लगातार गेंद खोते रहे. दूसरी ओर, पाकिस्तान ने एक आधा मौका बनाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन नदीम का पास गोलमाउथ पर रूमन से चूक गया. उन्होंने हाफ टाइम के स्ट्रोक पर अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर भी अर्जित किया, लेकिन सुफियान खान की ड्रैग-फ्लिक बार से टकरा गई, और भारत ने पहले हाफ का अंत 2-1 की मामूली बढ़त के साथ किया.

भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में गेंद पर नियंत्रण किया, और फ़्लैंक-टू-फ़्लैंक पासिंग के साथ पाकिस्तान को उसके सर्कल में गहराई तक धकेल दिया. सर्कल के शीर्ष पर सुफियान खान द्वारा अरिजीत सिंह हुंडल पर गलत तरीके से टैकल करने से भारत को मैच का तीसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन हरमनप्रीत की ड्रैग-फ्लिक को पाकिस्तान के पहले रशर ने रोक दिया. तीसरे क्वार्टर के अंतिम चरण अर्जित किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ने पाकिस्तान को बराबरी का मौका नहीं दिया और क्वार्टर का अंत 2-1 की बढ़त के साथ किया. भारत ने अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन पाकिस्तान के डिफेंस ने खतरे को टाल दिया.

दोनों टीमों के बीच टकराव तब और बढ़ गया जब वे एक-दूसरे को एक छोर से दूसरे छोर तक धकेलते हुए मौके की तलाश कर रहे थे. अशरफ वहीद राणा को भारत के सर्कल में जुगराज सिंह पर शारीरिक फ़ाउल के लिए 10 मिनट का पीला कार्ड मिला. अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ, भारत ने लगातार हमलों के साथ पाकिस्तान पर दबाव बनाया, लेकिन गेंद पर कब्ज़ा खोने के कारण वे इसका फ़ायदा उठाने से चूक गए. मैच खत्म होने से दो मिनट पहले, मनप्रीत सिंह को पीला कार्ड मिला, जिससे दोनों टीमों के पास और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन हरमनप्रीत के शॉट को रोक दिया गया, और भारतीय फ़ॉरवर्ड ने रिबाउंड मिस कर दिया. इसके बाद गत चैंपियन ने समय समाप्त होने पर पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मुक़ाबले में जीत हासिल की. मैच के हीरो, नीलकांत शर्मा ने कहा, "मुझे पता है कि जब मेरे पास गेंद होती है, तो मैं गेंद को खोना नहीं चाहता, इसलिए बस गेंद को सुरक्षित रखना चाहता हूं, यही मेरा उद्देश्य है.

पाकिस्तान ने हमें शानदार मुक़ाबला दिया. हालांकि हम मैच जीत गए, लेकिन हम खुश नहीं थे क्योंकि हम गेंद खोते रहे और इससे हम मुश्किल में पड़ गए, इसलिए हमें सुधार करने की ज़रूरत है." भारत सोमवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का सेमीफाइनल 2 खेलेगा. टूर्नामेंट के आखिरी लीग चरण के मैच के बाद उनके प्रतिद्वंद्वी का फैसला होगा.

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराया

टी-20 में सीरीज 1-1 से बराबर हुआ सीरीज का निर्णायक मुकाबला आज

एजेंसी। कार्डिफ

लियाम लिविंगस्टोन की अगुवाई में इंग्लैंड ने सोफिया गार्डन्स में खेले गए दूसरे टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली. लिविंगस्टोन की 47 गेंदों पर खेली गई 87 रनों की विस्फोटक पारी और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने मैच को इंग्लैंड के पक्ष में मोड़ दिया. सीरीज का निर्णायक मुकाबला अब ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा. लिविंगस्टोन का 50वां टी20 मैच बल्ले और गेंद दोनों से यादगार रहा. उनका ऑलराउंडर प्रदर्शन पूरी तरह से देखने को मिला. उन्होंने पहले गेंद से (2-16) शानदार प्रदर्शन किया. इसके बाद में, बल्ले से उन्होंने आक्रामक हमला किया. उन्होंने छह चौके और पांच छक्के लगाए, जो इंग्लैंड के लिए 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ. इंग्लैंड के लिए लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल रहा, क्योंकि सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और डेविड मलान सस्ते में आउट हो गए. साल्ट ने पहले 39 रन बनाकर तेज शुरुआत की थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद लिविंगस्टोन क्रीज पर आए और इंग्लैंड की स्थिति 34-2 पर नाजुक हो गई. दबाव साफ दिख रहा था, लेकिन लिविंगस्टोन के शांत स्वभाव और विस्फोटक बल्लेबाजी ने मैच का रुख बदल दिया. लिविंगस्टोन ने जैकब बेथेल के साथ मिलकर, जो सिर्फ अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे, 90 रन की साझेदारी की. बेथेल ने शुरुआत में सहायक भूमिका निभाई, लेकिन जल्द ही 24 गेंदों पर 44 रन की धमाकेदार पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया. उनका मुख्य आकर्षण एडम जम्पा की गेंद पर 20 रन का ओवर था, जिसने लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया. ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 193-6 का मुश्किल लक्ष्य रखा था. जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने बल्ले से कमाल दिखाया और अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक बनाया. जोश इंगलिस ने उनका साथ दिया, जिन्होंने 42 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली. तेज शुरुआत और मिचेल मार्श की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करने वाले ट्रेविस हेड की दमदार पारी के बावजूद, इंग्लैंड अनुशासित गेंदबाजी और फील्डिंग के जरिए स्कोरिंग दर पर लगाम लगाने में कामयाब रहा. सीन एबॉट के शुरुआती हमलों ने ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी थी, लेकिन इंग्लैंड की वापसी का श्रेय ब्रायडन कार्से की अनुशासित गति और आदिल राशिद की स्पिन को जाता है. कार्से की गति में विविधता और राशिद की स्पिन ने रनों पर लगाम लगाई, जबकि लिविंगस्टोन की गेंदबाजी और फील्डिंग ने दबाव बनाए रखा. सीरीज का निर्णायक मैच रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा.

इंटर मियामी के लिए जल्द कमबैक करेंगे मेसी

एजेंसी।वाशिंगटन

लियोनल मेसी चोट के कारण दो महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहने के बाद इस हफ्ते इंटर मियामी के लिए मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं. 37 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान ने जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर एल्बीसेलेस्टे की 1-0 की जीत के दौरान टखने के लिगामेंट में चोट लगने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है. लेकिन समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, वह प्रशिक्षण पर लौट आए हैं और पूरी उम्मीद है कि वे शनिवार को इंटर मियामी के घरेलू मुकाबले के लिए उपलब्ध होंगे. इंटर मियामी के मैनेजर गेरार्डो मार्टिनो ने शुक्रवार को बताया, "हां, वह ठीक हैं. उसने गुरुवार को प्रशिक्षण लिया और वह मैच के लिए हमारी योजनाओं में है.आज प्रशिक्षण के बाद हम उसके लिए रणनीति के बारे में सोचेंगे, लेकिन वह उपलब्ध है." मेसी ने इस सीजन में 12 मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) मैचों में 12 गोल और 13 असिस्ट किए हैं. मार्टिनो आठ बार के बैलन डी''ओर विजेता की मैच फिटनेस की कमी से परेशान नहीं है. उन्होंने कहा कि उनकी मौजूदगी मात्र से फ्लोरिडा की टीम को काफी बढ़ावा मिलेगा. मार्टिनो ने कहा, "हमारी टीम, जो पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रही थी. दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का स्वागत करना हम सभी के लिए बहुत खुशी की बात है." इंटर मियामी वर्तमान में मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में 27 मैचों में 59 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद सिनसिनाटी से आठ अंक आगे है.

द. अफ्रीकी टीम अक्टूबर में करेगी बांग्लादेश का दौरा

एजेंसी। ढाका

दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज क्रमशः ढाका और चट्टगांव में खेले जाने की संभावना है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी.बीसीबी अधिकारी ने क्रिकबज से बातचीत में जोर देकर कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रृंखला जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है, इस तथ्य के बावजूद कि देश में राजनीतिक स्थिति के कारण संदेह पैदा हो गया था, तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी.उम्मीद है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) अपने आगामी दौरे के संबंध में अंतिम निर्णय लेने से पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसएसीए) के साथ बैठेगा. हालाँकि, यह समझा जाता है कि दौरे को लेकर कोई सुरक्षा चिंताएं नहीं हैं. एक अतिरिक्त कारक जो श्रृंखला होने के पक्ष में हो सकता है वह यह है कि दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने बांग्लादेश का दौरा करने के खिलाफ यात्रा सलाह जारी नहीं की है.बीसीबी ने श्रृंखला के लिए एक मसौदा यात्रा कार्यक्रम तैयार किया था और उसके अनुसार, पर्यटक 16 अक्टूबर को बांग्लादेश पहुंचेंगे. दक्षिण अफ्रीका 21 अक्टूबर से ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में शुरुआती टेस्ट खेलेगा, जबकि श्रृंखला का समापन दूसरा टेस्ट 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चट्टोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में खेला जाएगा.बीसीबी के एक अधिकारी ने शुक्रवार को क्रिकबज को बताया, हमें उम्मीद है कि दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगा और हम आने वाले दिनों में इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे.हाल ही में राजनीतिक अशांति के कारण आईसीसी महिला टी20 विश्व कप को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था, जबकि न्यूजीलैंड ए टीम का बांग्लादेश दौरा भी पुनर्निर्धारित किया गया था.

दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी

कोरिया ओपन से स्वीयाटेक सहित कई खिलाड़ी हटे

एजेंसी।सोल

विश्व नंबर 1 इगा स्वीयाटेक और गत चैंपियन जेसिका पेगुला सहित शीर्ष नाम 16 से 22 सितंबर तक सोल में होने वाले कोरिया ओपन से हट गए हैं. विश्व नंबर 4 एलेना रिबाकिना और यूएस ओपन सेमीफाइनलिस्ट एम्मा नवारो भी कोरिया ओपन से हट गयी हैं. टूर्नामेंट आयोजकों ने संवाददाताओं को बताया कि इस साल फ्रेंच ओपन जीतने वाली और हाल ही में पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने वाली इगा स्वीयाटेक ने थकान को अपने हटने का कारण बताया है. स्वीयाटेक, जो पिछले महीने के कैनेडियन ओपन से भी इन्हीं कारणों से बाहर हो गई थीं, उनके लिए यह सीज़न काफी कठिन रहा, जिसकी परिणति यूएस ओपन में पेगुला से क्वार्टर फाइनल में हार के साथ हुई. पोलिश स्टार क्ले पर अपने प्रभुत्व के लिए एक वैश्विक सनसनी बन गई है, लेकिन जैसे-जैसे सीज़न आगे बढ़ता है, उसे थकावट से जूझना पड़ा है. कोरिया ओपन की मौजूदा चैंपियन और यूएस ओपन की उपविजेता जेसिका पेगुला भी पसली की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं. पेगुला वर्ष के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में से एक रही हैं , जिसने कई ग्रैंड स्लैम आयोजनों में शानदार प्रदर्शन किया है. उनके हटने से टूर्नामेंट की लाइनअप में एक बड़ा अंतर आ गया है. एक और हाई-प्रोफाइल अनुपस्थिति पूर्व विंबलडन चैंपियन और वर्तमान विश्व नंबर 4 एलेना रिबाकिना की होगी, जो पीठ की चोट के कारण बाहर हैं. रिबाकिना के शक्तिशाली बेसलाइन गेम ने उन्हें डब्ल्यूटीए टूर पर एक ताकत बना दिया है, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण उन्हें सोल में होने वाले मुकाबले से चूकना पड़ा. नाम वापस लेने के अलावा, यूएस ओपन सेमीफाइनलिस्ट एम्मा नवारो ने भी अपने कार्यक्रम में बदलाव का हवाला देते हुए कोरिया ओपन को छोड़ने का फैसला किया है. अपने हालिया प्रदर्शन से प्रशंसकों को प्रभावित करने वाली नवारो भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए ऊर्जा बचाने की कोशिश करेगी.

पुरुषों ने दर्ज की तीसरी जीत

एजेंसी। नई दिल्ली

बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने तीसरे दौर में जीत दर्ज की.तीसरे दौर में पुरुषों ने मेजबान हंगरी-बी को 3.5-0.5 से हराया, जबकि महिलाओं ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया.द्रोणावल्ली हरिका की हार टूर्नामेंट में किसी भारतीय खिलाड़ी की पहली हार थी. उन्हें शीर्ष बोर्ड पर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक ने हराया, जिन्होंने अतीत में रूस का प्रतिनिधित्व किया था.अन्य सभी भारतीय महिलाओं ने जीत हासिल की, दूसरे बोर्ड पर आर. वैशाली ने ग़ज़ल हकीमीफर्ड को, तीसरे पर दिव्या देशमुख ने सोफिया ह्रीज़लोवा को और चौथे पर वंतिका अग्रवाल ने मारिया मानको को हराया. ओपन वर्ग में भारत का शत-प्रतिशत रिकॉर्ड मेजबान देश की दूसरी टीम ने तोड़ा. पहले कुछ दिनों में अपने सभी आठ गेम जीतने के बाद, दूसरे वरीय भारत को आधा अंक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि विदित गुजराती को गैबोर पप्प ने चौथे बोर्ड पर ड्रॉ पर रोक दिया था.

टूर्नामेंट

तिलक वर्मा, अभिमन्यु ईश्वरन और प्रथम सिंह ने गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी

दलीप ट्रॉफी में दूसरे राउंड के तीसरे दिन लगे तीन शतक

एजेंसी। नयी दिल्ली

दलीप ट्रॉफी के दूसरे राउंड के तीसरे दिन शतक लगाए. टूर्नामेंट में इंडिया ए का हिस्सा तिलक ने दूसरी पारी में इंडिया डी के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी. उन्होंने तीसरे नंबर पर उतरने के बाद 177 गेंदों में सेंचुरी कंप्लीट की. उन्होंने इस दौरान 9 चौके मारे. यह तिलक के पांचवां फर्स्ट क्लास करियर का पांचवां शतक है. तिलक को बिजी घरेलू शेड्यूल से पहले काफी आत्मविश्वास मिलेगा. वह भारत के लिए चार वनडे और 16 टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं. वहीं, तिलक से पहले इंडिया ए के लिए तीसरे दिन ओपनर प्रथम सिंह ने शतक जमाया. रेलवे के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अनंतपुर क्रिकेट ग्राउंड 189 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 122 रन की पारी खेली. 32 वर्षीय प्रथम ने दलीप ट्रॉफी में पहली बार सेंचुरी बनाई है. प्रथम को सौरभ कुमार ने 60वें ओवर में श्रेयस अय्यर के हाथों लपकवाया. उन्होंने तिलक के साथ दूसरे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी की. प्रथम ने पहली पारी में 7 जबकि तिलक ने 10 रन बनाए थे. प्रथम ने 2017 में घरेलू क्रिकेट में डेब्यू किया था. वह रेलवे के लिए तीनों प्रारूपों में 1000 से अधिक रन बनाए चुके हैं. दूसरी ओर, इंडिया बी के कप्तान और सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने इंडिया सी के खिलाफ पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी की. उन्होंने मुश्किल हालात में शतक लगाया. वह 79 ओवर का खेल होने के बावजूद 119 रन बनाकर नाबाद हैं.

उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 24वां सैकड़ा बनाया है. बता दें कि इंडिया सी ने पहली पारी में 525 का विशाल स्कोर खड़ा किया ईश्वरन ने अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई. उन्होंने एन जगदीसन (70) के साथ पहले विकेट के लिए 129 रन की साझेदार की. इसके बाद, मुशीर खान (0), सरफराज खान (16) और रिंकू सिंह (6) कोई कमाल नहीं दिखा सके.

अल्काराज, बतिस्ता का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी। मैड्रिड

कार्लोस अल्काराज और रॉबर्टो बतिस्ता ने शुक्रवार को वेलेंसिया में फ्रांस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने एकल मैच जीते. इसी के साथ स्पेन ने डेविस कप के अंतिम चरण में अपनी जगह पक्की भी की. अल्काराज ने दमदार प्रदर्शन करते हुए उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-3 से हराया और अब उसका रविवार को ऑस्ट्रेलिया के साथ मुकाबला होगा. हम्बर्ट ने विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ आक्रामक होने की कोशिश की, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने, अल्काराज हावी दिखे. बतिस्ता ने स्पेन को विजयी शुरुआत दिलाई, हालांकि स्थानीय खिलाड़ी को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करनी पड़ी और दूसरे सेट में ब्रेक डाउन के बाद उन्होंने आर्थर फिल्स को तीन घंटे से भी कम समय में 2-6, 7-5, 6-3 से हराया. पहला सेट हारने के बाद, दूसरे सेट में 5-3 से पिछड़ने के बाद बतिस्ता हार की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने वापसी की और फिर तीसरे सेट में जीत दर्ज की. डेविस कप का अंतिम चरण 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के शहर मलागा में खेला जाएगा.

ब्रीफ खबरें

बारिश में मकान गिरा अधेड़ महिला की मौत

पांडू (पलामू)। हल्की बारिश में शुक्रवार की रात कच्चा मकान गिरने से घर में मौजूद महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान शिव यादव की पत्नी चंद्रावती देवी (55) के रूप में हुई है. ग्रामीणों के अनुसार, रात में तेज आवाज के साथ वज्रपात हुआ और शिव यादव का कच्चा मकान गिर गया. मलबे में दबने से महिला की मौत हो गई. इधर, घटना की सूचना पर शनिवार की सुबह थाना प्रभारी कुमार गौरव दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदनीनगर सदर अस्पताल भेज दिया.

नक्सलियों ने दो टावर को क्षतिग्रस्त किया

लातेहार। जिले के महुआडांड़ प्रखंड के नेतरहाट थाना क्षेत्र के दुरूप गांव में शनिवार की दोपहर करीबन डेढ़ बजे माओवादियों ने बीएसएनएल के टावर को क्षतिग्रस्त कर दिया. जानकारी के अनुसार, माओवादियों का एक दस्ता वहां आया और दो टावर को आग के हवाले कर दिया. वहीं, सोलर प्लेट को लाठी-डंडे से पीट कर क्षतिग्रस्त कर दिया. इस घटना में किस संगठन का हाथ है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. हालांकि क्षेत्र में चर्चा है कि माओवादियों के दस्ते ने इस घटना को अंजाम दिया है. हालांकि इस घटना की अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई थी. एसपी ने जांच करने की बात कही है.

धूमधाम से मनाया गया रातू में करमा

रातू। भाई बहन की पवित्र रिश्ते का पावन त्यौहार करमा संपूर्ण रातू एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया जा रहा है. इस अवसर पर महिलाओं ने उपवास रखकर रात्रि में अखरा में पूजा अर्चना की एवं करम गीत गाए. पाहनों ने विधिवत महिलाओं से पूजा अर्चना करवाई. इसके बाद सरना भाई बहन देर रात तक आकर्षक ढंग से सुसज्जित किए गए अखरा में मांदर के थाप पर नृत्य करते रहे.

क्या गरीब, लाचार लोगों के लिए किसी के दिल में कोई सहानुभूति नहीं?

नक्सली हमले में पति को खोया, 27 साल बाद भी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला, अब भी सरकार से मदद की आस

कुमार राज। सतबरवा (पलामू)

प्रखंड की बोहिता पंचायत में इंदिरा आवास, प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास का लाभ हजारों लाभुकों को मिल चुका है, पर विधवा अनारकली कुंवर को किसी भी योजना का लाभ नहीं मिला. 27 वर्ष पूर्व नक्सलियों ने उनके पति की हत्या कर दी थी. अकेली मां ने बच्चों को जैसे-तैसे करके पाल कर बड़ा किया. अब विधवा अनारकली की बेटी नीलम कुमारी सरकार से एक ही सवाल पूछ रही है कि क्या सिर्फ पैसे वालों को ही आवास मिलेगा? क्या हम गरीब, असहाय, लाचार लोगों के लिए किसी के दिलों में कोई सहानुभूति और जगह नहीं है?

- सतबरवा प्रखंड की बोहिता पंचायत में एक बेबस मां की दास्तां
- विधवा मां ने काफी परेशानी झेल बच्चों को पाल कर बड़ा किया

सतबरवा प्रखंड की बोहिता पंचायत में घर के बाहर खड़ी विधवा अनारकली कुंवर और जर्जर हो चुका मिट्टी का घर.

पूरी तरह जर्जर हो चुका है घर, एक छोर से गिर रहा

सतबरवा प्रखंड के बोहिता भंडार टोला में विधवा अनारकली कुंवर का घर मिट्टी का है. घर पूरी तरह जर्जर हो चुका है. एक छोर से घर गिर रहा है. वर्षा होने पर रात जाग कर गुजारनी पड़ती है. नीलम ने बताया कि करीब 27 वर्ष पूर्व मेरे पिता की हत्या नक्सलियों ने गोली मार कर दी थी. उस वक्त वह मां के गर्भ में पल रही थी. पिता की हत्या के छह माह बाद उसका जन्म हुआ. मां ने उसे और उसके बड़े भाई को मजदूरी कर जैसे-तैसे पाला. बेटी का विवाह भी कर दिया. बेटे का भी विवाह हो गया.

घर जर्जर होने के कारण अलग जगह रहता है बेटा

घर जर्जर रहने के कारण बेटा अपने परिवार को लेकर दूसरी जगह पर रहता है. वहीं, मां मजदूरी करने सुबह घर से निकल जाती है. विधवा अनारकली कुंवर ने बताया कि पति की हत्या के बाद बहुत परेशानी झेल कर बच्चों की परवरिश की है. बहुत प्रयास किए कि सरकारी योजना के तहत उसे भी आवास मिल जाए, पर गरीबों की कौन सुनता है. हालांकि, अनारकली को अब भी आस है कि सरकार उसकी सुध लेगी और योजनाओं का लाभ पहुंचाएगी.

निश्चित तौर पर आवास मिलेगा : मुखिया पति

बोहिता पंचायत की मुखिया कलावती देवी के पति लाल बिहारी साव ने बताया कि अबुआ आवास की पहली सूची में अनारकली कुंवर का नाम नहीं था. इस बार अबुआ आवास के लिए आवेदन दिया है. उसे निश्चित तौर पर आवास मिलेगा. वहीं, पंचायत सेवक सुरेश ठाकुर ने भी कहा कि विधवा अनारकली को अबुआ आवास योजना का लाभ मिलेगा.

सड़क हादसा : चौपारण व पलामू में सड़क पर मौत बन कर दौड़ी हाईवा और क्रेन

चार लोगों की मौत, दो गंभीर

महाराजगंज में हाईवा ने बाइक सवार को रौंदा, दो की मौत

संवाददाता। चौपारण

चौपारण-चतरा रोड़ में सिंहपुर स्कूल के पास तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया. दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना शुक्रवार देर रात की है. मृतकों की पहचान चतरा जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नौडीहा निवासी बुधन कुमार और बिलखी कुमार के रूप में हुई है. वहीं, विशाल कुमार की हालत काफी नाजुक है.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इटखोरी की तरफ से छर्री लदा हाइवा तेज रफ्तार में चौपारण की ओर जा रहा था. इसी क्रम में महराजगंज में एक बाइक पर सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया और बाइक समेत तीनों लोगों को 200 फीट तक सड़क पर घसीटते हुआ निकल गया. दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हाईवा का पीछा किया, तो चौपारण-चतरा मोड़ के पास हाइवा को खड़ा कर चालक फरार हो गया. इधर, दुर्घटना की सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी पहुंच गए थे.

जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार बुधन कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी. वहीं, गंभीर रूप से घायल बिलखी कुमार और विशाल कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को सदर अस्पताल, हजारीबाग रेफर कर दिया. हजारीबाग में इलाज के दौरान बिलखी कुमार की भी मौत हो गई. वहीं, चिकित्सक ने विशाल की स्थिति को देखते हुए उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया. परिजनों ने बताया कि उसकी हालत काफी गंभीर बनी हुई है.

महराजगंज में दुर्घटना के बाद सड़क पर खड़ी हाईवा.

करमा के दिन सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत

- एक अन्य ही हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती कराया गया

पलामू। जिले के पड़वा थाना क्षेत्र में शनिवार की देर शाम क्रेन की चपेट में आने से बाइक सवार दो लोगों मौत हो गई. वहीं एक अन्य गंभीर रूप से घायल है. दुर्घटना के बाद उग्र ग्रामीणों ने पलामू-औरंगाबाद सड़क मार्ग को जाम कर दिया. इधर, घटना की सूचना मिलते ही पड़वा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए अस्पजाल भेजवाया.

वहीं ग्रामीणों को काफी समझा-बुझा कर जाम हटाने के प्रयास में जुटे थे. लेकिन, लोग मुआवजे की मांग पर अड़े थे. मृतकों की पहचान रजहरा कोलियरी तीन नंबर कॉलोनी निवासी जितेंद्र कुमार और अरूण कुमार के रूप में हुई है. दोनों सगे भाई थे. बताया जा रहा है कि दोनों भाई पड़वा बाजार कर्मा पूजा का सामान लेकर बाइक से अपने घर जा रहे थे. इसी क्रम में क्रेन ने दोनों भाइयों समेत एक और युवक को अपनी चपेट में ले लिया. इस हादसे में दोनों सगे भइयों की मौके पर ही मौत हो गई थी. वहीं, बाइक के भी परखच्चे उड़ गये. दुर्घटना के बाद चालक क्रेन खड़ी कर फरार हो गया. समाचार लिखे जाने तक सड़क जाम ही था और आक्रोशित लोग वरीय पदाधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे थे. इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार भी लग गई थी.

पड़वा में दुर्घटनाग्रस्त बाइक.

न्यूज अपडेट

पंसस ने किया चबूतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास

बेड़ो। बेड़ो के विनय बगीचा स्थित द्वारसिनी गणेश मंदिर के पास बेड़ो पश्चिमी के पंचायत समिति सदस्य श्रीमती राखी भगत ने 15 वें वित्त योजना से चबूतरा के निर्माण की आधारशिला रखी. इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य सह महिला नेत्री राखी भगत ने कहा कि यहां पर अति प्राचीन काल से पौराणिक द्वारसिनी गणेश मंदिर है जहां प्रतिदिन पूजा पाठ के लिए श्रद्धालु यहां आते हैं परंतु यहां पर बैठने के लिए कोई सुविधा नहीं है जिसके कारण लोगों को परेशानी होती है. इसीलिए पंद्रहवें वित्त आयोग के मद से यहां एक चबूतरा का निर्माण कराया जा रहा है जिससे लोगों को यहां आकर पूजा पाठ के दौरान बैठने उठने में कोई परेशानी ना हो. राखी भगत ने भारी बारिश के बीच छाता का सहारा लेकर योजना की आधारशिला रखी.

भाई की दीर्घायु के लिए बहनों ने रखा व्रत

सोनाहातू/राहे। प्रखंड क्षेत्र में हर्ष उल्लास से करमा पर्व मनाया गया. बहनों ने करम डाली की पूजा अर्चना के बाद शनिवार की रात मंदार, ढोल नगाड़ों की थाप पर जमकर झूमे. गांव के स्थापित अखड़ा में निर्धारित समय पर करम डाल गाड़ कर सामूहिक रूप से पूजा अर्चना की गई. महिलाओं और बहनों ने करम देव की पूजा अर्चना कर अपने भाई की दीर्घायु की कामना की.

119 छात्रों के बीच पठन पाठन सामग्री का वितरण

बुढ़मू। श्रीरामकृष्ण विवेकानंद सेवा आश्रम रांची के द्वारा बुडमू प्रखंड के चैनगडा पंचायत के सुदूर गांव गुतरु मे 119 छात्रो के बीच पठन साम्रागी (कापी, पेनशिल, रबर, कटर, पेन ,)का वितरण किया गया.इस दौरान बच्चों और अभिभावकों के बीच शिक्षा के महत्व,बच्चों के स्वास्थ्य, नौतिक शिक्षा, जैविक खेती आदि विषयो पर विशेष चर्चा किया गया. इस दौरान अभिभावकों को स्वयं और बच्चों को नशापान से दुर रहने और समाजिक समस्याओं को आपसी सहयोग से दुर करने को लेकर विचार विमर्श भी किया गया, वहीं उपस्थित सभी ग्रामीणो ने अपना अपना विचार प्रकट किया.कार्यक्रम मे बतौर अतिथि बुढ़मू प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण मुंडा उपस्थित थे.

परंपरा एवं संस्कृति का संवर्धन करें: मनरखन

ओरमांझी। मनरखन महतो ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रांगण में हिन्दी दिवस एवं करमा पूर्व संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कॉलेज के अध्यक्ष मनरखन महतो, ट्रस्टी विरेन्द्रनाथ ओहदार,खुशबू सिंह,कृति काजल, निदेशक मनोज कुमार महतो, प्रबंधक मुकेश कुमार, प्रशासिका सुश्री मीना कुमारी, मनरखन महतो बी. एड. कॉलेज के प्राचार्य डॉ० दूधेश्वर महतो, मनरखन महतो नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य चित्रवेल वी, मनरखन महतो फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्या रागिनी कुमारी के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ.

बालू का खनन जारी, नदी का अस्तित्व खतरे में

डकरा। कोयलांचल के लाइफ लाइन सपही नदी अब नाले में तब्दील हो गयी है यह उनका अस्तित्व समाप्ति की ओर है. अवैध बालू के खनन ने नदियों का असली वजूद ही समाप्त कर दिया है. जीवनदायिनी नदियों से बालू समाप्त हो गया है और जो बचा हुआ है उसे भी बालू चोर खुरच खुरच कर निकाल रहे है. चूरी मानकी घाट पर तो बालू माफियाओं ने नदी का ऐसा दोहन किया कि 250 फिट चौड़ी नदी लगभग 60 फिट में ही सिमट कर रह गई है. यहां नदी से इतना अधिक बालू का अवैध खनन हुआ कि नदी के मिट्टी निकल आई और बरसात आते ही नदी के बीचों-बीच घास फूस और काश के फूल निकल आए. स्थानीय लोग बताते हैं कि पहले पूरा नदी में बालू ही बालू दिखाई पड़ती थी लेकिन दिनों दिन बालू माफियाओं ने नदी की सूरत और सीरत बिगाड़ कर रख दिया. नदी में दूर - दूर तक अब बालू नजर नहीं आता है.

यूनियन की बैठक में मजदूरों की समस्याओं पर हुई चर्चा

डकरा। कोलफील्ड मजदूर यूनियन की बैठक तुमांग पंचायत भवन में रामा उरांव की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में कोयला मजदूरों के नित दिन आ रहे परेशानियों को लेकर चर्चा किया गया. जिसमें मुख्य रूप से चार बिंदुओं पर बात रखी गई पहले यूनिट स्तर पर समितियां का पुनर्गठन ,संगठन को मजबूत बनाने की ओर बेहतर कदम उठाने पर बल दिया गया. इसके अलावे प्रबंधन से मजदूरों के कई समस्याओं को समाधान करने की मांग रखी गई. जिसमें मुख्य रूप से रोहिणी के कामगारों की सेवा पुस्तिका में जो नाम दर्ज है उसे चिकित्सा कार्ड में फिर से सुधार कर कर सही-सही नाम दर्ज कराया जाए, ताकि स्मार्ट कार्ड बनाने में किसी भी कामगार के आश्रितों को दिक्कत ना हो . बैठक का संचालन ध्वजा राम धोबी ने किया. इस मौके पर सूरज प्रधान मुंडा, बिर्मल कुमार, संजय राम, मनोज राम, दिनेश्वर सिंह, सिद्धू मुंडा, रविंद्र गंझू व सोनू राम आदि मौजूद थे.

लापुंग में धूमधाम से की गई पूजा-अर्चना, बहनों ने रखा उपवास

बारिश पर करमा पर्व का उल्लास भारी पड़ा

- कर्मा के गीतों से गुंजायमान रहे अखरा एवं आंगन
- पारंपरिक रूप से पाहन ने मुर्गे की बली देकर करमा पूजा का शुभारंभ किया

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड के सेमला, ककरिया, दोलैचा देवगांव, महुगांव, दरमीटोली, नावाटोली, लालगंज, फतेहपुर, दानेकेरा, कातिंगकेला, बोकरन्दा, सुकुरहुटू, परसा, बड़काकुरा, सारंगलोया, गुदगुद कोयनारा सहित दर्जनों गांवों में भारी बारिश के बीच प्रकृति पर्व कर्मा धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनायी गई. लापुंग प्रखंड के दर्जनों गांवों के अखरा एवं घर के आंगन में आदिवासी और सदान दोनों समुदाय के लोगों ने पूरी भक्ति और श्रद्धा के साथ करम गोसाईं राजा की विधिवत पूजा अर्चना की. गांव के पहान पूजार सहित पूजारियों ने करमा का उपवास रखकर पूजा करने वाली युवतियों एवं बच्चियों को विधिवत पूजा अर्चना की और व्रतियों को कर्मा और धर्मा की कहानी सुनाई. उन्होंने कहा कि समृद्धि आने पर भी घमंड नहीं करना चाहिए. प्रत्येक स्थिति में हमेशा ईश्वर को याद करें. ईश्वर की अराधना करें. कर्मा को अपनी गलती का एहसास हुआ था तब उसने अपनी भूल का पश्चाताप किया. उसने फिर से करम गोसाईं राजा की पूजा की. इससे सुख समृद्धि और शांति लौट आई. ककरिया में सुरेश देवघरिया, सेमला में रूपेश कुमार पाठक, दोलैचा में राजकुमार पाठक सहित सीताराम पाठक, रामशंकर पाठक, राजेश पाठक, सीताराम दास, तुलसीदास गोस्वामी, मार्केण्डेय दास गोस्वामी सहित विभिन्न पूजारियों ने अलग-अलग गांवों में पूजा अर्चना करायी. इसके पूर्व लापुंग प्रखंड के फतेहपुर गांव में करम की डाली को लेकर गांव के बुधवा पाहन के द्वारा रंगुआ मुर्गा की बलि देकर करम डाली की पूजा पाठ कर करम पूजा का प्रारंभ किया गया. करम पूजा कर्मा और धर्मा दो भाइयों की कहानी पंडित के द्वारा कहा गया . कथा पूरा होनेवाले बाद करम पूजा की व्रती बेटियों व कुंवारी कन्याओ ने पंडित को प्रसाद व दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया. इस पूजा के लिए कुंवारी कन्याएं निर्जला उपवास कर अपनी भाई की सुख शांति व समृद्धि की कामना के लिए खीरा का बेटे और प्रसाद और फल फूल चढ़ाया. इसके उपरांत डीजे और मांदर की थाप में नाचते गाते देखा गया.

ककरिया में पूजा अर्चना करतीं बच्चियां एवं युवतियां.

सरना समिति चान्हो ने सरना बाल विकास विद्यालय पोड़हा टोली में करमा पूजा का किया आयोजन

पर्यावरण की रक्षा में आदिवासी समाज की भूमिका होती है अहम : सुखदेव भगत

- करम का त्योहार समाज में आपसी भाईचारा और गहरा करता : शिल्पी नेहा तिर्की

संवाददाता। चान्हो

सरना समिति चान्हो ने मांडर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सरना बाल विकास विद्यालय पोड़हा टोली में करम पूजा समारोह का भव्य आयोजन किया है. इस समारोह में लोहरदगा लोस से सांसद सुखदेव भगत बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की व पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने कार्यक्रम में शिरकत की. सरना समिति के लोगों ने सुखदेव भगत, शिल्पी नेहा तिर्की सहित अन्य अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया. सुखदेव भगत ने आदिवासियों के मसीहा स्वर्गीय कार्तिक उरांव की प्रतिमा में माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

सामूहिक भागीदारी से ही झारखंड की संस्कृति और पर्व को बचाये रखना संभव : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि करमा पर्व प्रकृति को बचाये रखने की सीख देता है. करमा पर्व भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक है. इस पर्व पर करम देव से बेहतर फसल के लिए प्रार्थना की जाती है. करमा पर्व संस्कृति एकता का प्रतीक है. आदिवासी समाज के लोग प्रकृति के पूजक हैं. प्रकृति से प्रेम करते हैं और पर्यावरण की रक्षा में हमारे आदिवासी समाज की भूमिका अहम होती है. झारखंड की संस्कृति और अपने पर्व को बचाये रखना हम सभी की जरुरत है. यह सामूहिक भागीदारी से ही संभव है. सांसद ने वहां उपस्थित सभी लोगों को करमा पर्व की बधाई दी. वहीं मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि करम का त्योहार प्रकृति को बचाये रखने की सीख देता है. इससे समाज में आपसी भाईचारा और गहरा होता है. मौके पर सांसद सुखदेव भगत व विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने खोड़हा दलों के साथ झूमर किया. मौके पर थाना प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता, एतवा उरांव, शिव उरांव, महादेव भगत, सुमन उरांव, खुदी उरांव जयनाथ भगत, सुनीत मुंडा, शामको मुंडा, जीवनी उरांव, सरिता उरांव, प्रियंका उरांव, बिरसा उरांव, विकास उरांव, अजीत सिंह, तंबू उरांव, दुर्गा उरांव सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे.

आरोप सवालों के घेरे में पलामू सेंट्रल जेल प्रशासन, कैदियों के परिजनों का गंभीर आरोप

जेल में छह महीने के भीतर चार कैदियों की मौत

संजीत यादव। मेदिनीनगर

पलामू सेंट्रल जेल में करीब छह महीने के अंदर चार बंदियों की मौत हो चुकी है. जेल प्रशासन के अनुसार, सभी की मौत बीमार होने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान हुई. हाल के दिनों में दो युवा बंदियों की मौत के बाद जेल प्रशासन सवालों के कटघरे में खड़ा है. जेल में बंद अजय चौधरी और कुंदन पांडेय, दोनों की 30 वर्ष के अंदर ही थी. परिजनों के अनुसार दोनों युवक, पहले से बीमार नहीं थे. जेल में पिटाई के बाद दोनों की तबीयत बिगड़ी. उन्होंने जेल प्रशासन पर सवाल खड़े करते हुए कार्रवाई की मांग भी की थी. मामले में जांच तो हुई, पर अब तक किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई.

जेल में बंद कैदियों के परिजनों का कहना है कि अगर कैदी बीमार होते हैं, तो उनके परिजन को जानकारी क्यों नहीं दी जाती है. अस्पताल ले जाने के दौरान ही परिजनों को सूचना क्यों दी जाती है? उधर, कैदी कुंदन पांडेय की मौत के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पलामू डीसी शशि रंजन ने मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल पहुंचे थे और मृतक के शव को भी देखा. उन्होंने सदर एसडीएम अनुराग तिवारी और सदर सीओ अमरदीप बल्होत्रा को कई बिंदुओं पर जांच करने और दोषियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. इधर मृतक के परिजनों ने जेल में तैनात जवान के खिलाफ थाने में आवेदन दिया है.

कैदियों की कब-कब हुई मौत

- **11 सितंबर 2024 :** कैदी कुंदन कुमार पांडेय की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी थी. मृतक कैदी शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा का रहने वाला था. वह छह सितंबर 2024 को नाबालिग के अपहरण मामले में जेल में बंद था.
- **22 जुलाई 2024 : कैदी** रामदेव कोरवा की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई थी. मृतक कैदी गढ़वा के रंका थाना क्षेत्र के सिरोईकलां का रहने वाला था. कुछ दिनों पहले ही रामदेव कोरवा को गढ़वा से पलामू सेंट्रल जेल ट्रांसफर किया गया था.
- **31 मई 2024 :** विचाराधीन कैदी संजय शर्मा की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी. मृतक पलामू के हैदरनगर का रहने वाला था. संजय शर्मा 12 दिसंबर 2017 से पलामू सेंट्रल जेल में बंद था.
- **8 अप्रैल 2024 :** कैदी अजय चौधरी की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई थी. परिजनों ने जमकर हंगामा करते हुए सड़क भी जाम किया था. अजय चौधरी अपने चचेरे भाई की गोली मार कर हत्या करने के आरोप में जेल में बंद था.

सात लाख रुपये की अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता। चतरा

- दो स्कूटी, एक बाइक और तीन मोबाइल जब्त
- बरामद अफीम का वजन 1.8 किलो बताया गया

सिमरिया पुलिस ने अफीम तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. तस्करी मे प्रयुक्त दो स्कूटी, एक बाइक और तीन मोबाइल भी जब्त किये गये है. एसडीपीओ अजय कुमार केसरी ने बताया कि चतरा एसपी विकास पांडेय को गुप्त सूचना मिली थी कि सिमरिया थाना क्षेत्र के लेपो के पोखरिया जंगल के पास कुछ लोग अफीम की खरीद-बिक्री करने वाले हैं. इसके बाद छापेमारी दल का गठन किया गया.

पुलिस टीम जंगल के पास पहुंची ही थी कि तीन लोग तीन अलग-अलग वाहनों से जंगल की ओर से निकलते दिखे. पुलिस ने तीनों को रोक कर तलाशी ली. इस क्रम में स्कूटी की डिक्की से सफेद प्लास्टिक में रखा 1.8 किलो अफीम बरामद किया गया. बरामद अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सात लाख रुपये आकी गई है. पुलिस ने मौके से तीनों युवकों को गिरफ्तार कर पूछताछ की. गिरफ्तार आरोपियों में खूंटी जिला के मरांगहदा गांव निवासी सुनील मुंडा (वर्तमान में टेटुआतरी लेपो टोला निवासी), सिमरिया थाना क्षेत्र के लेपो गांव निवासी अनिल कुमार वर्मा और उसके भाई छोटू कुमार के रूप में की है.

सिमलिया हाजी चौक के एटीएम से लाखों की चोरी

रातू। थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थम नहीं रही है. शनिवार की सुबह तीन बजे नकाबपोश अपराधियों ने सिमलिया हाजी चौक स्थित केनरा बैंक के एटीएम को निशाना बनाया. गैस कटर की मदद से लाखों की चोरी कर चलते बने. अपराधकर्मी दो कार में सवार होकर आये थे. इसमें एक स्कार्पियो रेकी कर रहा था. मामले को लेकर पंडरा ओपी के हेहल काजू बागान आनंद नगर में रहने वाले ईपीएस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी कुमार रितेश की ओर से रातू थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है. पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. फिंगर प्रिंट दस्ते की मदद ली गयी. तकनीकी सेल से घटनास्थल का कॉल डंप भी कराया गया. थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि अपराधियों की धर-पकड़ के लिये छापेमारी की जा रही है. जानकारी के अनुसार, रात के 2.55 बजे एक कार आकर एटीएम के आगे रुकी.

न्यूज अपडेट

तीन मंजिला मकान, 10 लोग दबे

मेरठ । उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक तीन मंजिला मकान गिर गया है उसमें कम से कम 10 से अधिक लोग और पशु मलबे में दब गए हैं. जो मकान गिरा है उसके मालिक का नाम नफ्फो अलाउद्दीन है और इस मकान के नीचे डेयरी चल रही थी. इस हादसा मेरठ की जाकिर कॉलोनी गली नंबर 8 का है. मुख्यमंत्री ने मेरठ में हुए हादसे का संज्ञान लिया, मुख्यमंत्री के निर्देश पर राहत-बचाव की टीमें मौके पर रवाना हो गई हैं. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया.

पूर्व गृहमंत्री का बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली । बांग्लादेश के पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल के बेटे सफी मुद्दस्सिर खान ज्योति को शुक्रवार देररात को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया गया. उनकी गिरफ्तारी आशुलिया थाने में दर्ज एक मामले में की गई है. देश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, ढाका जिला पुलिस अधीक्षक अहमद मुईद ने इसकी पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि कमाल के बेटे ज्योति को रात साढ़े तीन बजे गिरफ्तार किया गया. उसे आज ही अदालत में पेश किया जाएगा.

खाई में गिरी कार, चालक समेत तीन मरे

अल्मोड़ा । अल्मोड़ा में भारी बारिश के बीच एक दर्दनाक घटना सामने आई है. लमगड़ा तहसील के सांगड़ मोटर मार्ग पर हल्द्वानी से पिथौरागढ़ जा रही अल्टो कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी. हादसे में चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गई. जबकि दो घायल हो गए. देर रात हुए कार हादसे में कार सवार रजनी पुत्री रविंद्र कुमार निवासी बीसा बजेठा पिथौरागढ़ व सुनीता देवी पत्नी रविंद्र कुमार निवासी कुमौड़ा पिथौरागढ़ की मौके पर ही मौत हो गई.

कुएं में मिले एक ही परिवार के चार के शव

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोपरा में शनिवार सुबह एक कुएं में तीन महिलाओं और एक बच्ची का शव मिला है. इनमें दो महिलाएं फंदे पर लटकी मिलीं, जबकि बुजुर्ग महिला का शव पानी में उतराया हुआ और छह साल की बच्ची का शव पानी में डूबा मिला. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को एसडीआरएफ की टीम की मदद से करीब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद 35 फीट गहरे कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया.

कॉल सेंटर पर छापा, 50 गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने डेटिंग ऐप के जरिए ठगी का धंधा चलाने वाले दो चीनी नागरिकों के कॉल सेंटर पर छापेमारी कर 40 लड़कियों को गिरफ्तार किया. इनसे पूछताछ के बाद काठमांडू के विभिन्न स्थानों से दो चीनी नागरिकों समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया. इस मामले में अब तक कुल 50 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है. ठगी करने के लिए चीनी नागरिकों ने क्रिप्टो करेंसी को माध्यम बनाया था. काठमांडू में एक तीन मंजिला पूरा घर ही किराए पर लिया गया था

अमेरिकी अधिकारी ब्रेंट नीमन ढाका पहुंचे

ढाका । अमेरिका के सरकारी अधिकारी ब्रेंट नीमन आज सुबह बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे. उनके साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है. ढाका में हवाई अड्डे पर ब्रेंट नीमन का स्वागत बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के महानिदेशक खंडकेर मसूदुल आलम ने किया. ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, अर्थशास्त्री ब्रेंट नीमन राज्य अमेरिका के ट्रेजरी विभाग में अंतरराष्ट्रीय वित्त और विकास के लिए ट्रेजरी के कार्यवाहक सहायक सचिव के रूप में कार्य करते हैं.

मणिपुर में रॉकेट व विस्फोट हुआ बरामद

इंफाल । मणिपुर में उग्रवादियों के विरुद्ध सुरक्षा वालों का अभियान जारी है. इस अभियान के दौरान भारी मात्रा में रॉकेट, बम लांचर तथा विस्फोटक सामग्री आदि बरामद हुई है. केंद्रीय गृह मंत्रालय से 20 सितंबर तक मामलों की जांच का प्रतिवेदन मिलने की प्रतीक्षा की जा रही है. इसके बाद गृह मंत्रालय मणिपुर को लेकर कोई बड़ा फैसला कर सकता है. मणिपुर पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान चल रहा है.

भूस्खलन में महिला समेत तीन की मौत

देहरादून । आपदा प्रभावित राज्य उत्तराखंड में जगह-जगह हो रहा भूस्खलन जानलेवा होता जा रहा है. मलबा कब किस पर गिर जाए, किसी को नहीं पता होता. शनिवार को भूस्खलन के मलबे में दबकर तीन लोगों की मौत हो गई. एसडीआरएफ ने मलबे से सभी शव निकालकर कर पुलिस के सुपुर्द किया है. आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम पिथौरागढ़ से गढ़कोट में भूस्खलन से एक महिला के दबने की सूचना पर एसडीआरएफ टीम पहुंची.

मकान की छत गिरी, पांच लोगों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार देर बाद आए आंधी-तूफान के दौरान एक मकान की छत भरभरा कर ढह गई. इस हादसे में तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई. बचाव अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि यह हादसा चारसद्दा जिले के तुरंगजई के खट्ट कोरुना इलाके में हुआ. मृतकों में साजिद, उनकी पत्नी और तीन बच्चे शामिल है. इन बच्चों में आठ वर्षीय मोसा और सात वर्षीय हनीफा भी हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर

गौ माता ने दिया 'दीपज्योति' को जन्म

नई दिल्ली । नई दिल्ली के सात लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास में गौ माता के नवजात बच्चे के रूप में बछिया को जन्म दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवजात बछिया का नाम दीपज्योति रखा है. प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है-गाव : सर्वसुख प्रदा : . लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है.

डॉक्टरों के मंच पर पहुंचीं ममता, कहा-

मुख्यमंत्री नहीं, बड़ी बहन के रूप में आई हूं, सभी मांगों पर विचार करूंगी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार को अचानक साल्ट लेक स्थित स्वास्थ्य भवन पहुंचीं, जहां आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए घटनाक्रम के खिलाफ जूनियर डॉक्टरों ने धरना दिया है. इस धरने में शामिल डॉक्टरों को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि वह मुख्यमंत्री के रूप में नहीं बल्कि उनकी "दीदी" के रूप में आई हैं और उनकी सभी मांगों को सहानुभूतिपूर्वक सुना जाएगा. मुख्यमंत्री के साथ इस मौके पर राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार भी मौजूद थे. ममता ने डॉक्टरों के धरनास्थल पर जाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डॉक्टरों को अपना संदेश दिया. हालांकि, जब ममता मंच पर पहुंचीं, तो धरना स्थल से नारेबाजी जारी रही और कुछ देर तक असमंजस वाली स्थिति बन गई.

ममता ने डॉक्टरों से शांत रहने और उन्हें बोलने का मौका देने की अपील की. बनर्जी ने कहा, मैं यहां अपनी सुरक्षा के निर्देशों के बावजूद आई हूं. मैं आपके आंदोलन को सलाम करती हूं. मैं खुद एक छात्र आंदोलन से निकली हूं. मैं समझ सकती हूं कि 34 दिन से धरने पर बैठे रहना कितना कठिन है. आप सड़क पर हो तो मुझे भी आपकी निगरानी करनी पड़ती है.

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, "सुप्रीम कोर्ट में यह मामला विचाराधीन है. मैं यहां आंदोलन के प्रति सहानुभूति रखने वाली एक बड़ी बहन के रूप में आई हूं. मुझे थोड़ा समय दीजिए, सबकुछ ठीक हो जाएगा. बनर्जी ने आंदोलनरत डॉक्टरों से धरनास्थल पर परोसे जा रहे भोजन को लेकर सावधान रहने की अपील भी की. उन्होंने कहा, "आपके पास आने का मतलब यह नहीं कि मैं छोटी हो रही हूं बल्कि यह मेरा प्रयास है कि समाधान निकले. यह मेरी आखिरी कोशिश है. इससे पहले गुरुवार को डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की मांग की थी, जिसके तहत 32 डॉक्टरों का प्रतिनिधिमंडल नवान्न पहुंचा था. हालांकि, बैठक बेनतीजा रही, क्योंकि डॉक्टरों ने बैठक का सीधा प्रसारण करने की मांग की, जिसे सरकार ने अस्वीकार कर दिया था. अब जब सीधे मुख्यमंत्री धरना स्थल पर पहुंचकर डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की हैं तो इसका क्या कुछ असर होता है, यह देखने वाली बात होगी.

सरकार उनकी सभी मांगों पर विचार करेगी

मुख्यमंत्री ने जूनियर डॉक्टरों से अपील की कि अगर वे काम पर लौटना चाहते हैं, तो सरकार उनकी सभी मांगों पर विचार करेगी. ममता ने कहा, मैं अकेले सरकार नहीं चलाती. मैं सभी से सलाह-मशविरा करूंगी. अगर कोई दोषी होगा, तो उसे सजा मिलेगी. मैं सीबीआई से अनुरोध करूंगी कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए. आप काम पर लौटिए, मैं आपको यकीन दिलाती हूं कि कोई भी गलत काम करने वाला बच नहीं पाएगा. ममता ने आश्वासन दिया कि अस्पतालों की रोगी कल्याण समितियों का पुनर्गठन किया जाएगा. उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की रोगी कल्याण समिति को तुरंत भंग कर दिया और नई समिति के गठन का वादा किया. उन्होंने कहा, आपके घर के भाई-बहन की तरह मैं आपके साथ हूं. कोई अन्याय नहीं होगा. अगर कोई दोषी है, तो उसे सजा मिलेगी. मैं किसी की मित्र या शत्रु नहीं हूं. जो लोग मेरे मित्र कहे जा रहे हैं, मैं उन्हें जानती तक नहीं.

आरजी कर मामला

बारिश के बावजूद जूनियर डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार-हत्याकांड मामले को लेकर जूनियर डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन शनिवार को पांचवें दिन भी जारी है. वे अनिश्चित काल के लिए प्रदर्शन जारी रखने की तैयारी कर रहे हैं. शुक्रवार रात और शनिवार सुबह हुई छिटपुट बारिश के कारण प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों को असुविधा का सामना करना पड़ा. हालांकि, हड़ताली डॉक्टरों ने अपना प्रदर्शन और विरोध जारी रखा. हालांकि, कुछ व्यक्तिगत और सामाजिक संगठनों ने प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्हें बारिश से बचाने के लिए तिरपाल उपलब्ध कराए. शनिवार सुबह छिटपुट बारिश जारी रहने के दौरान प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टर तिरपालों का उपयोग करके बारिश से बचने में कामयाब रहे.

शिमला में मस्जिद को लेकर हिंदू संगठन का बवाल

सड़क पर किया हनुमान चालीसा पाठ

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश के शिमला के सुन्नी कस्बे में संजौली मस्जिद विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है. इसको लेकर कुल्लू में विरोध प्रदर्शन किया गया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ''हनुमान चालीसा'' का पाठ किया. प्रदर्शनकारियों ने मस्जिद के अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ नाराजगी जताई. शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराते हुए लोगों ने प्रशासन से मुद्दों को हल करने की मांग की. कुल्लू के अखाड़ा बाजार में लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर कहा कि मस्जिद का निर्माण अवैध रूप से किया गया है और यह क्षेत्र में अतिक्रमण का हिस्सा है. विरोध करने वाले लोगों ने प्रशासन से इस अवैध निर्माण को तुरंत हटाने की मांग की है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि धार्मिक स्थलों के निर्माण में कानूनी प्रक्रिया का पालन होना चाहिए. बिना अनुमति के निर्माण से व्यवस्था पर असर पड़ता है. प्रशासन ने विरोध प्रदर्शनों को संज्ञान में लेते हुए स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है.

अंतरिक्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में वोट डालेंगी सुनीता विलियम्स

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके नासा सहयोगी बुच विल्मोर ने शनिवार को स्पेस से 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में वोट डालने को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की. बता दें दोनों अंतरिक्ष यात्री वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसे हुए हैं. हालांकि दोनों ने अंतरिक्ष में होने के बावजूद अपने नागरिक कर्तव्य को पूरा करने के महत्व पर जोर दिया. विलियम्स ने बताया कि उन्होंने पहले ही मतपत्रों के लिए अपने अनुरोध भेज दिए हैं. उन्होंने कहा, अंतरिक्ष से मतदान करने के लिए हम उत्सुक हैं. विलमोर ने अमेरिकी नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि ''नासा हमारे लिए ऐसा करना बहुत आसान बनाता है. 5 नवंबर को होने वाले 2024 के अमेरिकी चुनावों में डेमोक्रेट कमला हैरिस और रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प के बीच मुकाबला होगा.

सीएम योगी का बड़ा बयान

ज्ञानवापी ही साक्षात विश्वनाथ जी हैं

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानवापी को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि लोग आज के समय में ज्ञानवापी को दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं. लेकिन वो ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ जी हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह बयान गुरुवार को ज्ञानवापी पर वाराणसी कोर्ट के फैसले के बाद आया है. आपको बता दें कि वाराणसी की एक अदालत ने हिंदू पक्ष द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें स्थानीय जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाने की मरम्मत करने का आदेश देने का अनुरोध किया गया था.

वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट परिसर के स्थानीय संरक्षक हैं. सिविल जज सीनियर डिवीजन हितेश अग्रवाल की अदालत ने गुरुवार को तहखाने में चल रही पूजा गतिविधियों को बरकरार रखा और मुस्लिम पक्ष द्वारा उठाई गई आपत्तियों और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित चुनौती को ध्यान में रखा. हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा कि न्यायालय का फैसला मुस्लिम पक्ष द्वारा व्यास जी के तहखाना में मरम्मत के विरोध और सुप्रीम कोर्ट में चल रही कानूनी कार्यवाही पर आधारित था. ऐसे में फैसले के बावजूद हिंदू पक्ष तहखाने की मरम्मत की अनुमति के लिए जिला न्यायाधीश की अदालत में अपील करने की योजना बना रहा है.

तुमालपाड़ की पहाड़ी पर मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

सुकमा । जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र अंतर्गत तुमालपाड़ की पहाड़ी में आज शनिवार सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है. सर्चिंग के दौरान मारे गये नक्सली का शव, बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सहित अन्य नक्सल सामग्री बरामद की गई है. मारे गए नक्सली की शिनाख्त नहीं हुई है, मारा गया नक्सली एसीएम रैंक का होने की संभावना व्यक्त की जा रही है. बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टी करते हुए बताया कि एक नक्सली मारा गया है, मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तुमालपाड़ की पहाड़ी में नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना मिली थी. इसी सूचना के आधार पर सुकमा से जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के जवानों को रवाना किया गया था. जवान जब नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंचे तो नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली को ढेर किया गया है.

आतंकवादी हमले में तीन सीमा रक्षकों की मौत

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में आतंकवादी हमले में तीन ईरानी सीमा रक्षकों की मौत हो गई और एक नागरिक घायल हो गया. समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शुक्रवार को बताया कि मिरजावेह काउंटी में एक पेट्रोल पंप पर एक अधिकारी अमीन नारोई, सैनिक परसा सूजानी और अमीर इब्राहिमजादेह ईंधन भरवा रहे थे. इसी दौरान कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसमें तीनों की मौत हो गई. जबकि एक नागरिक घायल हुआ है. प्रांतीय राजधानी ज़ाहेदान के अभियोजक एम. शम्साबादी ने बताया कि यह घटना गुरुवार शाम को हुई और घायल नागरिक घटनास्थल पर मौजूद था. हमले के तुरंत बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और खुफिया एजेंसियों ने बंदूकधारियों की पहचान शुरू कर दी है. ईरान द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किए गए.

सीएम केजरीवाल ने पत्नी सुनीता के साथ हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे. उनके साथ पत्नी सुनीता केजरीवाल, पार्टी के तमाम नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पत्नी सुनीता केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत अन्य आप नेताओं के साथ कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में बजरंगबली के दर्शन-पूजन करने पहुंचे. मंदिर पहुंचकर केजरीवाल ने पत्नी के साथ विधिवत रूप से बजरंगबली और शिवजी की पूजा की. मंदिर के पुजारी ने उन्हें एक गदा देकर चुन्नी उड़ाई. पूजा के बाद अरविंद केजरीवाल राजघाट जाएंगे. वे महात्मा गांधी के समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. शराब नीति केस में जमानत मिलने के बाद मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने भी इसी हनुमान मंदिर में बजरंगबली की पूजा की थी. अंतरिम जमानत के बाद 2 जून को सरेंडर करने से पहले भी केजरीवाल ने इसी मंदिर में बजरंगबली के दर्शन किए थे.

तेलंगाना में एक करोड़ रुपये के नोटों से सजाए गए भगवान गणेश

भद्राद्री कोठागुडेम (तेलंगाना) । तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के पलवंचा में गणेशोत्सव के दौरान बप्पा को एक करोड़ रुपए के नोटों से सजाया गया. 10 से 500 रुपये के नोटों से तैयार हार और अन्य आभूषणों से लंबोदर को भव्य रूप दिया गया. इस विशेष उत्सव में रामनगर स्थित विनायक मंडपम को विशेष रूप से सजाया गया. गणेशोत्सव की इस अनोखी सजावट को देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. इस इलाके में गणपति का श्रृंगार हर वर्ष कुछ अलग ढंग से होता है. ईस्ट कापू संगम द्वारा आयोजित समारोह में पिछले 28 वर्षों से ये सिलसिला जारी है. भगवान गणेश के पूरे विनायक मंडपम को फूलों और बिजली के लट्टूओं से सजाया गया. लक्ष्मी सप्ताह के अवसर पर यहां विशेष सजावट का भी आयोजन किया गया, जिसे देखने दूरदराज से लोग पहुंचे.

चुनावी रैली

पीएम ने डोडा में की चुनावी रैली, एक तीर से साधे तीन निशाने, कहा-

कश्मीर में अंतिम सांसें गिन रहा आतंकवाद: मोदी

एजेंसी। डोडा

पीएम नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर के डोडा में शनिवार को एक चुनावी रैली में कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांसें गिन रहा है. यहां हो रहा बदलाव हमारी सरकार की पिछले 10 सालों की कोशिशों का नतीजा है. इस बार का चुनाव तीन खानदानों और जम्मू कश्मीर के नौजवानों के बीच है. आपको वो वक्त याद है जब दिन ढलते ही यहां अघोषित कर्फ्यू लगा दिया जाता था. हालात ऐसे थे कि केंद्र की कांग्रेस सरकार के गृह मंत्री भी लाल चौक जाने से डरते थे.आतंकवाद अपनी जगह बना रहा था.

कश्मीरी हिंदुओं को दिलाएंगे उनका हक

कश्मीरी हिंदुओं को लेकर मोदी ने कहा, आपके इसी विश्वास को आगे बढ़ाते हुए जम्मू कश्मीर भाजपा ने आपके लिए एक से बढ़ कर एक संकल्प लिए हैं. आज ही हमने टीका लाल टपलू को याद किया है, उन्हें श्रद्धांजलि दी है. तीन दशक से ज्यादा हो गए, इसी दिन उन्हें आतंकवादियों ने शहीद किया था. उनकी हत्या के बाद कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार का एक अंतहीन सिलसिला चला. ये भाजपा है, जिसने कश्मीरी पंडितों की आवाज उठाई और उनके हित में काम किया .जम्मू कश्मीर भाजपा ने कश्मीरी हिंदुओ की वापसी और पुनर्वास के लिए टीका लाल टपलू योजना बनाने का ऐलान किया है.

उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है. एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है. जम्मू-कश्मीर में इन तीन खानदानों ने मिलकर आप लोगों के साथ जो किया है. वो किसी पाप से कम नहीं है. आतंकवाद को लेकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, आप याद करिए वो समय जब दिन ढलते ही यहां अघोषित कर्फ्यू लग जाता था. हालत ये थी कि तब कांग्रेस की केंद्र सरकार के गृहमंत्री तक लाल चौक जाने से डरते थे. जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है.

'कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी कोई दूसरी नहीं'

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में चुनाव सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने अपनी सरकार के कामों को गिनाया. उन्होंने कहा कि यहां श्री गुरु गोविंद सिंह जी की चरण पड़े हैं. विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, देश की जनता से झूठे वादे करना देश की जनता से झूठ बोलना कांग्रेस की आदत है. कांग्रेस ने हिमाचल की हालत इतनी खराब कर दी है की समस्या बताए नहीं बन रही है. कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज कोई पार्टी नहीं है.

रूस की कैद से वापस लौटे 49 युद्धबंदी और यूक्रेनी नागरिक

एजेंसी। कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस द्वारा बंधक बनाए गए 49 यूक्रेनी सैनिक और नागरिक वापस लौट आए हैं. कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, रूस से वापस लौटे 49 लोगों में सशस्त्र बल, नेशनल गार्ड, नेशनल पुलिस और सीमा रक्षकों के कर्मी भी शामिल हैं. समन्वय मुख्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि कुल 23 महिलाओं को वापस लाया गया है, जिन्हें रूस ने बंधक बनाकर रखा था. रिहा किए गए लोगों में क्रीमियन तातार लेनी उमेरोवा भी शामिल हैं. उन्हें साल 2022 में जॉर्जियाई-रूसी सीमा से रूस ने हिरासत में लिया था. वह अपने कैंसर से पीड़ित पिता की देखभाल के लिए क्रीमिया गई थीं. इसके अलावा सैन्य चिकित्सक विक्टर इवचुक को भी रिहा किया गया है. यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने भी 49 यूक्रेनी नागरिकों की रिहाई की जानकारी दी.

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर 1300 से ज्यादा रॉकेटों से किया हमला

नयी दिल्ली । ईरान समर्थित लेबनान के आतंकी समूह हिजबुल्लाह ने शनिवार को इजरायली टारगेट्स पर 1307 ड्रोन्स और सैकड़ों रॉकेटों से हमला किया. दावा किया गया है कि सभी ड्रोन्स इजरायली टारगेट पर सटीक तरीके से गिरे. लेकिन इजरायल का कहना है कि उसके आयरन डोम ने अधिकतर हमलों को हवा में ही नष्ट कर दिया. इजरायल ने कहा कि जो भी ड्रोन्स और रॉकेट ने इजरायली जमीन पर हमला किया, वो या तो खुले इलाके में गिरे या फिर उन्हें एयर डिफेंस सिस्टम ने आसमान में खत्म कर दिया. हिजबुल्लाह ने इजरायल को धमकी दी है कि अगर उसने गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी लोगों का जनसंहार खत्म नहीं किया तो और ज्यादा घातक हमले होंगे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)